राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 02 दिसंबर 2025

वर्ष 07, अंक 63, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

प्रसूता की मौत के मामले में जांच टीम गठित डीएम ने 24 घंटे में मांगी रिपोर्ट....03

केरल CM के साथ उनके मंत्री पर ED का एक्शन, 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन मामले में कारण.....12

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद एक्टिव हुआ टेलीकॉम मंत्रालय, जारी किया सिम बाइंडिंग का निर्देश

● दूरसंचार विभाग ने साइबर सिक्योरिटी को लेकर नया कदम उठाते हुए मैसेजिंग ऐप्स को सिम बाइंडिंग लागू करने को कहा है. सिम बाइंडिंग लागू होने के बाद यूजर्स बिना एक्टिव सिम के इन मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स को यूज नहीं कर पाएगा. इस नियम को 90 दिनों के भीतर लागू करना अनिवार्य है

साइबर खतरों से निपटने के लिए भारत सरकार कड़े कदम उठा रही है. दूरसंचार विभाग ने साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुरुपयोग की रोकथाम के लिए सिम बाइंडिंग का निर्देश किया जारी किया है, जिसके तहत व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप्स को उस सक्रिय सिम कार्ड से लिंक रहना होगा जिससे यूजर ने रजिस्टर किया है. अगर सिम बदल दिया जाता है, तो 6 घंटे के अंदर ऐप लॉगआउट हो जाएगा और फिर से लॉगिन के लिए उसी सिम कार्ड की जरूरत होगी. इस नियम को 90 दिनों के भीतर लागू करना अनिवार्य है.

जानकारी के मुताबिक दूरसंचार विभाग ने व्हाट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल और स्नैपचैट जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स को 'सिम बाइंडिंग' लागू करने के लिए 90 दिन का समय दिया है. यह एक ऐसी अनिवार्यता है जिसके तहत अगर उपयोगकर्ता पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किया गया सिम कार्ड हटा देते हैं, तो ये ऐप्स काम करना बंद कर देंगे.

धोखाधड़ी करने वालों पर सख्ती

फरवरी 2026 से प्रभावी इस निर्देश में यह भी अनिवार्य किया गया है कि इन ऐप्स के वेब वर्जन हर छह घंटे में उपयोगकर्ताओं को लॉग आउट करें, जिसके लिए क्यूआर कोड के ज़रिए नए प्रमाणीकरण की आवश्यकता होगी. अधिकारियों का कहना है कि यह उपाय उन साइबर धोखाधड़ी करने वालों को निशाना बनाता है जो मौजूदा व्यवस्था का फायदा उठाते हैं, जहां सिम कार्ड निकालने, बदलने या निष्क्रिय करने के बाद भी ऐप्स काम करते रहते हैं. सरकार का तर्क है कि भारत के बाहर से सक्रिय अपराधी इस खामी का फायदा उठाकर साइबर धोखाधड़ी और घोटाले कर रहे हैं.

दूरसंचार विभाग का निर्देश

दूरसंचार विभाग निर्देश के मुताबिक सभी कंपनियां ऐप आधारित संचार सेवाएं, जो अपने ग्राहकों/उपयोगकर्ताओं की पहचान के लिए या सेवाओं के प्रावधान या वितरण के लिए भारतीय मोबाइल नंबर का उपयोग कर रही हैं, उन्हें 90 दिनों के भीतर इसका पालन करना होगा. वेब एक्सेस प्रदान करने वाले ऐप्स को समय-समय पर लॉगआउट और रीलिंकिंग लागू करनी होगी, ताकि एक बार प्रमाणित और विदेश से संचालित खातों के दुरुपयोग को रोका जा सके.

अनिवार्य सिम बाइंडिंग, जो पहले से ही बैंकिंग/यूपीआई प्रणालियों में मानक है, अब फ़िशिंग, डिजिटल गिरफ्तारी, प्रतिरूपण और निवेश घोटालों से निपटने के लिए संचार ऐप्स तक विस्तारित की गई है.

फोन में संचार साथी एप जरूरी

इसके साथ ही दूरसंचार विभाग ने कंपनियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कंपनियां नए स्मार्टफोन में साइबर सिक्योरिटी एप 'संचार साथी' (Sanchar Saathi) पहले से डाउनलोड करके ही बेचें. विभाग ने एप्पल, सैमसंग, वीवोऔर ओप्पो जैसे सभी बड़े स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों को 9 महीने की समय-सीमा दी है. विभाग ने मोबाइल हैंडसेट निर्माताओं और आयातकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि 90 दिन के भीतर सभी नए उपकरणों में धोखाधड़ी की सूचना देने वाला ऐप संचार साथी पहले से लगा हो.

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों से कहा गया है कि नए मोबाइल फोन में प्री-इंस्टॉल Sanchar Saathi ऐप को यूजर्स किसी तरह डिलीट या अनइंस्टाल ना कर सकें. यही नहीं जिन फोन्स को पहले ही बेचा जा चुका है, उनमें भी सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए यह एप इंस्टॉल करने की बात आदेश में कही गई है।

सवाल- क्या वॉट्सएप-टेलीग्राम-स्नैपचैट के अलावा किसी दूसरे एप के इस्तेमाल पर भी असर होगा?

जवाब- हां, सभी ओटीपी बेस्ड मैसेजिंग, कॉलिंग और सोशल एप प्रभावित होंगे। इनमें वे एप शामिल हैं जिनमें वैरिफिकेशन जरूरी है। जैसे- सिग्नल, आईमैसेज, ट्रूकॉलर, ओटीपी से लिंक फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल/एपल आईडी में नंबर बेस्ड रिकवरी और यूपीआई एप। मतलब, कोई भी एप जो मोबाइल नंबर पर आधारित लॉगिन देता है, वह इस नियम से प्रभावित होगा।

सवाल- इस नियम को कब तक लागू किया जाएगा?

जवाब- कंपनियों को नियम लागू करने के लिए 90 दिन का समय दिया गया है। केंद्र सरकार ने कहा है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सभी ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार प्लेटफॉर्म को 90 दिन में सिम-टु-डिवाइस बाइंडिंग नियम मानना होगा।

सवाल- कंपनियों ने नियम नहीं माना तो क्या कार्रवाई होगी?

जवाब- केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक कंपनियों को 120 दिन के भीतर इसको लेकर रिपोर्ट देनी होगी। नियमों का पालन न करने पर टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023, टेलीकॉम साइबर सिक्योरिटी रूल्स और दूसरे लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, देश के सभी मामलों की जांच CBI को सौंपी, राज्यों से कहा- पुलिस करे मदद

● डिजिटल अरेस्ट मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि पूरे देश के डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच CBI करेगी. RBI को नोटिस जारी कर पार्टी बनाया गया है. SC दो हफ़्ते बाद मामले की आगे सुनवाई करेगा।

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

डिजिटल अरेस्ट मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. कोर्ट ने पूरे देश के डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच CBI को सौंप दी है. साथ ही राज्यों की पुलिस को केंद्रीय एजेंसी की सहायता करने का निर्देश दिए हैं. RBI को नोटिस जारी कर पार्टी बनाया गया है. SC दो हफ़्ते बाद मामले की आगे सुनवाई करेगा. इसके अलावा आईटी मध्यस्थ नियम 2021 के अंतर्गत प्राधिकारी CBI को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

न्यायाधीश सूर्यकांत ने आदेश देते हुए कहा कि अधिकांश राज्यों ने एक स्वर में कहा है कि ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को धोखेबाजों द्वारा विभिन्न तरीकों से निशाना बनाया गया है. CJI ने आगे दर्ज कराया कि इस न्यायालय के संज्ञान में लाई गई घटनाओं की प्रारंभिक जांच के बाद, एमाइकस ने स्कैन को तीन श्रेणियों में विभाजित किया है. जिसमें डिजिटल अरेस्ट, निवेश घोटाला और अंशकालिक नौकरी घोटाला शामिल है. यह साइबर अपराध के गंभीर क्षेत्रों में से एक हैं, जहां जबरन वसूली होती है, या बड़ी रकम जमा करने का लालच देकर ठगा जाता है।

CBI इंटरपोल अधिकारियों से भी ले सकती है मदद

आदेश के मुताबिक जिन राज्यों ने CBI को सहमति नहीं दी है, वे अपने अधिकार क्षेत्र में आईटी अधिनियम 2021 के अंतर्गत जांच के लिए सहमति प्रदान करें ताकि CBI पूरे भारत में व्यापक जांच कर सके. साथ ही अपराध की गंभीरता और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र हमारी सीमाओं से परे है, CBI से जरूरत पड़ने पर इंटरपोल अधिकारियों से सहायता लेने को कहा है।

नेटवर्क कंपनी पर भी कसेगा शिकंजा

सिम जारी करने में अगर लापरवाही बर्ती गई और इस मामले पर सांवधानी कदम नहीं उठाए गए, तो कोर्ट ने दूरसंचार विभाग को इस न्यायालय के समक्ष एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश है. इस आदेश के बाद से सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकने के लिए सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा लागू किया जाना आवश्यक होगा।

CBI के हाथों को मजबूत करने के लिए दिए कई निर्देश

कोर्ट ने CBI को पीसीए के तहत उन बैंकरों की भूमिका की जांच करने की पूरी छूट दी हैं, जहां ऐसे डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों के लिए बैंक खाते खोले गए हैं. साथ ही कोर्ट ने कहा कि हम RBI को इस न्यायालय की सहायता करने के लिए पक्ष बनाते हैं और नोटिस जारी करते हैं कि ऐसे खातों की पहचान करने और अपराध की आय को रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग कब लागू की जाए।

बैंक अधिकारियों और टेलीकॉम कंपनियों की जवाबदेही तय अदालत का आदेश केवल जांच एजेंसियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन वित्तीय और दूरसंचार प्रणालियों पर भी प्रहार किया गया जो अनजाने में इन घोटालों का माध्यम बन रही हैं। बैंक अधिकारियों की जांचः बैंकिंग प्रणाली में मौजूद खामियों पर सख्त टिप्पणी करते हुए, पीठ ने सीबीआई को उन बैंक अधिकारियों की जांच करने का निर्देश दिया जिन पर जालसाजों के साथ 'मिलीभगत' का संदेहहै। कोर्ट ने 'म्यूल अकाउंट्स' (Mule Accounts)–वे खाते जो तीसरे पक्ष के नाम पर अवैध धन को इधर-उधर करने के लिए खोले जाते हैं–का जिक्र करते हुए कहा कि बैंक के भीतर से मदद मिले बिना ऐसे खाते संचालित करना मुश्किल है।

विदेशी अपराधियों के लिए इंटरपोल की मदद अपराध की अंतरराष्ट्रीय प्रकृति को समझते हुए, जहां अपराधी अक्सर विदेशी टैक्स हेवन देशों से रैकेट चलाते हैं,सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि विदेशों में छिपे आरोपियों को पकड़ने के लिए इंटरपोल (Interpol) की मदद ली जाए। इसके अलावा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और मैसेजिंग ऐप्स–जिनका इस्तेमाल 'डिजिटल अरेस्ट' को अंजाम देने के लिए किया जाता है–को जांच के दौरान सीबीआई को पूरा सहयोग देने और आवश्यक जानकारी मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त ख़बरें

आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब नगर में कैंप आयोजित

सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने किया निरीक्षण

बलरामपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी के निर्देश पर विकास खंड उतरौला के ग्राम गरीब नगर में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गई तथा लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। कैंप में कुल 45 लाभार्थियों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए गए, जिससे वे निःशुल्क इलाज की सुविधा का लाभ ले सकेंगे। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 72 ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, सामान्य रोगों की जांच और परामर्श सेवाएँ शामिल रहीं।

शिविर का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने स्वयं किया। उन्होंने कार्ड निर्माण की प्रक्रिया, स्वास्थ्य परीक्षण व्यवस्था और ऑन-ग्राउंड टीमों द्वारा दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। सीएमओ ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य सबसे गरीब और जरूरतमंद लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना है, और जिले में इस दिशा में लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला डॉ. चंद्र प्रकाश, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार शुक्ला, डीएमओ राजेश पाण्डेय, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, सहायक शोध अधिकारी सिद्धार्थ गुप्ता सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से स्वास्थ्य सेवाएँ सीधे गाँव तक पहुंचती हैं और आयुष्मान कार्ड बनने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलती है। सीएमओ ने आगामी दिनों में अन्य ग्राम पंचायतों में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की जानकारी दी।

रूबिया सईद किडनैपिंग केसः 35 साल बाद पकड़ा गया शफात शुंगलू, CBI ने दबोचा

● मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद किडनैपिंग केस में CBI ने बड़ी कार्रवाई की है. 1989 के इस मामले में एजेंसी ने 35 साल बाद शफात अहमद शुंगलू को श्रीनगर से गिरफ्तार किया है. शफात पर 10 लाख का इनाम था और वह लंबे समय से फरार था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद किडनैपिंग केस में नया मोड़ आया है. 1989 में हुए अपहरण केस में सीबीआई ने श्रीनगर में नई गिरफ्तारी की है. आरोपी की पहचान शफात अहमद शुंगलू के तौर पर हुई है, जो हवाल का रहने वाला है और अभी इश्बर निशात में रह रहा है. सूत्रों का कहना है कि यह व्यक्ति 90 के दशक में छ्ग्यस्त्र का वर्कर था, जब यह घटना हुई थी.

शफात की गिरफ्तारी को लेकर सीबीआई (Central Bureau of Investigation) की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 1989 के रूबिया सईद किडनैपिंग केस में फरार शफात अहमद शांगलू को गिरफ्तार किया गया है. फरार शफात अहमद शांगलू 35 साल पुराने सीबीआई के केस में वॉन्टेड था.

भगोड़े पर 10 लाख रुपये का इनाम

जांच एजेंसी ने अपने बयान में आगे कहा, आरोपी शांगलू ने साल 1989 में आरपीसी (रणबीर दंड संहिता) और ञ्रष्ठ एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत यासीन मलिक और दूसरों के साथ मिलकर एक जुर्म किया था. भगोड़े पर 10 लाख रुपये का इनाम है. उसे कानून के मुताबिक तय समय के अंदर ञ्रष्ठ कोर्ट जम्मू में पेश किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती

मोहम्मद सईद की छोटी बेटी रूबिया सईद उनके घर से महज 500 मीटर की दूरी से अपहरण हुआ था. इस घटना ने देश की सियासत को हिला दिया था. बंदूक की नोंक पर किए गए इस अपहरण की आवाज लंदन तक पहुंची थी.जिस वक्त अपहरण हुआ, उस वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अबदुल्ला लंदन में थे.

घटना की जानकारी मिलते ही वो भारत आए. इस केस में यासीन मलिक का नाम आया. रूबिया की रिहाई के लिए सरकार को 5 आतंकियों को छोड़ना पड़ा था, जो भारत की गिरफ्त में थे.

क्या हुआ था उस दिन?

1989 में सर्दियों के दिन थे. रूबिया एक अस्पताल में मेडिकल इंटर्न थीं. शाम के वक्त वो हॉस्पिटल से अपने घर लौट रही थीं. मिनी बस से घर जा रही थीं. इस दौरान नौगाम में उनके घर से 500 दूरी पर चार लोगों ने उन्हें बंदूक की नोक पर गाड़ी से बाहर निकाला और एक मारुति कार में बैठाया और गायब हो गए. बाद में पता चला कि जिस शख्स ने इस वारदात को अंजाम दिया, उसका नाम था यासीन मलिक

नशेड़ी बस चालक ने राहगीर को रौंदा दो वाहनों को भी मारी टक्कर, लोगों ने पड़ककर बस चालक को पीटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के शहर कोतवाली क्षेत्र के मंडी चौकी के निकट रविवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब अनियंत्रित प्राइवेट बस ने कई वाहनों और एक राहगीर को जोरदार टक्कर मार दी हादसे में राहगीर मनोज कुमार घायल हो गए, जबकि दो अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हुए। आरोप है कि बस चालक श्रवण कुमार शराब के नशे में धुत होकर वाहन चला रहा था। हादसे के बाद गुस्साए राहगीरों ने चालक को बस से उतारकर उसकी पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राइवेट बस संख्या क्क30 ञ्ज 7003 मंडी क्षेत्र में तेजी से दौड़ रही थी। पुलिस चौकी के पास पहुंचते ही चालक ने नियंत्रण खो दिया और पहले राहगीर मनोज कुमार पुत्र राज कुमार, निवासी लोनियनपुरवा, को टक्कर मार दी। इसके बाद बस ने दो अन्य वाहनों को भी टक्कर मार दी जिससे वाहनों को भारी नुकसान हुआ दुर्घटना में घायल मनोज कुमार को तत्काल उपचार के लिए ले जाया गया जहां उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया प्रभारी निरीक्षक अनूप शुक्ला ने बताया कि बस चालक श्रवण कुमार पुत्र संजय कुमार, निवासी लोहारखेड़ा थाना पिहानी, जनपद हरदोई, के शराब के नशे में होने की पुष्टि एल्कोहॉलिक मेडिकल परीक्षण में हुई पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर बस चालक को भी प्राथमिक उपचार दिलाया है वहीं घायल राहगीर मनोज कुमार की स्थिति भी स्थिर बताई गई है दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। गुस्से में आए लोगों ने बस चालक की जमकर धुनाई कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और भीड़ को हटाकर स्थिति शांत कराई पुलिस के अनुसार, पीड़ित मनोज कुमार द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है!!

विश्व एड्स दिवस पर सरोजनीनगर पीएचसी में जागरूकता कार्यक्रम, पहल द बिगनिंग और केजीएमयू की संयुक्त पहल

● ...अध्यक्ष मनोज आनंद ने किया मार्गदर्शन, केजीएमयू की डॉक्टर अहिंसा यादव सहित विशेषज्ञों ने जागरूकता बढ़ाने पर दिया जोर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सोमवार को सरोजनीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर पहल द बिगनिंग और किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (केजीएमयू) के सौजन्य से एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पहल द बिगनिंग के अध्यक्ष मनोज आनंद ने की, जिन्होंने उपस्थित लोगों को एड्स दिवस के महत्व, एचआईवी/एड्स संक्रमण की रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार अपनाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर विस्तृत रूप से संबोधित किया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा समय-समय पर ब्लॉक

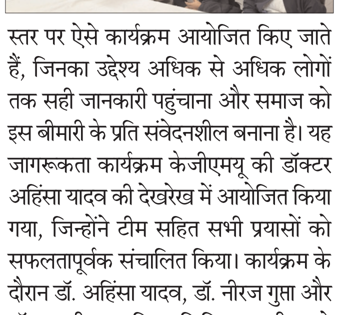

स्तर पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना और समाज को इस बीमारी के प्रति संवेदनशील बनाना है। यह जागरूकता कार्यक्रम केजीएमयू की डॉक्टर अहिंसा यादव की देखरेख में आयोजित किया गया, जिन्होंने टीम सहित सभी प्रयासों को सफलतापूर्वक संचालित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अहिंसा यादव, डॉ. नीरज गुप्ता और डॉ. वसीम सहित चिकित्सा टीम ने एचआईवी/एड्स के लक्षण, बचाव के उपाय, शीघ्र जांच की महत्ता और उपलब्ध उपचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संस्थाओं की इस संयुक्त पहल का मुख्य उद्देश्य समुदाय को जागरूक करना, भ्रांतियों को दूर करना और लोगों को सुरक्षित एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर मिस्टर इंडिया को मिला स्वदेश रत्न सम्मान 2025

गोण्डा। सागर कला भवन, स्वदेश संस्थान (एस.बी. सागर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट) अयोध्या के तत्वावधान में आयोजित रविन्द्र नाथ टैगोर स्वदेश रत्न सम्मान 2025 के लिए इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय जादूगर मिस्टर इंडिया का चयन किया गया है। संस्था द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार जनपद गोण्डा अंतर्गत विकास खण्ड परसपुर निवासी जादू की दुनिया के बेताज बादशाह मिस्टर इंडिया को उनकी विशिष्ट कला, जनसेवा तथा सांस्कृतिक योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।सागर कला भवन आयोजन समिति ने बताया कि 'स्वदेश रत्न सम्मान' का उद्देश्य पूरे देश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित करना है। समिति ने बताया कि यह एक पंजीकृत संस्थान है और इसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत में विस्तारित है।संस्थान ने ख्याति प्राप्त जादूगर मिस्टर इंडिया के चयन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है और आशा व्यक्त की है कि उनका उत्कृष्ट कार्य समाज को नई दिशा प्रदान करता रहेगा।

डीएम ने तीन स्वास्थ्यकर्मियों का रोका वेतन देर रात पीएचसी निरीक्षण में मिली अनियमितताएं, स्टाफ को लगाई फटकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने रविवार देर रात करीब 12 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसेन्डी का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया अचानक पहुंचे जिलाधिकारी ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड की स्थिति देखी। इसके बाद उन्होंने लेबर रूम, एनबीएसयू (नवजात शिशु देखभाल इकाई) कक्ष, मातृ सुरक्षा केंद्र सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई एमओआईसी के अनुपस्थित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने उनका एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

इसी तरह चिकित्सक सुनील द्वारा मातृ सुरक्षा केंद्र सही ढंग से संचालित न करने पर उनका भी एक दिन का वेतन रोकने और नोटिस जारी करने के आदेश किए गए इसके अलावा बीपीएम द्वारा रजिस्टर का रख रखाव न रखने पर 15 दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी रजिस्टरों की जांच करते हुए संबंधित स्टाफ को जरूरी दिशा-निर्देश दिए उन्होंने सीएचसी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर जोर दिया डॉ. राजा गणपति आर. ने नर्स ड्यूटी कक्ष का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने ड्यूटी रजिस्टर को देखते हुए पाया कि ड्यूटी चार्ट प्रदर्शित नहीं किया गया है इस पर उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का ड्यूटी चार्ट स्पष्ट रूप से चस्पा किया जाए ताकि मरीजों और उनके तीमारदारों को जानकारी मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक व्यक्ति को सरकारी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं और समुचित उपचार उपलब्ध हो इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना होगा उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे!!

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत हसवा में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

महिला-बालिका सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं की दी गई जानकारी

अमेठी। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देश पर तथा उपजिलाधिकारी/प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी सात्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में ऑपरेशन मुक्ति थीम पर ग्राम पंचायत हसवा, विकास खंड तिलोई में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिला एवं बालिका सशक्तिकरण से संबंधित प्रमुख सरकारी योजनाओं– बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, वन स्टॉप सेंटर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य/कोविड), स्पॉन्सरशिप योजना तथा निराश्रित महिला पेंशन योजना–की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों द्वारा इन योजनाओं से जुड़े पंपलेट, फोल्डर वितरित कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही बच्चों से जुड़े मुद्दों जैसे कुपोषण, स्वास्थ्य, बाल श्रम, शिक्षा और बाल विवाह पर परिचर्चा की गई तथा उपस्थित महिलाओं-बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–181 (महिला हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा)–की जानकारी देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में गुलाब चन्द्र और दिनेश कुमार, आउटरीच कार्यकर्ता, जिला बाल संरक्षण इकाई भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं

अधिकारियों को दिए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा पुलिस कार्यालय में की गयी जनसुनवाई

अमेठी । पुलिस कार्यालय गौरीगंज में पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक द्वारा जनसुनवाई की गयी । इस दौरान पुलिस कार्यालय में आने वाले फरियादियों की शिकायतों को सुना गया तथा उनकी शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबन्धित को आवश्यक आदेश-निर्देश दिए गए ।

ग्राम पंचायत सैफाबाद में इंटरलॉकिंग कार्य में घटिया सामग्री का हो रहा प्रयोग भ्रष्टाचार की भेंट चल रहा नवनिर्मित इंटरलॉकिंग कार्य

●ईट व पत्थर के रोड़ों को नीचे बिछाने के बजाए बालू बिछाकर लगाया जा रहा है इंटरलॉकिंग

●ग्राम प्रधान विकास कुमार , सचिव व टीए की मिलीभगत से घटिया सामग्री का इंटरलॉकिंग कार्य में हो रहा प्रयोग

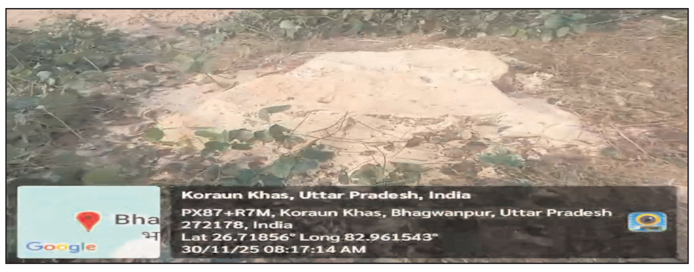

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केबहादुरपुर विकासखंड बहादुरपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सैफाबाद में मानक को दर किनार करके इंटरलॉकिंग कार्य शुरू किया गया है । इंटरलॉकिंग कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग धड़ल्ले से ग्राम प्रधान द्वारा किया जा रहा है । इंटरलॉकिंग कार्य हेतु दोनों किनारों पर बनाए गए बॉक्सिंग कार्य में पीले ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है यदि ईट के गुणवत्ता की बात करे तो ईट सरकारी मानक के खिलाफ है । इंटरलॉकिंग कर में प्रयुक्त ईट को यदि ऊपर से एक बार नीचे गिरा दिया जाए तो इतने खंड हो जाएंगे की उन खण्डों को गिनना मुश्किल हो जाएगा । बॉक्सिंग / दोनों तरफ पटरी कार्य बिना मोरंग के कराया जा रहा है । बॉक्सिंग में मोरंग का प्रयोग न होने से बॉक्सिंग मजबूत नहीं होगा अर्थात् बॉक्सिंग कमजोर होने के कारण जल्द ही बॉक्सिंग टूट जाएगा । इंटरलॉकिंग कार्य में पहले ईट या गिट्टी का रोड़ा तोड़ा जाता है और रोड़ा तोड़कर / बिछाकर इंटरलॉकिंग ईट बिछाया जाता है लेकिन सैफाबाद में ग्राम प्रधान विकास कुमार , सचिव व तकनीकी सहायक (जे ई) के मिली भगत से सरकारी शासनादेश को ताक पर रखकर कमीशनखोरी करके इंटरलॉकिंग कार्य के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है जो खंड विकास अधिकारी बहादुरपुर घीषम प्रसाद के लिए चुनौती बना हुआ है और जिले में तरह तरह की चर्चाएं चल रही हैं । सैफाबाद में चल रहे मानक विहीन इंटरलॉकिंग कार्य का वीडिओ सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है । अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार की भेंट चल रही नवनिर्मित इंटरलॉकिंग कार्य में क्या कार्रवाई की जाती है ? उक्त प्रकरण में खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर घीषम प्रसाद से फोन के माध्यम से जानकारी लेना चाहा तो खंड विकास अधिकारी का फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर निकाला ।

आयुक्त महोदय, कमरे से निकलिए किसी एक परियोजना कों अवश्य चेक करें, बैठक में लोग झूठ बोलते है कीजाए करवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में इस तरफ भ्रष्टाचार पांव जमा लिया है 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं सड़कों को छोड़कर की समीक्षा मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में संपन्न हुई। मण्डलायुक्त ने सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं की बिन्दुवार प्रगति की जानकारी ली। मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि अगली बैठक में बैठक से पूर्व लिखित प्रगति रिपोर्ट प्राप्त कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि निर्माण कार्यो में शिथिलता कदापि क्षम्य नही है, ऐसा होने पर कार्यदायी संस्था के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेंगी। समीक्षा में उन्होने पाया कि मण्डल में जनपद बस्ती की 144, सिद्धार्थनगर की 128 तथा संतकबीर नगर की 87 निर्माण के परियोजनाओं के सापेक्ष मण्डल की प्रगति 86.96 प्रतिशत है। उन्होने कहा कि अवशेष लक्ष्य निर्धारित अविधि में पूरा करने में किसी भी प्रकार की हिलाहवाली बर्दाश्त नही की जायेंगी। उन्होने यह भी कहा कि जो परियोजनाए पूर्ण हो गये हैं, उसे यथाशीघ्र शासन के गाइडलाइन के अनुसार हैण्डओवर किया जाए। मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्माणाधीन परियोजनाओं में बजट न प्राप्त होने की दशा में उच्च स्तर पर पत्राचार अवश्य किया जाय। मण्डल स्तरीय अधिकारी स्वतः भी विभागीय सीएमएस पोर्टल पर अद्यतन प्रगति निरन्तर अवलोकित करें, जिससे जिले की रैकिंग प्रभावित न हो। बैठक का संचालन उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या पूनम ने किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, बस्ती सार्थक अग्रवाल, सिद्धार्थनगर के बलराम सिंह, संतकबीर नगर के जयकेश त्रिपाठी, संयुक्त विकास आयुक्त कमलाकान्त पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिले के प्राइवेट हॉस्पिटल में मानकों का उल्लंघन सीएमओ से शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं,

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती- बस्ती जिले के प्राइवेट हॉस्पिटल में मानकों का उल्लंघन सीएमओ से शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं, ऐसे मेडिकल सेंटरों में मरीजों का शोषण के साथ उनके जान माल का खतरा भी बढ़ गया हैशिकायतों के बाद स्वस्थ विभाग के जिम्मेदारों द्वारा कार्यवाही न होना उनके संलिप्तता का प्रतीक माना जा रहा है।खबर चलने के बाद जांच करने पहुंचे थे एडिशनल सीएमओ एसबी सिंह। विटामिन एम लेकर हुई वापसी नहीं हुई बेसमेंट में चल रहे हॉस्पिटल पर कोई कार्रवाई।स्वस्थ विभाग मेडिकल सेंटरों के मानक की जांच न करके फायर विभाग के द्वारा

जारी किए ठ्ठश्ष पर स्वास्थ्य विभाग थोप रहा सारी जिम्मेदारी।समाजवादी नेता का चहेता बताया जा रहा अस्पताल संचालक।मीडिया से रूबरू होकर सीएमओ ने कही थी कार्रवाई की बात अभी तक नहीं हुई कोई कार्रवाई।मानक विहीन होते हुए ठंडे बस्ते में नजर आ रही जिम्मेदारों के जांच की फाइल।सरकारी एएनएम के आवासीय मकान के बेसमेंट में चल रहा प्रकाश नर्सिंग होम। नियम कानून को ताक पर रखकर संबंधित अधिकारी चलवा रहे मानक विहीन प्राइवेट अस्पताल।रजिस्ट्रेशन में लगे डॉक्टरों की डिग्री वाले नहीं करते हैं इलाज ओपी पटेल नाम का आप्रशिक्षित व्यक्ति करता है इलाज।सवाल यह भी है की डिग्री बेचने वाले डॉक्टरों पर कब होगी कार्रवाई। कुदरहा ब्लॉक के ग्राम पंचायत उजीयनपुर का है पूरा मामला यहां मरीजों का शोषण किया जाता है ऐसे अवैधूली किया जाता है गरीब मजदूरों को झांसा देकर भर्ती करके अवैध इलाज करके उनसे मोटी रकम रसूल जाता है

वार्ड 10 में ठेकेदार का आतंकमानकहीन नाली निर्माण का विरोध करने पर जातिसूचक गाली, धमकी और अभद्रता

●बेसहारा प्रशासन पर उठे सवाल– क्या भ्रष्टाचारियों के आगे बेबस हैं अधिकारी?

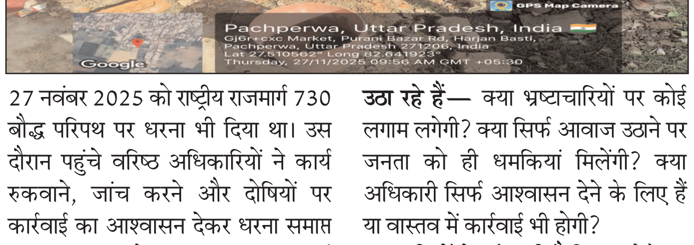

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पचपेड़वा/बलरामपुर। नगर पंचायत पचपेड़वा के वार्ड नंबर 10 में नाली व इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण को लेकर चल रहा विवाद अब खतरनाक मोड़ ले चुका है। यहां घटिया निर्माण, नियमों की धज्जियां और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच अब ठेकेदार द्वारा स्थानीय लोगों को जातिसूचक गाली देने, अभद्र भाषा का प्रयोग करने और 'देख लेने' की धमकी देने की घटना से पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया है। नाली में पीली ईंटों का उपयोग, न तो लेवलिंग और न ही उचित बेस तैयार किए बिना इंटरलॉकिंग बिछा देने जैसी गंभीर अनियमितताओं के खिलाफ स्थानीय नागरिक लगातार आवाज उठा रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि यह कार्य सिर्फ सरकारी धन की लूट नहीं, बल्कि जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। इस मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानू) कई बार नगर पंचायत प्रशासन सहित संबंधित अधिकारियों को शिकायत और ज्ञापन देकर सचेत कर चुकी है। गुणवत्ता-विहीन कार्य का प्रमाण देते हुए यूनियन ने 27 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय राजमार्ग 730 बौद्ध परिपथ पर धरना भी दिया था। उस दौरान पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्य रुकवाने, जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया था। लेकिन आश्वासन सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया। जमीन पर न तो निर्माण में सुधार हुआ और न ही जिम्मेदारों पर कोई ठोस कार्रवाई। इसी बेपरवाही ने ठेकेदार का हौसला इतना बढ़ा दिया कि आज उसने विरोध कर रहे लोगों पर जातिसूचक टिप्पणियां कर दीं और धमकाते हुए 'पुरखों की याद दिलाने' जैसी शर्मनाक बातें तक कह डालीं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि— 'यह सब छ्श्च, श्वह्र और नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों की खुली मिलीभगत से हो रहा है। अगर अधिकारियों की शह न होती तो एक ठेकेदार जनता को खुलेआम धमकाने की हिम्मत न करता। '

क्षेत्र में भारी आक्रोश है। लोग सवाल उठा रहे हैं— क्या भ्रष्टाचारियों पर कोई लगाम लगेगी? क्या सिर्फ आवाज उठाने पर जनता को ही धमकियां मिलेंगी? क्या अधिकारी सिर्फ आश्वासन देने के लिए हैं या वास्तव में कार्रवाई भी होगी?

ग्रामीणों ने मांग की है कि— ठेकेदार पर जातिसूचक गाली और धमकी के मामले में तत्काल स्न्ढक्र दर्ज की जाए,छ्श्च, श्वह्र और निर्माण कार्य की देखरेख में शामिल सभी जिम्मेदारों पर विभागीय जांच बैठे,और पूरे कार्य की गुणवत्ता की उच्च स्तरीय जांच हो, ताकि सरकारी धन का वास्तविक उपयोग सुनिश्चित हो सके। क्षेत्र के माहौल में बढ़ते तनाव और जनता के गुस्से को देखते हुए अब प्रशासन की अगली कार्रवाई बेहद अहम हो गई है। लोगों का कहना है कि अगर इस बार सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो भ्रष्टाचार और दबंगई की यह श्रृंखला और ज्यादा खतरनाक रूप ले सकती है। वार्ड 10 के लोग अब न्याय की उम्मीद में प्रशासन की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं।

अब्दुल रहमान से बन गए राम दुलारे चौबे,सुरक्षा एजेंसियों को भी दिया चकमा।

●बस्ती जिले में ऐसे तमाम लोग अपना आधार पहचान बदलकर जिले में अवैध रूप से जमीनों को कर रहे हैं फर्जी पट्टा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जनपद की सुरक्षा एजेंसियों के नाक के नीचे वर्षो से नाम बदल कर रहा रहे अब्दुल रहमान का शिकायत के बाद हुआ पर्दाफाश मामला प्रकाश मे आने से खड़े हुये सुरक्षा एजेंसियों के कान,आननफानन मे पुलिस के उच्चधिकारियों ने शुरु की जाँच तो खुलकर सच्चाई आ गई सामने,प्राप्त जानकारी के अनुसार गुजरात के अब्दुल रहमान ने फर्जी मतदाता पहचान पत्र व आधार कार्ड दिवंगत राम दुलारे चौबे के नाम का बनवाकर वर्षो से गुजरात से आकर बस्ती के सोनहा थाना क्षेत्र के छनवतिया गाँव मे रहना शुरु किया और फिर रामदुलारे चौबे बनकर जमीन का खरीद-फरोख्त भी किया हडकंप तब मचा जब उसने आवसा के लिए आवेदन किया और ओटीपी के लिए अपने मोबाईल नम्बर का इस्तेमाल किया तो मामला प्रकाश मे आ गया। बताते चलते है कि गुजरात का एक मुस्लिम व्यक्ति बस्ती जनपद में हिंदू नाम-पहचान से दो दशक से डेरा जमाए रहा। उसके संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी सामने आते ही सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब उसे ढूंढ रही हैं। फर्जी पहचान पत्र, फर्जी आधार कार्ड से इसने जमीन की खरीद-फरोख्त भी की है। मामला पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में आते ही जांच बैठा दी गई है। गुजरात के वलसाड जिले के भिलाड़ बेस्ट नियर गरीब नवाज होटल भिलाड़ निवासी अब्दुल रहमान खान पुत्र अब्दुल माजिद खान बस्ती जिले के छनवतिया थाना सोनहा निवासी दिवंगत राम दुलारे चौबे पुत्र रुद्रनाथ बनकर जालसाजी किया है। ग्राम छनवतिया के मोहम्मद असलम पुत्र अब्दुल खालिद के निर्वाचन कार्ड नंबर ञ्जक्क0139873 को स्कैन और एडिट कर वर्ष 2007 में मुस्लिम से हिंदू बनकर फर्जी पहचान पत्र बनवाया है। सोनहा थाना क्षेत्र के रेंगी निवासी फूल चन्द चौधरी ने जब जिला निर्वाचन कार्यालय से छानबीन कराई तो मामला पकड़ में आया। जब निर्वाचन कार्यालय से नकल प्राप्त किया तो फर्जीवाड़ा की पोल खुली। इसी मतदाता पहचान पत्र को स्कैन और एडिट कराया और एक महिला से मिलकर कंप्यूटर के माध्यम से फर्जी नाम से आधार कार्ड भी वर्ष 2016 बनवा लिया। अब्दुल रहमान ने दो बार अपना नाम परिवर्तित कराया है। इसके आधार पर एक महिला के नाम से बैनामा भी किया है। अब्दुल रहमान लंबे समय तक सोनहा थाना क्षेत्र के मुस्लिम बाहुल्य गांव सेहबरा के मदरसे पर रहा। इस बीच इसने सल्टौवा ब्लाक में प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन किया था। आवेदन सत्यापन में जब उसके मोबाइल नंबर पर आधार कार्ड की मांग हुई तो उसने जल्दबाजी में गुजरात के निवास पते का आधार कार्ड नंबर 900494491819 भेज दिया। बाद में जब इसकी पोल खुल गई तो कुछ दिनों से इसने अपना ठिकाना बदल दिया। फर्जी पहचान पत्र, धोखाधड़ी, जालसाज़ी, मृतक व्यक्ति का प्रतिरूपण करते हुए भूमि की अवैध बिक्री, साजिश एवं गंभीर आपराधिक

कृत्य से जुड़ा मामला है। उसके कनेक्शन यहां किसके-किसके साथ रहे, इसकी भी जांच शुरू हो गई है। ग्राम छनवतिया के राम दुलारे चौबे के भाई राम पियारे पुत्र रुद्रनाथ ने बताया के मेरे छोटे भाई राम दुलारे चौबे की मृत्यु 30 वर्ष पहले हो चुकी है। भाई के हिस्से का करीब डेढ़ बिगहा जमीन फर्जी कागजात तैयार कराकर सिर्फ तीन लाख में बैनामा करा लिया गया। जब मुझे इसकी जानकारी हुई कि हमारी संपत्ति को दूसरे लोगों ने फर्जी बैनामा करा लिया तो निबंधन कार्यालय के साथ न्यायालय के संज्ञान में लाया गया है। सभी प्रपत्र जब पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचा तो उन्होंने इसकी जांच सीओ रुधौली को सौंप दिया। इस मामले में पूछे जाने पर पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने बताया कि यह गंभीर प्रकरण है। इसकी जांच सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह को सौंपी गई है। एसपी अभिनंदन ने बताया कि शिकायती पत्र मिला कि एक व्यक्ति अपनी आइडेंटिटी बदल कर जमीन की खरीद फरोख्त की है, पूरे मामले की सीओ को जांच सौंपी गई है, जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुम्बई से गायब मोबाइल बरामद — साइबर सेल व महाराष्ट्र पुलिस की संयुक्त कार्रवाई ने दिलाई बड़ी सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

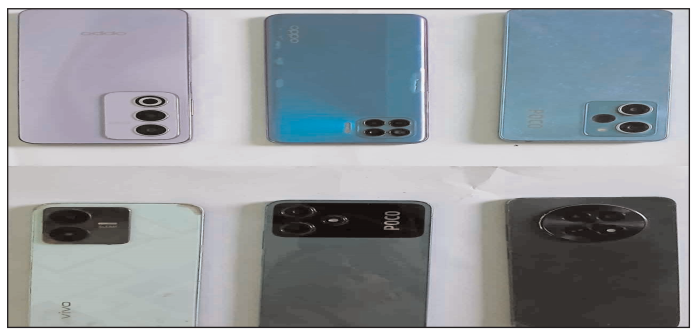

बलरामपुर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। साइबर सेल सिपाही धीरज तिवारी एवं मुम्बई पुलिस की संयुक्त टीम ने जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 26 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। तकनीकी सर्विलांस के आधार पर मुम्बई में दर्ज चोरी/गुमशुदगी के मोबाइलों की लोकेशन बलरामपुर जनपद में मिलने के बाद संयुक्त टीम ने स्थानीय थाना पुलिस के सहयोग से अभियान चलाया। अभियान के दौरान अलग-अलग थाना क्षेत्रों से निम्न प्रकार मोबाइल बरामद हुए–

थाना महाराजगंज तराई से – 6 मोबाइल कोतवाली उतरौला से – 1 मोबाइल

थाना जरवा व कोतवाली देहात से – कुल 06 मोबाइल

थाना पचपेड़वा से – 05 मोबाइल

इनमें से 5 मोबाइल थाना स्थानीय पर जमा किए गए

1 मोबाइल साइबर थाना पर जमा

कोतवाली नगर से – 4 मोबाइल

सभी मोबाइलों की बरामदगी मुम्बई पुलिस टीम और साइबर सेल द्वारा तकनीकी विश्लेषण, सर्विलांस और लोकल इनपुट के आधार पर की गई। टीम ने गाँव-गाँव जाकर मोबाइल धारकों से पूछताछ की और सत्यापन के बाद मोबाइल कब्जे में लिए। एसपी बलरामपुर ने कहा कि साइबर अपराधों के खिलाफ चल रही कार्रवाई भविष्य में भी इसी गति से जारी रहेगी। उन्होंने संयुक्त टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय बढ़ाने से अपराध नियंत्रण में और अधिक सफलता मिलेगी। बरामद मोबाइल विधिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए जाएंगे। यह पूरी कार्रवाई साइबर सेल की सक्रियता और पुलिस-पुलिस समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

महराजगंज तराई में मिशन शक्ति चरण-5 के तहत चौपाल, महिलाओं-बेटियों को किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर- थाना महराजगंज तराई, जनपद बलरामपुर द्वारा सोमवार को मिशन शक्ति अभियान के पंचम चरण के शुभारंभ के अवसर पर ग्राम नवीनगर में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

चौपाल में एंटी रोमियो टीम तथा मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण महिलाओं, किशोरियों एवं पुरुषों को दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसे गंभीर सामाजिक अपराधों के प्रति जागरूक किया। टीम ने बताया कि बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है, जिसके लिए कड़ा दंड

प्रावधानित है। दहेज प्रतिषेध अधिनियम की महत्वपूर्ण धाराओं और इसके उल्लंघन पर होने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में भी ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं– मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना आदि की जानकारी देकर ग्रामीणों को इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं सहायता से जुड़े सभी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी लोगों को दी गई, जिसमें वूमेन पावर लाइन 1090, एंबुलेंस सेवा 108, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, गर्भवती महिलाओं के लिए 102, साइबर हेल्पलाइन 1930, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 प्रमुख रहे।

टीम ने थाने पर संचालित महिला हेल्प डेस्क और मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में भी ग्रामीणों को अवगत कराया, ताकि किसी भी समस्या की स्थिति में महिलाएं निःसंकोच सहायता प्राप्त कर सकें। चौपाल के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और कार्यक्रम की सराहना की। पुलिस टीम ने आगे भी इस तरह की जागरूकता गतिविधियाँ जारी रखने का आश्वासन दिया।

ऑनलाइन हाज़िरी के विरोध में फूटा आक्रोश — विकासखंड तुलसीपुर मुख्यालय पर ग्राम विकास व पंचायत अधिकारियों का जोरदार प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तुलसीपुर, बलरामपुर। विकासखंड तुलसीपुर के खंड विकास कार्यालय परिसर में आज ग्राम विकास अधिकारियों व ग्राम पंचायत अधिकारियों ने ऑनलाइन हाज़िरी व्यवस्था के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों का कहना है कि नई प्रणाली ग्रामीण स्तर पर नेटवर्क व तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण व्यवहारिक नहीं है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। सुबह से ही खंड विकास मुख्यालय पर अधिकारियों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। सभी ने हाथों में तख्तियां लेकर विरोध जताया और ऑनलाइन हाज़िरी व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे अधिकारियों का कहना था कि दूरस्थ व सीमावर्ती गांवों में नेटवर्क की गंभीर समस्या रहती है, ऐसे में सुबह-शाम ऑनलाइन हाजिरी लगाना मुश्किल ही नहीं बल्कि कई बार असंभव हो जाता है। प्रदर्शन में ग्राम पंचायत अधिकारी कृपा शंकर, राहुल शुक्ला, श्यामलाल, अभिषेक पटेल, अजय पाल सहित विकासखंड की सभी ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव मौजूद रहे। वहीं ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार द्वितीय, मीनाक्षी राव सहित अन्य अधिकारी भी समर्थन में शामिल हुए। सभी ने बताया कि उन्हें अक्सर फील्ड में रहकर शौचालय निर्माण, आवास योजना, मनरेगा कार्य, सर्वेक्षण, फीडिंग और सामुदायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेना होता है। ऐसे में ऑनलाइन हाजिरी से न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि कार्य क्षमता भी प्रभावित होती है। अधिकारियों ने कहा कि यदि शासन वास्तविक स्थिति को समझे तो ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क समस्या दूर किए बिना ऑनलाइन उपस्थिति को अनिवार्य बनाना तर्कसंगत नहीं है। उन्होंने ज्ञापन देकर मांग की कि या तो नेटवर्क व्यवस्था सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं या ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था को वापस लिया जाए। खंड विकास मुख्यालय पर चले इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के कारण दिनभर माहौल गर्म रहा। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बिजली बिल राहत योजना से सोंडासी में बड़ी राहत, उपभोक्ताओं ने 1 लाख से अधिक बकाया जमा किया

लालगंज (रायबरेली)। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी बिजली बिल राहत योजना के तहत लालगंज क्षेत्र के सोंडासी ग्राम सभा के पूरे नया गांव में बिजली विभाग द्वारा कैंप लगाया गया। कैंप में उपभोक्ताओं को भारी-भरकम छूट के साथ बकाया जमा करने का अवसर प्रदान किया गया।राज्य सरकार और यूपीपीसीएल द्वारा 1 दिसंबर से लागू की गई इस योजना का लाभ सोमवार को उपभोक्ताओं को दिया गया। कैंप के दौरान पूरे नया गांव के उपभोक्ताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए 1 लाख रुपये से अधिक का बकाया बिल जमा कराया।अवर अभियंता विद्युत विभाग बृजेश कुमार मौर्य ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य लंबे समय से बकाया बिजली बिल के बोझ तले दबे घरेलू और छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत निर्धारित शुल्क जमा करने पर उपभोक्ताओं के बकाये की गणना नई दरों पर की जाएगी और ब्याज पूरी तरह माफ किया जाएगा।इसके बाद उपभोक्ताओं को अपना बिल एकमुश्त भुगतान या आसान किस्तों में जमा करने की सुविधा दी जाएगी, जिससे बिल चुकाने में काफी आसानी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जो उपभोक्ता बकाया जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ विभाग द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस मौके पर एसडीओ शिवम वर्मा, एक्सियन दयाशंकर यादव, अधिशासी अभियंता राजकुमार कुर्मी, टीजी लाइन जितेंद्र सिंह, समीम, कन्हैयालाल सहित विद्युत विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

एसआईआर प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए सपा ने संभाली कमान, मोहम्मद मुशीर बने लालगंज प्रभारी

लालगंज रायबरेली। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी ह्यद्वह्न प्रक्रिया को लेकर समाजवादी पार्टी निचले स्तर पर अपने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को अहम जिम्मेदारी सौंप कर एस आई आर फॉर्म भरने से कोई भी मतदाता वंचित न रह जाए इसको लेकर हर क्षेत्र की जिम्मेदारी एक अहम सदस्य को सौंप गई वहीं समाजवादी पार्टी जनपद रायबरेली के जिला सचिव मोहम्मद मुशीर को एस आई आर लालगंज प्रभारी नियुक्त किया गया जिसको लेकर मोहम्मद मुशीर के द्वारा लगातार गांव गांव जाकर हर एक मतदाता को एस आई आर फॉर्म भरने के लिए प्रेरित के साथ फार्म भरवाए जा रहे हैं बीते सोमवार को मोहम्मद मुशीर के द्वारा खंड विकास अधिकारी लालगंज के साथ वार्ता की गई और किसी भी प्रकार की समस्या से निजात दिलाने को लेकर अधिकारियों से विचार विमर्श किया इस दौरान मोहम्मद मुशीर के द्वारा लगभग एक दर्जन गांव पहुंच कर समाजवादी कार्यकर्ताओं को मतदान प्रक्रिया को मजबूत बनाने को लेकर एस आई आर फॉर्म भरवाने तथा इस प्रक्रिया से कोई वंचित न रह जाए इसको लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया इस दौरान सरिस्ताबाद, मोहन सिंह का पुरवा,भुरकूष पुर, बहाई,जमुवावा,कानमऊ सहित अन्य गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों के फार्म भरवाए गए इस दौरान सरेनी विधानसभा अध्यक्ष जेपी यादव , सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

72 घंटे बाद भी नहीं हुई अज्ञात शव की पहचान, पुलिस ने हत्या की आशंका पर शुरू की जांच

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धन्नीपुर गांव के पास खेत में बरामद अज्ञात शव की पहचान तीन दिन बाद भी नहीं हो सकी है। पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि ग्रामीणों की आशंका को देखते हुए हत्या के एंगल से भी जांच तेज कर दी गई है।गुरुवार सुबह उन्नाव हाईवे से सेमरपहा की ओर जाने वाली लिंक रोड के किनारे ग्रामीणों ने कीचड़ में लथपथ एक शव पड़ा देखा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। शव पर केवल टी-शर्ट और चड्ढी पाए जाने के साथ ही दोनों आंखों की पुतलियां गायब मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने प्रथम दृष्टया हत्या कर शव फेंके जाने की संभावना जताई।मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने घटनास्थल की छानबीन के बाद पंचायतनामा भरवाया और शव को मर्चरी में भिजवाया। इसके बावजूद रविवार तक मृतक की पहचान स्थापित नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि पहचान के प्रयास जारी हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

प्रसूता की मौत के मामले में जांच टीम गठित डीएम ने 24 घंटे में मांगी रिपोर्ट , अस्पताल स्टाफ फरार लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के रेउसा थाना इलाके में स्थित निजी अस्पताल बालाजी हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत के बाद बढ़ते विवाद को देखते हुए डीएम ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए रविवार देर शाम त्रि-सदस्यीय जांच समिति के गठन के आदेश जारी किए हैं डीएम द्वारा गठित समिति में एसडीएम बिसवां, एसीएमओ डॉ. संजय श्रीवास्तव तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. खुर्शीद जैदी शामिल की गई हैं समिति को निर्देश दिए गए हैं कि घटनास्थल का निरीक्षण कर एवं अस्पताल से संबंधित समस्त अभिलेखों की जांच करते हुए 24 घंटे के भीतर स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए मालूम हो कि रविवार दोपहर चिरैया निवासी गायत्री (30) पत्नी गया प्रसाद की प्रसव के बाद हालत बिगड़ने पर मौत हो गई गायत्री को शनिवार शाम प्रसव पीड़ा पर बालाजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था जहां रात में ऑपरेशन से प्रसव हुआ। परिजनों का आरोप है कि रविवार दोपहर डिलीवरी के तुरंत बाद अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था इसी दौरान गायत्री की तबीयत अचानक बिगड़ी, जिसके बाद उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया परिजन उसे एंबुलेंस से लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई मौत की सूचना मिलते ही परिवारजन और स्थानीय लोग अस्पताल के बाहर जमा हो गए लगभग 4 बजे परिजनों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया बढ़ते तनाव के बीच अस्पताल कर्मियों ने ताला बंद किया और मौके से फरार हो गए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से प्रार्थना पत्र देने और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की बात कही लेकिन परिजन बिना कोई सूचना दिए शव

लेकर घर लौट गए इस बीच, सीएचसी रेउसा की टीम जांच के लिए अस्पताल पहुंची तो अस्पताल बंद मिला इससे पहले भी विधायक आवास के निकट लखनऊ सेवा अस्पताल में प्रसूता की मौत का मामला सामने आ चुका है एक माह के भीतर इसी क्षेत्र में प्रसूता की मौत की यह दूसरी घटना है जिससे निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्कृष्ट कार्य के लिए होमगार्ड राम सुफल यादव को कोतवाली प्रभारी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली परिसर में आज 1 दिसंबर 2025 को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिमाह की भांति इस बार भी उत्कृष्ट सेवा देने वाले होमगार्ड को सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण रहे होमगार्ड राम सुफल यादव, जिन्हें उनकी सतर्क ड्यूटी, अनुशासित व्यवहार और लगातार मिल रही सराहनीय उपलब्धियों के लिए प्रभारी निरीक्षक जगदीश यादव व पी.सी. इंद्रमणि सिंह चौहान द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। आपको बता दे कि, कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कहा कि होमगार्ड बल जिला पुलिस का अभिन्न हिस्सा है और उनकी निष्ठा व कर्तव्यपरायणता के कारण ही क्षेत्र में शांति व सुरक्षा का वातावरण कायम रहता

है। उन्होंने सभी होमगार्ड जवानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, ऐसे सम्मान समारोह होने से उत्साह व मनोबल बढ़ता हैं। इस मौके पर होमगार्ड ए.सी.सी. बुद्धसेन शर्मा, छिटाई प्रसाद, रामदास यादव, रामयश मौर्य, रामराज यादव, लाल मोहम्मद, रमापति बाजपेई, रामकुमार सिंह, आशीष कुमार द्विवेदी, रमेश कुमार मिश्रा, तेज कुमार, शिवकरन यादव, शिवशंकर मिश्रा, रामकुमार यादव, सुरेश कुमार यादव, दिनेश सिंह, राजेश सिंह सहित आदि उपस्थित रहे।

SIR पर बवाल, विपक्ष का जोरदार हंगामा, उच्च सदन में सभापति का जोरदार स्वागत

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया। इस सत्र में 19 दिनों की अवधि में कुल 15 बैठकें होंगी। विपक्षी सांसदों द्वारा बार-बार की गई नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों की मुख्य माँग देश भर में मतदाता सूचियों से संबंधित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर चर्चा कराना था। वहीं, संसद के शीतकालीन सत्र के आरंभ में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन का हार्दिक स्वागत किया। राधाकृष्णन पहली बार उच्च सदन की अध्यक्षता करने के लिए संसद पहुँचे, जिससे उनके अध्यक्ष पद पर कार्यकाल की शुरुआत हुई।

दिव्यांग बच्चों की तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

महराजगंज/रायबरेली। आज सोमवार को पाली गांव स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र में दिव्यांग बच्चों की तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें बछरावां शिवगढ़ महाराजगंज क्षेत्र के विभिन्न परिषदीय विद्यालय के दिव्यांग बच्चों ने विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग लिया।इस दौरान 100 मीटर की दौड़ में अंकित ने प्रथम स्थान हासिल किया। रंगोली में तनु ने प्रथम स्थान हासिल किया तो वहीं कुर्सी दौड़ में नेहा अव्वल रही इसके साथ-साथ चम्मच दौड़ में अंकित ने बाजी मारी।और रंग भरो प्रतियोगिता में शुभम मौर्य हस्तकला प्रतियोगिता में अंशुमन ने प्रथम स्थान पाया। इस मौके पर विशेष अध्यापक जयदेव शुक्ला अनूप मौर्य उमेश चंद्र संतोष कुमार माजीसा अनवर अनुजा शुक्ला प्रेम बहादुर मौजूद रहे।

नाटक कलाकारों में हुई जमकर मारपीट चले लाठी- डंडे शराब पीने के बाद हुआ विवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में थाने से कुछ दूरी पर दो नाटक कम्पनी के कलाकारों के बीच हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। कस्बे के मुख्य मार्ग पर खुली सड़क पर लाठी-डंडों से की गई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद थे लेकिन किसी ने भी बीच-बचाव करने का प्रयास नहीं किया लोग तमाशबीन बने रहे और अपने मोबाइल से मारपीट का वीडियो बनाते रहे जानकारी के अनुसार, नाटक कम्पनी के कलाकार ग्राम नौआ में नौटंकी करके वापस लौट रहे थे। रास्ते में कस्बे में बैठकर दोनों ने शराब पी जिसके बाद नाटक में रोल को लेकर आपसी विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि एक कलाकार ने दूसरे पर लाठियां बरसा दीं हमले में दूसरा कलाकार जमीन पर गिर गया और खुद को बचाने का प्रयास करता रहा घटना में पीड़ित की पहचान ओमप्रकाश गौतम पुत्र धनीराम निवासी नौआ महमूदपुर

के रूप में हुई है जबकि दूसरे पक्ष की पहचान नसरुद्दीन पुत्र बागडूबाज के रूप में की गई है। दोनों ही नाटक कम्पनी से जुड़े हुए हैं यह विवाद अचानक मारपीट में बदल गया, जिसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। लेकिन आश्चर्य की बात यह रही कि पूरी घटना थाने के बाहर होती रही और मौके पर कोई पुलिसकर्मी दिखाई नहीं दिया मामले में प्रभारी निरीक्षक श्यामू कन्नौजिया ने बताया कि मारपीट का वीडियो उनके संज्ञान में आया है वीडियो के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है और दोषी पाए जाने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संगम फाउंडेशन द्वारा 'अवध रत्न सम्मान' समारोह का भव्य आयोजन, दानिश आजाद अंसारी और डॉ. अम्मार रिज़वी ने की शिरकत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ, 30 नवंबर: संगम फाउंडेशन के तत्वावधान में 'अवध रत्न सम्मान' का भव्य समारोह निशातगंज, लखनऊ स्थित ऑल इंडिया कैफी आजमी अकादमी में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

प्रोफेसर सैयद शफीक अशरफी ने सभी अतिथियों के लिए स्वागत भाषण दिया। उद्घाटन सत्र के बाद, डॉ. मोहम्मद अकमल ने संगम फाउंडेशन और अवध रत्न सम्मान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें पिछले वर्षों की उपलब्धियों और प्रमुख सेवाओं का व्यापक विवरण दिया गया। उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में फाउंडेशन के निरंतर संघर्ष का उल्लेख करते हुए बताया कि यह सिलसिला 2014 से जारी है। उन्होंने जानकारी दी कि नई पीढ़ी के लेखकों को प्रोत्साहित करने के लिए फाउंडेशन ने एक नया पुरस्कार 'नौजवान कलमकार (युवा लेखक) अवध रत्न सम्मान' शुरू किया है। डॉ. अकमल के अनुसार, संगम फाउंडेशन ने भविष्य के लिए कई नई सामाजिक और कल्याणकारी योजनाएं तैयार की हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम जल्द सामने आएंगे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री (अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज) जनाब दानिश आजाद अंसारी ने संगम फाउंडेशन की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संस्था समुद्र से भी नायाब मोती खोजने की क्षमता रखती है और समाज में उत्कृष्ट सेवा करने वालों को सम्मानित करने में हमेशा अग्रणी रहती है। उन्होंने युवाओं को अपने बड़ों से सीखने और सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। जनाब सैयद जफर इकबाल ने अपने संबोधन में कहा कि संगम फाउंडेशन केवल सम्मान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक भावना को बढ़ावा देने में भी

महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने फाउंडेशन की सेवाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि यह संस्था सामाजिक क्षेत्र के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है, जो इसे अन्य संस्थाओं से अलग बनाता है। प्रो. सैयद शफीक अशरफी से अपने व्यक्तिगत संबंधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे सही मायनों में 'अशरफी' हैं, जो हर मौके पर देश और समाज की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

समारोह की अध्यक्षता पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिज़वी ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने फाउंडेशन को बधाई देते हुए इसके सामाजिक, साहित्यिक और कल्याणकारी कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दो समुद्र अपनी पहचान बनाए रखते हुए एक धारा में मिल जाते हैं, उसी प्रकार विभिन्न विचारों वाले लोग मिलकर एक मजबूत मानवता का रूप ले लेते हैं, और संगम फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का सुंदर संगम है।

इन्हें मिला अवध रत्न सम्मान:

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए निम्नलिखित विभूतियों को सम्मानित किया गया:

सैयद मंजूर अहमद अशरफी अवध सम्मान: प्रोफेसर अब्बास रज़ा नैयर और प्रोफेसर सौबान सईद।

सैयद नईम अशरफ अवध रत्न सम्मान (पत्रकारिता): श्री आत्म प्रकाश मिश्रा और श्री प्रवीण मिश्रा।

मलिक मोहम्मद जायसी अवध रत्न सम्मान (सामाजिक एवं शैक्षिक): डॉ. नीरज शुक्ला और डॉ. एकता चौहान।

नौजवान कलमकार अवध रत्न सम्मान (साहित्य एवं शोध): डॉ. अंजू बंसल, डॉ. मोहम्मद जावेद अख्तर और डॉ. मसीह उद्दीन खान।

सभी पुरस्कार विजेताओं को शॉल ओढ़ाकर प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र (मानपत्र) भेंट किए गए।

प्रोफेसर फखर-ए-आलम आज़मी, डॉ. अब्दुल हफीज, नंदनी त्रिपाठी, डॉ. वसी अहमद आजम अंसारी, कनक दुबे, रश्मि सचान, मोहम्मद नसीम, अब्दुल्ला और मोहम्मद आदिल ने विजेताओं के सम्मान में मानपत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अब्बास रज़ा नैयर ने अपने प्रभावशाली अंदाज में किया, जबकि अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सैयद शफीक अहमद अशरफी ने किया।

इस अवसर पर सैयद परवेज अशरफ, सैयद जुल्फिकार अली, सैयद अब्दुल कादिर, डॉ. जफर नकवी, डॉ. सरवत तकी, डॉ. मुनव्वर हुसैन, डॉ. मूसा रज़ा सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थी, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

खेल में हार-जीत का महत्व नहीं प्रयास ही असली जीत : इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह

● बीएमपीएस लालगंज में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज,रायबरेली। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद स्पर्धा 2025 का शानदार शुभारंभ,समापन 02.12.2025 को होगा। कार्यक्रम की शुरुआत विद्या देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ मुख्य अतिथि कोतवाल प्रमोद सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर फीता काटकर स्पर्धा 2025 का शुभारंभ किया। खेल प्रांगण में बीएमपीएस खेल पताका फहराकर मैत्री और शांति का संदेश देने वाले कबूतर की जोड़ी को कोतवाल प्रमोद सिंह और प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने खेल प्रांगण से छोड़कर मैत्री और शांति का संदेश दिया।इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि छात्र-छात्राओं को विद्यालय स्तर से ही खेलकूद में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।खेल में हार-जीत का कोई मतलब नहीं।उन्होंने जीतने वाले खिलाड़ियों को आशीर्वाद देने के साथ-साथ हारने वाले खिलाड़ियों के भी विशेष सहानुभूति दिखाते हुए कहा कि हारने वाला ही जीतने का प्रयास करता है इसलिए कभी हार से घबराना नहीं चाहिए। बालिकाओं को भी खेल के प्रति उत्साहित करते हुए कोतवाल ने उन्हें खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। पहले दिन नर्सरी से प्राइमरी स्तर तक के बच्चों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छोटे बच्चों की फ्रॉग रेस,सैक रेस,लेमन स्पून रेस में छोटे बच्चों ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन कर पदक हासिल किया। 50 मीटर,100 मीटर की बालक-बालिका रेस में भी जबरदस्त स्पर्धा देखने को मिली।अपनी टीम को विजय दिलाने के लिए खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रति स्पर्धा दिखाई।प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को विद्यालय प्रबंधन की ओर से पदक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।इस अवसर पर प्रबंध निदेशक सुनील सिंह,प्रबंधक शांतनु सिंह,प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह,प्रधानाचार्य अभिषेक रंजन ने आए हुए मुख्य अतिथि कोतवाल प्रमोद सिंह को विद्यालय परिवार की ओर से प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम शिव यादव,बीएन यादव,अनुराधा पांडे,प्रीति श्रीवास्तव, अर्चना सिंह,मृत्युंजय सिंह,श्रवण तिवारी,शिरीष तिवारी,सुधीर सिंह, विनोद चौधरी,सीमा सिंह,ममता सिंह, विभा,सुनहरा,संगीत सिंह,सरिता सिंह, आस्था सिंह,संतलाल सहित समस्त अध्यापकों एवं कर्मचारियों का यथोचित योगदान रहा।अभिभावक अपने नौनिहालों के अंदर छिपी खेल प्रतिभा को देख प्रफुल्लित दिखे। इस अवसर पर अतुल त्रिपाठी,शीतला गुप्ता,योगेंद्र त्रिवेदी,अभिषेक शर्मा,अजय सिंह,शम्मी सिंह,पुत्तन सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। समापन पर 02 दिसंबर को जूनियर और सीनियर वर्ग के छात्र-छात्राएं अपनी खेल प्रतिभा को दिखाएंगे।यह जानकारी बीएमपीएस के पीआरओ यशबहादुर यादव ने दी।

सहकारिता भवन, लखनऊ आयोजक: कन सेवा समिति कार्यक्रम

● प्रतिभा सम्मान, शिक्षा हेतु आर्थिक अनुदान, सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण एवं सामाजिक उत्थान समारोह।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संवाददाता रोशनी सोनकर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कन सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 30 नवंबर 2025 को सहकारिता भवन, लखनऊ में भव्य 'प्रतिभा सम्मान एवं सामाजिक उत्थान समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर के बोर्डों से 10वीं के 55 तथा 12वीं के 45 – कुल 100 मेधावी छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समिति द्वारा समाज के 50 आर्थिक रूप से कमजोर, सिंगल-पैरेंट एवं अनाथ बच्चों को ?10,000 प्रति छात्र आर्थिक सहायता प्रदान की गई। विभिन्न जिलों से आए समाज के बच्चे-बच्चियों ने बहुजन महापुरुषों की विचारधारा पर आधारित सांस्कृतिक लोकगीत, नाटक एवं प्रस्तुतियाँ दीं। समिति द्वारा समाज के 35 वरिष्ठ समाजसेवियों, अधिकारियों, शिक्षकों, व्यापारियों एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं को शॉल, मूमेंटो एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं—धर्मेंद्र सोनकर (हॉकी कोच), अरविंद सोनकर (टेनिस कोच), श्रद्धा सोनकर (फुटबॉल कोच) एवं सुधांशु सोनकर (क्रिकेट प्लेयर) को भी सम्मानित किया गया। दीप प्रज्वलन एवं प्रारंभ कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्षता कर रहे प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आर. के. सोनकर द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। बुद्ध वंदना समाज के वरिष्ठजन श्री सिताराम सोनकर एवं चंदन सोनकर द्वारा सम्पन्न हुई। मुख्य वक्ताओं के प्रभावशाली विचार डॉ. रागिनी सोनकर (पूर्व ढ्ढढ्डस्र डॉक्टर एवं विधायक—मछलीशहर)—मुख्य वक्ता ने कहा कि 'शिक्षा शेरनी का दूध है—जो पीएगा, वही दहाड़ेगा।' उन्होंने सावित्रीबाई फुले और माता रमाबाई के संघर्षों का उदाहरण देते हुए महिलाओं एवं बच्चियों को शिक्षा के प्रति जागरूक होने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं, आवश्यकता है—सुविधाओं, अवसरों और सही मार्गदर्शन की। उन्होंने युवाओं को कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और समाज के अपलिफ्टमेंट में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

शैलेन्द्र सोनकर (उपायुक्त—दिव्यांगजन, उ.प्र.) – मुख्य अतिथि शैलेन्द्र सोनकर ने मेधावियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'आज का सम्मान केवल पुरस्कार नहीं, बल्कि आपके उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है।' उन्होंने समाज के युवाओं से दृढ़ संकल्प, अनुशासन और उच्च लक्ष्य निर्धारित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 'शिक्षा और जागरूकता ही सामाजिक समानता और न्याय की नींव है—इसे हर घर तक पहुँचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।' डॉ. ऋच. सोनकर (प्रमुख वैज्ञानिक - कार्यक्रम अध्यक्ष) डॉ. सोनकर ने कहा कि 'कि आधुनिक शिक्षा ही समाज को सही दिशा दे सकती है साथ ही देश को एक अच्छा नागरिक बनाने में सहयोगी होगी. छात्रों को उत्साहित करने के लिए 13 सूत्री शपथ दिलाई गई और बच्चों को अंधविश्वास पाखंड से दूर रहकर शिक्षा की

तरफ बढ़ने पर जोर दिया गया. समाज के सभी छात्रों से आवाहन किया गया कि उनके द्वारा 100% अंक प्राप्त करने की कोशिश की जानी चाहिए और तैयारी भी होनी चाहिए. टाइम मैनेजमेंट के साथ यदि छात्रों ने पढ़ाई किया तो निस्संदेह वो अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे. हम अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि परिवार में पढ़ने का वातावरण लगातार बनाएं रखें और बच्चों टीवी और मोबाइल के साथ सोशल साइट्स से भी यथासंभव दूरी बनाकर रखें.संविधान के पालन और समाज में जागरूक करने पर जोर दिया गया। अध्यक्ष, कन सेवा समिति— राकेश कुमार सोनकर ने कहा कि 'हमारी आज की उपलब्धियाँ हमारे महापुरुषों—विशेषकर बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर—के संघर्षों का प्रतिफल हैं। हम उनके ऋणी हैं।'

उन्होंने बच्चों से कहा कि वे केवल स्वयं आगे न बढ़ें, बल्कि पूरे समाज को साथ लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लें। उन्होंने माता-पिता और समाज के सभी प्रबुद्धजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'हमारा लक्ष्य है—प्रतिभा को अवसर, संघर्ष को सम्मान और समाज को दिशा देना।' मंच संचालन कार्यक्रम का संचालन समिति के प्रबंधक एडवोकेट सर्वेश सोनकर ने अत्यंत कुशल एवं गरिमापूर्ण ढंग से किया। कन सेवा समिति के पदाधिकारी संरक्षक-सिताराम सोनकर संरक्षक-भीमसेन सोनकर, रमेश पहलवान कोऑर्डिनेटर -राम नरेश सोनकर कोऑर्डिनेटर-अशोक सोनकर अध्यक्ष-राकेश कुमार सोनकर प्रबंधक एडवोकेट सर्वेश सोनकर उपाध्यक्ष शक्ति ज्योति सोनकर, प्रदीप सोनकर गैलेक्सी सचिव-डॉ. संजय सोनकर कोषाध्यक्ष-घनश्याम दास सोनकर विधि सलाहकार-एडवोकेट राजेन्द्र सोनकर उपप्रबंधक-डॉ. दयाराम सोनकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष-डॉ. श्रीतोष सोनकर समाजसेवी-जितेश सोनकर (दीपू), साजन सोनकर, रिंकू सोनकर, टिंकू सोनकर अध्यक्ष (महिला विंग)-भाग्यवती सोनकर संयुक्त सचिव-जया अटल सोनकर सदस्य निशा सोनकर, इंदिरा सोनकर, उषा सोनकर, कुमकुम सोनकर, ज्योति बाला सोनकर, हेमलता सोनकर, नमिता, सोनाली मीडिया प्रभारी-जयदीप सोनकर प्रमुख प्रचारक—अनिल सोनकर (फत्तू) सभी पदाधिकारियों ने अतिथियों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और प्रतीक-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। सामूहिक भोजन कार्यक्रम के उपरांत सभी अतिथियों, प्रबुद्धजनों एवं समिति के सदस्यों ने एक साथ सामूहिक भोजन ग्रहण किया—जो सामाजिक एकता का सुंदर संदेश था।

सेंट मीरा इंटर कॉलेज का 40वाँ वार्षिक समारोह आयोजित संपन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सेंट मीरा इंटर कॉलेज में 40वां वार्षिक समारोह अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय प्रबंधन, विशेषकर विनोद रातड़ा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विनोद रातड़ा नहीं बताया की अलीम खान नाम की बच्ची ने टॉप किया है उसकी फीस भी माफ कर दी गई है। अलीम खान की मां को तराजू में तोला गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण माँ सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन*: समारोह की शुरुआत माँ सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। एकता में ही शक्ति है। इस वर्ष का मुख्य विषय 'एकता में ही शक्ति है' रहा, जिसे छात्रों ने नृत्य, नाटकों और संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया। लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ असम का पारंपरिक आसामी नृत्य, गुजरात का ऊर्जा से भरपूर डांडिया, दक्षिण भारत के शास्त्रीय एवं पारंपरिक नृत्य, तथा देश के अन्य हिस्सों की लोक प्रस्तुतियाँ। योग डांस छात्रों ने योग डांस की शानदार प्रस्तुति दी, जिसने 'स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन' की प्रेरणा दी। नन्हे-मुन्नों की प्रस्तुति*: नन्हे-मुन्नों ने 'एक ज़िंदगी मेरी, 100 ख्वाहिशें' पर अपनी प्यारी और आकर्षक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। रामायण कथा की नृत्य-नाटिका*: मंच पर प्रस्तुत की गई रामायण कथा की नृत्य-नाटिका ने दर्शकों को पौराणिक युग की यात्रा कराई। माँ-बाप की क़ीमत एक भावनात्मक नाटक— 'माँ-बाप की क़ीमत '—ने माता-पिता के प्रेम, त्याग और महत्व को बेहद संवेदनशील तरीके से दर्शाया। मातृत्व सम्मान प्रबंधन ने मातृत्व के सम्मान में एक अनोखी पहल की— 'माँ' को फलों से तौलकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण विद्यालय प्रबंधन विनोद रातड़ा ने उन छात्रों को साइकिल और ट्रॉली बैग प्रदान किए, जिन्होंने पूरे वर्ष उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए और अपनी मेहनत से विद्यालय का नाम रोशन किया। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रबंधन, विनोद रातड़ा, सभी शिक्षकों और छात्रों की अथक मेहनत और समर्पण महत्वपूर्ण रहा।

स्वच्छ भविष्य का संकल्प: प्रदूषण नियंत्रण की राह में चुनौतियाँ

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस हमारे सामूहिक इतिहास का वह आइना है जिसमें हम विकास की अंधी दौड़ के पीछे छूटे मानव जीवन, पर्यावरण और नैतिकता की कीमत को साफ़-साफ़ देख सकते हैं। हर वर्ष 2 दिसंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस सिर्फ कैलेंडर की एक औपचारिक तारीख नहीं, बल्कि 1984 की भोपाल गैस त्रासदी की स्मृति में दर्ज एक गहन चेतावनी है–एक ऐसी चेतावनी जिसकी गूँज आज भी हवा, पानी, मिट्टी और मानव शरीर के भीतर तक सुनाई देती है। त्रासदी की उस भयावह रात को चार दशक से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन मिथाइल आइसोसाइनेट के रिसाव से जन्मी पीड़ा आज भी भोपाल की गलियों में, अस्पतालों के दस्तावेजों में और पीढ़ियों की थकान में दर्ज है। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक दुर्घटनाओं में गिने जाने वाले इस विषाक्त प्रसंग ने न सिर्फ हजारों लोगों की जान ली, बल्कि उद्योग, सरकार और समाज–तीनों को यह सबक दिया कि निगरानी की एक चूक, लापरवाही की एक परत और मुनाफे की एक अंधी चाह किस तरह मानव सभ्यता को भीतर से झकझोर सकती है। इस दिन की सार्थकता इसी बिंदु से शुरू होती है। आधुनिक भारत, जो खुद को एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, वह तभी सुरक्षित और स्थायी भविष्य का दावा कर सकता है जब विकास का आधार पर्यावरणीय संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा पर स्थापित हो। आज स्थिति यह है कि देश के अनेक शहर लगातार वर्ष दर वर्ष दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल होते रहे हैं। दिल्ली, कोलकाता, पटना, कानपुर, गुड़गांव जैसे शहरों में PM2.5 और अन्य प्रदूषकों का स्तर न सिर्फ राष्ट्रीय मानकों, बल्कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमाओं से भी कई गुना अधिक पाया जा रहा है। यह केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है; यह एक जनस्वास्थ्य आपातस्थिति है। श्वसन रोगों, हृदय विकारों, कैंसर और समयपूर्व मौतों के बढ़ते आंकड़े इस बात के प्रमाण हैं कि हम अपने ही जीवन-सहचर वातावरण को धीरे-धीरे विषैला बना चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थानों की रिपोर्टें लगातार आगाह करती रही हैं कि वायु प्रदूषण वैश्विक स्तर पर हर वर्ष लाखों मौतों का कारण बन रहा है और भारत इसमें सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है। सरकारी नीतियों और कानूनी प्रावधानों की बात करें, तो भारत में वायु एवं जल प्रदूषण निवारण अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, और राष्ट्रीय तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों का ढांचा वर्षों से मौजूद है। इन कानूनों का उद्देश्य उद्योगों और अन्य स्रोतों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना, मानक तय करना तथा उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई सुनिश्चित करना है। हाल के वर्षों में सरकार ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) जैसे व्यापक मिशन की घोषणा की है, जिसने 2024 तक कण प्रदूषण को 20-30% तक कम करने का लक्ष्य रखा था। साथ ही BS-VI उत्सर्जन मानक, निरंतर उत्सर्जन निगरानी प्रणाली, और देशभर में एयर क्वालिटी इंडेक्स की शुरूआत इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। लेकिन सफलता का मापदंड काग़ज़ी नीतियों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले परिवर्तनों में निहित होता है। और यहीं यह चिंता उभर कर सामने आती है कि क्रियान्वयन की इच्छाशक्ति और व्यवस्थागत पारदर्शिता अब भी अधूरी है। कई उद्योग मानकों का उल्लंघन करते हैं, कचरा निपटान में अनियमितता बरकरार है, और शहरी नियोजन की कमजोरियाँ प्रदूषण के नए स्रोत तैयार करती रहती हैं। इस पृष्ठभूमि में नागरिकों की भूमिका कहीं अधिक महत्व रखती है। प्रदूषण नियंत्रण केवल कानूनों का विषय नहीं, बल्कि जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब तक लोग ऊर्जा की बचत, अनावश्यक वाहन उपयोग में कमी, सार्वजनिक परिवहन और कार-शेयरिंग को प्राथमिकता, कचरे का जिम्मेदाराना प्रबंधन, प्लास्टिक उपयोग में कटौती, और स्थानीय स्तर पर सफाई-अभियानों में भागीदारी जैसे छोटे-छोटे कदम नहीं अपनाएँगे, तब तक कोई भी सरकारी योजना सीमित ही प्रभाव डाल पाएगी। पर्यावरणीय संकट की जड़ें अक्सर व्यक्तिगत आदतों में छिपी रहती हैं–एसी का तापमान, घरों से निकलने वाला कचरा, प्लास्टिक पर निर्भरता, और यहां तक कि सोशल मीडिया पर पर्यावरणीय विषयों के प्रति उदासीनता भी इस संकट को गहरा बनाती है।

समाज के अन्य संस्थानों की भूमिका भी निर्णायक है। स्कूलों और महाविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को केवल एक औपचारिक विषय के रूप में नहीं, बल्कि व्यवहार में लाने योग्य जीवन-कौशल के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। बच्चे और युवा वही अपनाते हैं जो समाज उन्हें जीकर दिखाता है; इसलिए शिक्षण संस्थानों को स्वयं 'ग्रीन कैंपस' बनने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। मीडिया को भी प्रदूषण को 'मौसमी' खबर या किसी विशेष शहर की समस्या की तरह नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय संकट के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। उद्योगों और वैज्ञानिक समुदाय को नवाचारों और तकनीकी संशोधनों के माध्यम से प्रदूषण-नियंत्रित विकास मॉडल का निर्माण करना होगा ऐसा मॉडल जो ऊर्जा दक्षता और औद्योगिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि किसी भी समाज की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, विस्तृत सड़कों या बढ़ते उत्पादन से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वहां हवा कितनी शुद्ध है, पानी कितना सुरक्षित है, मिट्टी कितनी उपजाऊ है और मनुष्य कितना स्वस्थ है। भोपाल गैस त्रासदी केवल इतिहास की घटना नहीं; यह उस विकास-दृष्टि का परिणाम थी जो मानवीय मूल्यों और पर्यावरणीय संतुलन को पीछे धकेल देती है। यदि हम वास्तव में एक सुरक्षित, न्यायपूर्ण और टिकाऊ भविष्य की कल्पना करना चाहते हैं, तो हमें वही गलती दोहराने की अनुमति खुद को नहीं देनी होगी। आज हमें यह दृढ़ प्रतिज्ञा करनी होगी कि विकास की हर दिशा मानवीय गरिमा, पारिस्थितिक संतुलन और जीवन के प्रति सम्मान से संचालित होगी। यह भी संकल्प लेना होगा कि सरकार, उद्योग, वैज्ञानिक जगत और आम नागरिक मिलकर उस धरती की रक्षा के लिए एकजुट हों, जिसने हमें जन्म दिया और पोषित किया है। जब यह संकल्प नीतियों में, व्यवहार में और सामूहिक चेतना में रूपांतरित होगा, तभी राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस एक वार्षिक स्मरण से आगे बढ़कर सचमुच भविष्य-निर्माण का आधार बनेगा।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

शुभ है सनातन आस्था को सामाजिक शक्ति बनाने का निर्णय

इक्कीसवीं सदी की एक चौथाई हिस्से का नवंबर माह सांस्कृतिक रूप से ऐतिहासिक रहा। इस माह तीन ऐसी उल्लेखनीय बातें हुई है जिन्होंने भविष्य में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और सनातन धारा के निरंतर प्रवहमान रखने की महत्वपूर्ण भूमिका लिख दी है। 25 नवंबर को अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राममंदिर में धर्मध्वजा का वैभव लहराया तो 28 नवंबर गोवा के श्री संस्थान गोकरण पार्टागली जीवोत्तम मठ परिसर में भगवान राम की विश्व की सबसे ऊंची 77 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। इसी सप्ताह बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण परिपत्र जारी कर राज्य के सभी मंदिरों और मठों में हर माह पूर्णिमा को सत्यनारायण कथा तथा अमावस्या को भगवती पूजा का आयोजन करने का निर्णय लिया। एक दशक पहले तक भारतीय राजनीति में ऐसा वातावरण था कि हिंदुत्व या सनातन संस्कृति की बात करना राजनीतिक वर्गों के लिए जोखिम भरा कदम माना जाता था। धर्मनिरपेक्षता की आड़ में बहुसंख्यक समाज की धार्मिक परंपराओं की उपेक्षा करना राजनीति का सहज सूत्र बन गया था। किंतु बीते वर्षों में राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियाँ बदली हैं। केंद्र तथा विभिन्न राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश में नीतिगत परिवर्तनों ने एक ऐसा वातावरण बनाया जिसमें हिंदू समाज के प्रश्नों और उसकी सांस्कृतिक विरासत को पुनः सम्मान मिला। इसी क्रम में बिहार सरकार का हालिया निर्णय ऐतिहासिक महत्व रखता है। बिहार के मंदिरों और मठों में पूर्णिमा को सत्यनारायण कथा तथा अमावस्या को भगवती पूजा का आयोजन परोक्ष रूप से राष्ट्रव्यापी धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ सामाजिक एकता का खाका है। इस उद्देश्य से प्रत्येक जिले में विशेष जिला समन्वयक नियुक्त किए जाएंगे, जो धार्मिक गतिविधियों के सुचारु संचालन, पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करेंगे। न्यास बिहार में मंदिर परिसरों में अखाड़ों के लिए स्थान आवंटित करने की नीति पर भी काम कर रहा है। इसका उद्देश्य मंदिरों को केवल पूजा के स्थल तक सीमित रखने के बजाय उन्हें सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्र में परिवर्तित करना है। मंदिर भारतीय समाज में सदियों से केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संवाद का भी केंद्र रहे हैं। सत्यनारायण कथा, भगवती पूजा, यज्ञ, प्रवचन, स्वास्थ्य शिविर, पारंपरिक खेलकूद–इन सभी गतिविधियों को पुनः संरचित रूप में विकसित करने का उद्देश्य समाज में सामूहिकता, समरसता और सामाजिक पूंजी को सुदृढ़ करना है। इस धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा के महीने में दो बार सामूहिक आयोजनों से जाति-भेद, सामाजिक दूरी और विभिन्न समुदायों के बीच बनी खाई पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मंदिर भारतीय समाज के लिए केवल प्रार्थना-स्थल नहीं, बल्कि मूल्य, परंपरा, कला, शिक्षा और सामाजिक व्यवहार का केंद्र रहे हैं। भारतीय चिंतन परंपरा के विख्यात चिंतक वासुदेव शरण अग्रवाल 1930 में लिखे निबंध 'सत्यनारायण व्रत कथा' में कहते हैं। 'हिंदू जाति में बच्चे से लेकर बूढ़े तक कोई भी व्यक्ति ऐसा न होगा, जिसने सत्यनारायण-व्रत-कथा न सुनी हो। जीवन के शुभ-अशुभ दोनों कालखंड में सत्यनारायण कथा जा अपना वैशिष्ट्य है' सत्यनारायण कथा का फैलाव इतना रहा है कि फिजी-मॉरिशस से लेकर दक्षिणी अमेरिका तक फैले भारतीयों और यूरोप-अमेरिका के अमीर सनातनी भारतीय घरों में भी यह होती रही है। मार्क्सवादी सिनेमाकार ऋत्विक घटक तक ने माना है: 'इस देश की संस्कृति के चरित्र और विशिष्टता का ठीक से अध्ययन तभी किया जा सकता है जब भारत के भाववाद को उसके दर्शन और धर्म के साथ परख कर और तौल कर समझा जाए।' सत्यनारायण कथा और भगवती पूजा जैसे आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं, बल्कि लोक-जीवन की सामूहिक स्मृति हैं–वह स्मृति जो उपेक्षा के कारण धूमिल हो रही थी। इस निर्णय से वे परंपराएँ पुनः समाज की धड़कन बन सकेंगी। सत्यनारायण कथा एवं भगवती पूजा प्राचीन काल से सुख-समृद्धि और शक्ति के प्रतीक रही हैं; इन्हें पुनर्जीवित करना सांस्कृतिक आत्मविश्वास की पुनर्स्थापना है। जब शासन सांस्कृतिक उन्नयन के साथ खड़ा होता है, सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व देता है तो परंपराएँ केवल जीवित नहीं रहतीं–वे विकसित होती हैं और समाज को सशक्त बनाती हैं, समाज अधिक

संगठित,आत्मविश्वासी और प्रगतिशील बनता है। भारतीय राजनीति में लंबे समय तक ऐसी प्रवृत्तियाँ देखी गई जिनमें धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या बहुसंख्यक समाज की धार्मिक परंपराओं की उपेक्षा से जुड़ गई थी। कई दशक तक हिंदू मान्यताओं, ग्रंथों और देवताओं पर प्रश्न उठाना प्रगतिशीलता का पर्याय माना गया। रामायण और महाभारत को काल्पनिक, भगवान राम और कृष्ण को मात्र मिथक सिद्ध करने के प्रयास लगातार किए गए। इसके विपरीत, अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीतियों के तहत वर्षों तक हज सब्सिडी दी गई, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में समाप्त करने का निर्देश दिया। कई राज्यों–जैसे उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और बिहार–में इमामों तथा उनके सहायकों को सरकारी वेतन तक प्रदान किया गया, जबकि बहुसंख्यक समाज के पुरोहितों, पुजारियों या मंदिर कर्मियों के लिए ऐसी कोई संरचना उपलब्ध नहीं थी। इसी प्रकार, छात्रवृत्ति योजनाओं में भी अक्सर सामुदायिक आधार पर भेदभाव देखा गया, जहाँ मेधावी एवं वंचित बहुसंख्यक छात्रों की तुलना में औसत प्रदर्शन वाले अल्पसंख्यक छात्रों को प्राथमिकता दी जाती रही। अब पानी बहुत बह चुका है,धाराओं ने अपनी दिशा बदल दी है। वैश्वीकरण के दौर में विश्व की अनेक सभ्यताएँ अपनी जड़ों की ओर वापसी की आवश्यकता महसूस कर रही हैं। ऐसे में अयोध्या में धर्मध्वजा, गोवा में श्रीराम की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा की स्थापना और बिहार के मठ-मंदिरों में पूर्णिमा और अमावस्या को सत्यनारायण कथा और भगवती पूजा भारत की सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का सशक्त और शुभ संकेत है।

हरीश शिवनानी

बायजूज़ का सबक: तकनीक नहीं, भरोसा ही शिक्षा का असली आधार है

[जब शिक्षा लोन में बदली और सपने ईएमआई में क़ैद हुए]

[बिना नींव की ऊँचाई: भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए सबक]

भारत के सबसे चमकते एडटेक सितारे की दास्तान अब अपनी अंतिम साँसें गिन रही है। बायजूज़–जिसकी वैल्यूएशन कभी 22 अरब डॉलर की चकाचौंध में दमकती थी–आज दिवालिया प्रक्रियाओं के हवाले हो चुका है। नवंबर 2025 तक कंपनी पर कई हजार करोड़ रुपये का नुकसान और देनदारी का बोझ लद चुका है, कई हजार कर्मचारी बेरोज़गारी की खाई में धकेल दिए गए हैं। मीडिया रिपोर्टों और उपभोक्ता शिकायतों के अनुसार, लाखों अभिभावकों की मेहनत की कमाई अनिश्चितता के जाल में फँसी हुई है। यह केवल एक स्टार्टअप का ढहना नहीं; यह पूरे एडटेक उद्योग के भीतर गूँजती चेतावनी है–अति-आत्मविश्वास की अंधी दौड़, आक्रामक बिक्री की खतरनाक संस्कृति और कॉर्पोरेट गवर्नेंस की असहनीय लापरवाही, जो अंततः एक सामूहिक विफलता का महाभारत रच बैठी। सब कुछ 2015 में एक बेहद सरल-सा विचार बनकर उभरा था। बायजू रविंद्रन ने बच्चों को वीडियो लेक्चर के माध्यम से पढ़ाने का बीज बोया, और कोविड-19 के अंधकारमय दिनों में यह बीज देखते ही देखते एक वृक्ष की तरह फैल गया। 2020-21 में जब स्कूलों के गेट बंद थे, अभिभावक अपनी संतानों की पढ़ाई बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार थे। ठीक इसी नाजुक घड़ी में बायजूज़ ने सबसे आक्रामक और नैतिकता-तोड़ सेल्स रणनीतियाँ अपनाई–टेलीमार्केटिंग कॉलों में दबाव का पहाड़, 'अभी नहीं लिया तो बच्चे का साल डूब जाएगा' जैसे डरावने वाक्यों की बौछार, और कई परिवारों के लिए तो बिना स्पष्ट जानकारी दिए शुरू कर दी गई ईएमआई जैसी अदृश्य जंजीरें। सर्वे दर्शाते हैं कि 2021-22 में कंपनी ने कोर रेवेन्यू ?3,550 करोड़ और कंसोलिडेटेड ऑपरेटिंग रेवेन्यू ?5,000 करोड़ के आँकड़े पेश किए–पर इन चमकदार संख्याओं के पीछे छिपा सच कहीं अधिक काला था। इस राजस्व का बड़ा हिस्सा उन लोन से उपजा था, जो बाद में लगभग पूरी तरह अशोधित साबित हुए–ऐसे लोन, जिन्होंने हज़ारों परिवारों को आर्थिक अस्थिरता, टूटते भरोसे और गहरे भावनात्मक तनाव की अँधेरी खाई में धकेल दिया। वैल्यूएशन की चकाचौंध भरी दौड़ में बायजूज़ ने 2021-22 में एक के बाद एक दर्जन से अधिक कंपनियाँ निगल लीं–व्हाइटहैट जूनियर हो, टॉपर, ग्रेट लर्निंग आदि–हर अधिग्रहण कई गुना तक की अविश्वसनीय वैल्यूएशन पर। प्रॉसस, चान-ज़करबर्ग इनिशिएटिव और ब्लैकरॉक जैसे दिग्गज निवेशक मानो आँख बंद करके धन उलीचते रहे, जबकि अंदर ही अंदर कंपनी दीमक की तरह खोखली होती जा रही थी। 2021-22 के ऑडिटेड वित्तीय दस्तावेज़ पूरे 22 महीने की देरी से सामने आए–और जैसे ही आए, निवेशकों के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। पता चला कि राजस्व का विशाल हिस्सा 'अक्रुअल बेसिस' पर दिखाया गया था–यानी जो पैसा कभी आया ही नहीं, उसे भी कमाई मानकर बैलेंस शीट चमकाई गई। 2023-24 में जब प्रॉसस ने क्रमिक रूप से वैल्यूएशन को शून्य घोषित किया, तभी यह बुलबुला जोरदार धमाके के साथ फूट पड़ा। लेकिन इस पतन की सबसे मार्मिक कीमत कर्मचारियों और शिक्षकों ने चुकाई। 2022 से अब तक पाँच बार बड़े पैमाने पर छँटनी हुई, सैकड़ों नहीं–हज़ारों लोग एक झटके में सड़क पर आ गए। बहुतों को तीन-तीन महीने तक वेतन तक नहीं मिला। जिन शिक्षकों ने वर्षों तक अपनी ऊर्जा, अपनी पहचान इस संस्था में समर्पित की, उन्हें एक सूचना भर में बेरोजगार कर दिया गया। अभिभावकों की त्रासदी इससे भी भयावह है। लाखों परिवारों ने 1-2 लाख रुपये तक खर्च कर कोर्स खरीदे–पर अब अधिकांश के लिए प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँचना भी संभव नहीं। कई बच्चों ने तो कोर्स शुरू भी नहीं किया, फिर भी बैंक लगातार ईएमआई काट रहा है। उपभोक्ता मंचों पर शिकायतें हजारों नहीं, बल्कि लाखों में दर्ज हैं–हर शिकायत एक टूटे हुए भरोसे की, एक ठगे गए सपने की और एक असहाय परिवार की गवाही बनकर खड़ी है। इस पूरे संकट की मूल में तीन बड़े कारण हैं। पहला - कॉर्पोरेट गवर्नेंस का पूर्ण अभाव। प्रमोटर दंपति, बायजू और दिव्या गोकुलदास, कंपनी को मानो अपनी निजी चेकबुक और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का विस्तार मानकर चलाते रहे। दूसरा–निवेशकों का अनियंत्रित लालच, जिसने उचित जाँच-पड़ताल को हाशिये पर धकेल दिया। और तीसरा–नियामक तंत्र की चुप्पी, जिसकी कीमत आज लाखों परिवार चुका रहे हैं। न सेबी ने समय रहते आवाज उठाई, न आरबीआई ने लोन स्ट्रक्चर पर रोक लगाई, और न शिक्षा मंत्रालय ने उस क्षेत्र में दखल दिया जो सीधे बच्चों की ज़िंदगी को प्रभावित करता था। इस त्रासदी से कुछ कड़े सबक सीखने होंगे। पहला, एडटेक कंपनियों के लिए एक स्वतंत्र और मजबूत नियामक ढाँचा तुरंत विकसित होना चाहिए, जिसमें रिफंड नीतियों से लेकर सेल्स रणनीतियों और विज्ञापनों तक हर चीज़ पर कठोर नियम लागू हों। दूसरा–स्कूल शिक्षा को एक 'उत्पाद' की तरह बेचने की सोच बदलनी होगी; शिक्षा सेवा है, सौदा नहीं। तीसरा–निवेशकों को यह समझना होगा कि 200 गुना वैल्यूएशन पर पैसा फेंकना इनोवेशन नहीं, मूर्खता है; निवेश से पहले बुनियादी सवाल पूछना ही बुद्धिमानी है। चौथा–अभिभावकों को यह भी स्वीकारना होगा कि किसी भी चमकदार ऐप से अधिक कद बच्चे की मेहनत और शिक्षक के समर्पण का होता है। बायजूज़ का पतन भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य के लिए एक तीखा स्मरण है: ऊँचाई पर पहुँचना आसान है, पर बिना मजबूत नींव के टिक पाना असंभव।

यह उम्मीद की जानी चाहिए कि एनसीएलटी प्रक्रिया (नेशनल कम्पनी लॉ ट्राइब्यूनल) कम से कम अभिभावकों और कर्मचारियों के लिए कुछ राहत लेकर आएगी। लेकिन इस कहानी का असली महत्व उस सीख में है, जिसे अगले दशक तक देश को याद रखना होगा कि चमकदार विज्ञापन, गगनचुंबी वैल्यूएशन और आक्रामक वादों के पीछे छिपी सच्चाई को परखना हर निवेशक, हर अभिभावक और हर नियामक का नैतिक कर्तव्य है। बायजूज़ का अध्याय शायद समाप्त हो जाए, पर उसकी गलतियों से उपजा अनुभव भारतीय एडटेक के लिए एक नए, अधिक ज़िम्मेदार और अधिक मानवीय भविष्य की नींव बन सकता है।

प्रो. आरके जैन

सदन बनाम शोर,शीतकालीन सत्र की पहली भोर

राजनीतिक टकराव और संवाद की नयी चुनौती

शीतकालीन सत्र हमेशा से राजनीतिक तापमान का आईना माना जाता रहा है। वर्ष के अंतिम महीने में जब केंद्र सरकार अपनी उपलब्धियों और नीतिगत प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश करती है, तब विपक्ष इसे जवाबदेही और जनहित के मुद्दों को उठाने के अवसर के रूप में देखता है। इसी उम्मीद और उत्सुकता के बीच 1 दिसंबर से आरंभ हुआ संसद का यह शीतकालीन सत्र, अपने पहले ही दिन उस सौहार्द्र और गंभीरता से दूर दिखाई दिया जिसकी एक लोकतांत्रिक संस्था से अपेक्षा की जाती है।पहले दिन राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। कारण वही पुराना-हंगामा, नारेबाजी और तीखी राजनीतिक तल्खी। सत्र शुरू होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों को एक स्पष्ट संदेश दिया कि संसद का मंच राजनीति की लड़ाई का एरिना नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों पर काम करने का स्थान है। उनकी टिप्पणी, सदन में ड्रामा नहीं, डिलेवरी चाहिए, में सिर्फ राजनीतिक व्यंग्य नहीं था, बल्कि कार्यसंस्कृति पर गंभीर चिंता का संकेत भी झलक रहा था।मोदी ने विपक्ष से यह भी कहा कि चुनाव परिणामों में पराजय मिलना राजनीतिक जीवन का अंग है, लेकिन पराजय की निराशा में डूबकर सदन को ठप कर देना लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुकूल नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार ट्रिप्स जैसी बहसों और विधायी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है, लेकिन यह तभी संभव है जब विपक्ष मजबूत मुद्दे उठाए और सहयोग की भावना दिखाए।अचानक इस्तीफे पर राजनीति का बवंडर तेज हुआ।सत्र की शुरुआत से पहले ही एक बड़ा राजनीतिक तूफ़ान उस वक्त खड़ा हो गया जब राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उपराष्ट्रपति जैसे पदों को संभाल चुके धनखड़ के इस निर्णय ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे असामान्य कदम बताते हुए सवाल किया कि इतनी बड़ी संवैधानिक जिम्मेदारी छोड़ने के पीछे कौन-सा दबाव या परिस्थिति रही होगी। खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि अगर खड़गे जी को इस विषय में बहुत तकलीफ हो रही है तो उन्हें डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह बयान दर्शाता है कि आने वाले दिनों में सत्ता और विपक्ष के बीच वाद-विवाद कैसे मोड़ ले सकता है।सत्र का एजेंडा बड़ा, लेकिन माहौल गर्म है।शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक आयोजित होना है। कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं और सरकार लगभग 10 विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इनमें तंबाकू और पान मसाला पर सेस लगाने वाला बिल, दिवाला कानून में सुधार, और जनविश्वास संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधायी प्रस्ताव शामिल हैं। संसदीय समितियों को भी कई रिपोर्टें प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है।लेकिन पहले ही दिन विपक्ष ने एसआईआर मुद्दे पर जोरदार हंगामा किया। इससे सरकार के विधायी कार्यक्रम पर अनिश्चितता के बादल मंडराते नजर आए। सरकार का आरोप है कि विपक्ष बिना पर्याप्त चर्चा के सिर्फ बाधा उत्पन्न करने की रणनीति अपना रहा है। वहीं विपक्ष कहता है कि उसके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा रहा और सरकार संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा से बच रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में हो रहे व्यवधानों पर स्पष्ट अपील की।मेरी चिंता यह है कि सदन चले। जनता हम सब से काम की उम्मीद करती है।

नए सभापति का स्वागत और पुरानी राजनीति की छाया

सत्र की शुरुआत में सी.पी. राधाकृष्णन को राज्यसभा के नए सभापति के रूप में स्वागत किया गया। मोदी ने उनके अनुभव की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में सदन की कार्यवाही अधिक गरिमामय और प्रभावी होगी। लेकिन स्वागत समारोह के माहौल में भी दलगत राजनीति की तल्खी कम नहीं हुई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने खड़गे पर आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के लिए अनुचित शब्द बोले। यह आरोप भी सत्र के शुरुआत में तनाव का एक और सूत्र बन गया।विपक्ष के भीतर भी समानता नही लेकिन भिन्न आवाजेंसुनाई दी।हंगामे के इस माहौल में विपक्ष के भीतर भी अलग-अलग स्वर सुनाई दिए। गोगोई ने कहा कि अगर विपक्ष के मुद्दों को सत्र में उचित स्थान और चर्चा मिले, तो वे सरकार के सभी विधेयकों पर सहयोग करने को तैयार हैं। यह बयान संकेत देता है कि विपक्ष की मंशा केवल हंगामा करना नहीं है, बल्कि बहस और संवाद भी चाहता है।यदि उसे सम्मानजनक अवसर मिले। हालाँकि, इस बीच राहुल गांधी सदन से उस समय बाहर निकल गए जब कार्यवाही हंगामे के कारण रुकावट का सामना कर रही थी। यह घटना भी राजनीतिक व्याख्याओं का विषय बनी।इस बीच चिराग पासवान ने कहा कि हंगामा छवि चमकाता है, काम नहीं,लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने विपक्ष के विरोध को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की।हंगामा करने वाला अपनी छवि चमकाता है, लेकिन काम नहीं करता। पासवान के इस वक्तव्य ने सत्ता पक्ष की उस भावना को मजबूत किया, जिसमें वे कहते हैं कि विपक्ष सिर्फ नकारात्मक राजनीति कर रहा है और संसद के संचालन में बाधा डाल रहा है।

हंगामा बनाम लोकतंत्र

सत्र के पहले दिन जिस प्रकार कार्यवाही बाधित हुई, उसने इस विवाद को फिर जन्म दिया कि क्या लगातार हंगामे के माध्यम से विपक्ष अपनी भूमिका को कमजोर कर रहा है, या यह उनके लिए मजबूरी है क्योंकि सरकार उन्हें बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं देती?सत्ता पक्ष का तर्क है कि हंगामा लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। संसद बहस, विचार और नीतिगत विमर्श का स्थान है, और लगातार व्यवधान से न सिर्फ विधायी कामकाज रुकता है, बल्कि जनता का विश्वास भी डगमगाता है।विपक्ष का दावा है कि संवेदनशील मुद्दों पर सरकार की चुप्पीऔर अड़ियल रवैया उन्हें कठोर कदम उठाने पर मजबूर करता है।लोकतंत्र का बड़ा सवाल है किसदन में पहले दिन की उथल-पुथल इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में शीतकालीन सत्र किसी राजनीतिक परीक्षा से कम नहीं होगा। सरकार जहां विकास, अर्थव्यवस्था, सामाजिक कल्याण और प्रशासनिक सुधारों पर विधायी एजेंडा आगे बढ़ाना चाहती है, वहीं विपक्ष अधिक आक्रामक और तप्त सवालों के साथ तैयार बैठा है। इस सत्र की असली कसौटी यह होगी कि क्या संसद अपने मूल दायित्व जनता के लिए कानून बनाना और शासन पर निगरानी रखना,को पूरा कर पाएगी या फिर राजनीतिक ध्रुवीकरण इसे फिर से जाम कर देगा? लोकतंत्र का सार संवाद है, और संवाद के लिए बहस काअधिकार भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना संयम का। पहले दिन की घटनाओं ने देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हमारा राजनीतिक वर्ग इस संतुलन को पुनः स्थापित कर पाएगा। शीतकालीन सत्र की यह आरंभिक हलचल संकेत देती है कि आने वाले 18 दिन शांत नहीं रहने वाले। परंतु यदि सत्ता और विपक्ष अपने-अपने राजनीतिक हितों के ऊपर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें, तो यह सत्र महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दे सकता है।अंततः संसद जनता की उम्मीदों का मंच है। और इन उम्मीदों को पूरा करने के लिए चाहिए न ड्रामा, न आरोपों का तूफान,बल्कि ठोस कार्य, सार्थक बहस और लोकतांत्रिक परिपक्वता। यह तभी सम्भव है,जब विपक्ष इस बात को समझे और समझकर उनकी जवाबदेही पर पुनः विचार करे।

कांतिलाल मांडोत

आज का हर मानव अर्जुन है, और गीता उसका कृष्ण

मानव जीवन का हर चरण एक नए कुरुक्षेत्र की तरह सामने खड़ा होता है-संघर्षों, दुविधाओं और निर्णयों से भरा हुआ। परिस्थितियाँ बदलती हैं, युग बदलते हैं, साधन बदलते हैं, पर मनुष्य का मूल संकट वही रहता है: क्या सही है, क्या कर्तव्य है, क्या चुनें, कैसे चलें? यही मन की वह स्थिति है जिसमें आज का हर मनुष्य कहीं न कहीं संकोच और भ्रम से ग्रस्त, कर्तव्य और मोह के बीच डांवाडोल अर्जुन बन जाता है और ऐसे हर क्षण पर गीता उसकी कृष्ण बनकर सामने आती है, मार्ग दिखाती है, मन को स्थिर करती है, और जीवन-दर्शन के सत्य को उजागर करती है। कुरुक्षेत्र की भूमि किसी दूर अतीत की स्मृति मात्र नहीं; वह हर उस क्षण में जीवित है जब मनुष्य अपने निर्णयों के भार से दब जाता है। अर्जुन का धनुष आज के जीवन में हर भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के हाथ में है, फिर चाहे वह विद्यार्थी हो, परिवार का सदस्य, कर्मचारी, नेता, व्यापारी ,उद्यमी, किसान या नागरिक। मोह, अपेक्षाएँ, भ्रम, दबाव और परिणामों की चिंता व्यक्ति को उसी तरह विचलित करती है जैसे अर्जुन युद्ध के द्वार पर विचलित हुआ था। ऐसे समय में गीता का यह संदेश कि कर्म मनुष्य के हाथ में है, फल नहीं,आज के अनिश्चित, प्रतियोगी और तनाव से भरे वातावरण में मानसिक संतुलन की सबसे बड़ी कुंजी है। आधुनिक मनोविज्ञान भी यही कहता है कि व्यक्ति प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करे, परिणाम पर नहीं। कर्मयोग का सिद्धांत आज के कार्यस्थल में ही नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में लागू होता है। आसक्ति रहित कर्म करने का विचार 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' (इमोशनल इंटेलिजेंस), 'कार्य-जीवन संतुलन' (वर्क-लाइफ बैलेंस) और 'मानसिक स्वास्थ्य' (मेंटल वेल-बीइंग) के आधुनिक सिद्धांतों से कहीं अधिक गहरा और व्यावहारिक है। गीता का यह संदेश कि मनुष्य कर्म करते समय जितना अपेक्षाओं और अहंकार से मुक्त होगा , वह उतना ही अधिक संतुलित और सफल होगा, गीता को केवल आध्यात्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन-प्रबंधन की सर्वश्रेष्ठ संदर्भ ग्रंथ स्थापित करती है। कृष्ण अर्जुन से संवाद करते हुए न आदेश देते हैं, न दबाव बनाते हैं; वे तो अर्जुन की मन:स्थिति को समझते हुए उसके भ्रम का धैर्यपूर्वक समाधान करते हैं, और उसे कर्तव्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। आज के प्रभावी नेतृत्व की कसौटियाँ जैसे सहानुभूति, जागरूकता, संवाद और प्रेरणा आदि सभी आदर्श रूप में कृष्ण-अर्जुन संवाद में देखने को मिलती हैं। आधुनिक प्रबंधन में 'रूपांतरणकारी नेतृत्व' (ट्रांसफ़ॉर्मेशनल लीडरशिप) का जो सिद्धांत पढ़ाया जाता है, वह गीता के नेतृत्व दर्शन का ही आधुनिक रूप है। अविश्वसनीय लेकिन सत्य यह है कि गीता का मनोवैज्ञानिक पक्ष आज विज्ञान द्वारा प्रमाणित है। इच्छाओं और क्रोध पर नियंत्रण, मन की स्थिरता, विचारों का अनुशासन और ध्यान का अभ्यास आधुनिक मनोचिकित्सा में संज्ञानात्मक चिकित्सापद्धति (कॉग्निटिव थेरेपी) और सचेतन ध्यान (माइंडफुलनेस) के रूप में उपयोग किए जाते हैं। 'स्थितप्रज्ञ' का आदर्श उस व्यक्ति की छवि है जो परिस्थितियों के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रहता है; आज की भाषा में यही धैर्य-सामर्थ्य (रेज़िलिएंस) और भावनात्मक स्थिरता (इमोशनल स्टैबिलिटी) है। गीता का धर्म संकीर्ण धार्मिकता नहीं, बल्कि कर्तव्य और नैतिकता का विज्ञान है। यह बताता है कि सही वही है जो व्यापक हित और सत्य पर आधारित हो। आज जब समाज मूल्य-संकट, भ्रष्टाचार, नैतिक भ्रम और आत्मकेंद्रित प्रवृत्तियों से जूझ रहा है, गीता का यह उपदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि मनुष्य अपने कर्तव्य को पहचानकर, सत्य और न्याय के मार्ग पर चले। यही संदेश अर्जुन को दिया गया था, और वही संदेश आज के मानव को चाहिए। गीता की प्रासंगिकता का वैश्विक प्रभाव और स्वीकारता इसे और भी अधिक प्रमाणिक ग्रंथ स्थापित करती है। गांधी से लेकर आइंस्टीन और ओपेनहाइमर तक, विश्व के अनेक महान विचारकों ने गीता से प्रेरणा ली। भारत सहित रूस, फ्रांस, अमेरिका तथा जापान तक में गीता पर शोध होते रहे हैं और आज भी हो रहे हैं। हार्वर्ड, एम.आई.टी. और अन्य वैश्विक विश्वविद्यालयों में गीता को नेतृत्व, नैतिकता और मनोविज्ञान के संदर्भ में पढ़ाया जा रहा है। यह अपने आप में सिद्ध करता है कि गीता किसी विशेष समुदाय की नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की ज्ञान-पुस्तक है। आज का मानव अतीत से अधिक तनाव, असंतुलन और

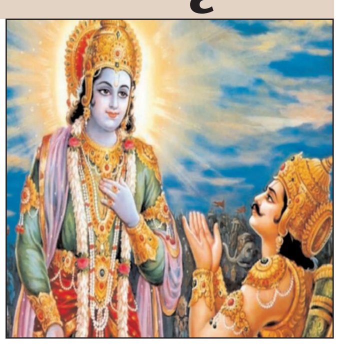

अनिश्चितता का सामना कर रहा है। भविष्य की चिंता और अतीत का भार उसके वर्तमान को खोखला तक कर देता है। ऐसे विषम परिस्थितियों में गीता उसे यह कला सिखाती है कि वर्तमान में कैसे जिया जाए, जीवन को कैसे संतुलित रखा जाए, और कैसे अपने भीतर के अर्जुन को शक्ति प्रदान की जाए। यही कारण है कि गीता आज केवल प्रासंगिक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य हो उठती है। अंततः सत्य यही है कि जीवन के विविध मोड़ पर मनुष्य कभी न कभी अर्जुन बन जाता है(दुविधाग्रस्त, प्रश्नों से भरा, निर्णयों से विचलित) और ऐसे कठिन समय में हर बार गीता उसके सामने कृष्ण बनकर खड़ी हो जाती है(सत्य, विवेक और कर्तव्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए)। यही कारण है कि गीता आज भी जीवित है, प्रासंगिक है, और मानव जीवन की सबसे स्थायी दिशा-दर्शक प्रकाश किरण है।

डा मनमोहन प्रकाश

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल**, मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

बैतालपुर चीनी मिल चालू कराने सहित 14 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना 683वें दिन जारी

देवरिया। चीनी मिल चलाओ संघर्ष समिति, संयुक्त पंचायत निकाय मोर्चा तथा संयुक्त महा मोर्चा के संयुक्त तत्वाधान में बैतालपुर चीनी मिल को शीघ्र चालू कराने तथा किसानों से जुड़े 14 अन्य महत्वपूर्ण मांगों के समर्थन में कलेक्ट्रेट परिसर में चल रहा धरना आज 1 व दिन भी जारी रहा। धरना सभा को संबोधित करते हुए संघर्ष समिति के अध्यक्ष बृजेंद्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि किसान हित से जुड़ा यह इतना बड़ा और महत्वपूर्ण आंदोलन पूर्वांचल की धरती पर इससे पहले कभी नहीं देखा गया, जिसे जनता का इतना व्यापक समर्थन मिला हो। उन्होंने कहा कि स्वयं सूबे के मुख्यमंत्री चार बार मिल को चलाने की घोषणा कर चुके हैं, लेकिन अज्ञात कारणों से आश्वासन अब तक धरातल पर नहीं उतर सका है। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल अपने किए गए वादे को पूरा करे। धरने में विकास दुबे, बकरीदन, बेद प्रकाश, रायबहादुर यादव, ब्रह्मानंद चौहान, संजीव शुक्ला, अशोक यादव, विजय कुमार सिंह, उग्रसेन सिंह, श्रीकांत, गोविंद, श्रीराम मिश्रा, रामवर्धन प्रधान, सुनील कुमार पांडेय, नरसिंह यादव, कोमल यादव, चंद्रिका यादव, रामकिशोर वर्मा, अशोक मालवीय, दीनदयाल शर्मा, रत्नेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष केदार मणि त्रिपाठी की नवीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जनसंघ काल से संगठन की नींव रखने वाले कर्मयोगी को किया नमन

देवरिया। जनपद के बैतालपुर ब्लॉक सभागार में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जनसंघ काल से संगठन से जुड़े रहे केदार मणि त्रिपाठी की नवीं पुण्यतिथि श्रद्धा, भावना और सम्मान के साथ मनाई गई। जिलेभर से आए भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवरिया सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि केदार मणि त्रिपाठी की संगठनात्मक क्षमता, सादगी और निष्ठा अद्वितीय थी। जनसंघ से भाजपा तक के सफर में उन्होंने अनेक चुनौतियों के बीच संगठन को गांव-गांव तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व महापौर डॉ. सत्या पाण्डेय, भाजपा जिला प्रभारी संतराज यादव और जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि त्रिपाठी जी का जीवन समर्पण, संघर्ष और जनसेवा की मिसाल था। उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बैतालपुर राजेश निषाद ने की तथा संचालन धनुशधारी मणि त्रिपाठी ने किया। स्व. त्रिपाठी के पुत्र डॉ. वीरेन्द्र मणि त्रिपाठी, जयप्रकाश मणि त्रिपाठी और ओमप्रकाश मणि त्रिपाठी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख शैलेश कुमार त्रिपाठी, गिरजेश मणि त्रिपाठी, अरविन्द पाण्डेय, संजय राय, सत्येन्द्र मणि त्रिपाठी, हेमा त्रिपाठी, संजय मिश्रा, अम्बिकेश पाण्डेय, श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, विनय शर्मा, जितेंद्र सिंह, डॉ. राधेश्याम शुक्ला, सर्वेश नाथ त्रिपाठी, बच्चा सिंह, नित्यानंद पाण्डेय, अनिल मणि त्रिपाठी, धनंजय मणि सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मतदाता पुनरीक्षण कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ के मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अन्तर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा को बाटे गये गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) एवं जमा किये गये प्रपत्र के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि लेखपाल द्वारा अपने क्षेत्र के बीएलओ से समन्वय स्थापित करते हुये सभी मतदाताओं को घर घर जाकर गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें तथा मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरने के बाद उसको बीएलओ, रोजगार सेवक, ग्राम प्रधानों के माध्यम से प्राप्त कर लें। गणना प्रपत्र की फीडिंग में प्रगति लायें।जिन बी एल ओ द्वारा 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, दूसरे का सहयोग कर कार्य पूर्ण करायें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, तहसीलदार एवं अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

कार और ट्रक में टक्कर कार को नुकसान ट्रक चालक ने कार सवार पर लगाए रुपये छीनने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटियाथोक गोंडा। इटियाथोक कस्बे में सोमवार दोपहर करीब 3 बजे एक ट्रक द्वारा कार को हल्की टक्कर मारने के बाद विवाद हो गया।ट्रक चालक ने आरोप लगाया कि कार सवार युवकों ने मारपीट की और उसकी जेब से 28 हजार रुपये छीन लिए। इस घटना के कारण चौराहे पर लगभग एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही।यह घटना खरगूपुर मोड़ पर हुई जब एक ट्रक मोड़ते समय सामने से आ रही कार के पिछले हिस्से से मामूली रूप से टकरा गया, जिससे कार को हल्का नुकसान पहुंचा। टक्कर से नाराज कार सवार चार-पांच युवक तुरंत ट्रक पर चढ़ गए और चालक को गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने ट्रक की चाबी भी छीन ली।देहात कोतवाली के भदवा सोमवंशी गांव निवासी ट्रक चालक राजन सिंह ने बताया कि वह धानेपुर से बालू खाली करके रिसिया, बहराइच बालू भरने जा रहे थे। इटियाथोक चौराहे पर वाहन मोड़ते समय यह घटना हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि दबंगों ने उन्हें पीटा, उनके कपड़े फाड़ दिए और उनकी जेब से 28 हजार रुपये जबरन निकाल लिए। नुकसान की भरपाई देने की बात कहने पर भी वे नहीं माने और गाड़ी की चाबी लेकर चले गए। इस मामले में वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र कनौजिया ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सहजनवां :दहेज में कार न मिलने पर विवाहिता को मारपीट कर निकाला, पति सहित 7 पर केस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां।गोरखपुर : दहेज प्रथा जैसे सामाजिक कलंक पर लगातार कार्रवाई और जागरूकता के बावजूद लोभियों की मानसिकता में बदलाव नहीं दिख रहा है। ताज़ा मामला सहजनवां क्षेत्र का है, जहाँ चार पहिया वाहन न मिलने से नाराज़ ससुराल पक्ष ने एक विवाहिता को न सिर्फ प्रताड़ित किया, बल्कि मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति सहित सात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। भीटी रावत निवासी रेनू पाण्डेय, पुत्री भगवंत पाण्डेय, की शादी 23 फरवरी 2025 को लखनऊ के हनुमंतपुरम विष्णु बिहार कॉलोनी, थाना मणियाव निवासी अवनीश तिवारी पुत्र सब्बू तिवारी के साथ हुई थी। परिजनों के मुताबिक, विवाह में यथासंभव सामर्थ्य के अनुसार दो लाख रुपये नकद, उपहार स्वरूप सोने-चांदी के आभूषण और अन्य घरेलू सामान दिया गया था। रेनू के अनुसार, विदाई के बाद जैसे ही वह ससुराल पहुंची, ससुराल वालों का रवैया अचानक बदल गया। कम दहेज लाने का ताना मारते हुए उससे चार पहिया वाहन की मांग की जाने लगी। मांग पूरी न होने पर पति अवनीश तिवारी, ससुर सब्बू तिवारी, जेठ रामलखन, जेठानी अनुपम तिवारी, जेठ श्रीराम तिवारी, जेठानी छाया तिवारी और ननद गुड़िया तिवारी ने मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना प्रारंभ कर दिया। पीड़िता ने बताया कि ससुराल पक्ष द्वारा आए दिन मारपीट, अपमान और जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि 14 जुलाई 2025 को पीड़िता के मायके वाले जबरन उसे लेकर अपने घर आए। रेनू का कहना है कि जाते समय ससुराल वालों ने उसके सभी गहने, कपड़े और निजी सामान रोक लिए और उसे खाली हाथ घर से निकलना पड़ा। रेनू पाण्डेय की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सख्त कानून और जागरूकता अभियानों के बावजूद दहेज लोभियों की सोच आखिर कब बदलेगी? समाज में बढ़ते ऐसे मामलों पर न सिर्फ कानूनी बल्कि सामाजिक स्तर पर भी कठोर रोक लगाने की जरूरत है ताकि रेनू जैसी महिलाओं के साथ दोबारा ऐसा अत्याचार न हो।

ग़ोला बाजार कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती: स्थगन आदेश के बावजूद पीड़ित की जमीन पर अवैध कब्जा, छत डालने की तैयारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर: गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम बेलपार में भूमिधारी जमीन पर जारी विवाद प्रशासन के लिए चुनौती बनता जा रहा है। न्यायालय द्वारा जारी स्थगन आदेश के बावजूद कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा कर तेजी से निर्माण कार्य कराए जाने से पूरा मामला गरमा गया है। पीड़ित दयानाथ दूबे ने आरोप लगाया है कि पुलिस कार्रवाई और कोर्ट के आदेश को नजरअंदाज करते हुए विपक्षी पक्ष उनकी जमीन पर दीवार खड़ी कर अब लिंटर तक डालने की तैयारी में है। ग्राम सभा गडरी निवासी दयानाथ दूबे की बेलपार टोले में भूमि आराजी संख्या 334 के पास भूमिधारी जमीन है। इसी जमीन पर सटी दलित बस्ती के कुछ लोग कथित रूप से बढ़कर कब्ज़ा करने और निर्माण खड़ा करने में जुटे हुए हैं। पीड़ित का कहना है कि वर्ष 2022 में बांसगांव दीवानी न्यायालय ने विपक्षियों पर स्पष्ट रूप से 'स्टे ऑर्डर' जारी किया था, जिसके बाद किसी भी प्रकार के निर्माण की अनुमति नहीं थी। बावजूद इसके विपक्षी पक्ष न केवल जमीन में कब्जा जमाने का प्रयास कर रहा है, बल्कि स्थगन आदेश की खुली अवहेलना करते हुए पक्की दीवार खड़ी कर चुका है। पीड़ित दयानाथ दूबे का आरोप है कि पुलिस ने कई बार निर्माण कार्य रोकने की कोशिश की, यहां तक कि विपक्षियों के खिलाफ 107/116 की कार्यवाही भी की गई, लेकिन इसके बाद भी निर्माण पूरी तरह नहीं रुक सका। विपक्षी पक्ष के लोग कथित रूप से दबंगई दिखाते हुए कहते हैं कि 'हम दलित हैं, हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता,' जो कि न्यायालय और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों के लिए एक खुली चुनौती है। स्थिति को गंभीर होते देख पीड़ित ने अब न्यायालय की अवमानना का मामला (कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट) दायर कर दिया है। बांसगांव न्यायालय में दयानाथ दूबे बनाम फौजदार आदि के नाम से मामला विचाराधीन है। इसके अलावा, उन्होंने एसडीएम को प्रार्थनापत्र देकर न्यायालय के आदेश का पालन कराते हुए अवैध निर्माण रुकवाने और कब्जे से अपनी जमीन को बचाने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थगन आदेश के बावजूद लगातार निर्माण होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। वहीं, पीड़ित परिवार लगातार तनाव और भय की स्थिति में जी रहा है।

गोलघर की मशहूर दुकान 'बेबी लैंड' में भीषण आग, लाखों का नुकसान—बड़ा हादसा टला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। शहर के व्यस्त गोलघर बाजार में सोमवार को दोपहर उस समय भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जब प्रसिद्ध कपड़ों की दुकान बेबी लैंड में अचानक आग भड़क उठी। घटना करीब 1 बजे की है, जब दुकान पूरी तरह खुली थी और कई कर्मचारी व ग्राहक मौजूद थे। गनीमत रही कि समय रहते सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकान के भीतर से अचानक तेज धुआं उठने लगा। कुछ ही क्षणों में धुआं पूरे परिसर में फैल गया और कर्मचारी तुरंत बाहर की ओर भागे। आसपास की दुकानों के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य बिजली कनेक्शन काटा और लोगों को सुरक्षित दूरी पर भेजा। देखते ही देखते पूरा इलाका धुएं से भर गया और बाजार में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर दमकल विभाग की दो गाड़ियाँ कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की अथक मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। फायर कर्मियों ने प्राथमिक जांच में आग लगने के पीछे इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई है। दुकान के ऊपरी हिस्से में मौजूद बच्चों व युवाओं के कपड़ों का भारी स्टॉक और पैकिंग सामग्री आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की संभावना है। आग लगने के दौरान गोलघर इलाके में ट्रैफिक भी कुछ समय के लिए बाधित हो गया। पुलिस ने दुकान के आसपास घेराबंदी कर भीड़ को दूर रखा, ताकि दमकल कर्मियों के काम में बाधा न आए। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस की तत्परता की सराहना की, जिसकी वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया। फायर विभाग घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रहा है। यह हादसा एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि व्यस्त बाजारों में फायर सेफ्टी सिस्टम और इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस को लेकर कितनी सजगता बरती जा रही है। शहर की भीड़भाड़ वाली मार्केट में हुई यह घटना साफ चेतावनी है कि थोड़ी सी लापरवाही बड़ी त्रासदी में बदल सकती है।

गोरखपुर: सीएम की मौजूदगी में गीडा में बड़ी चोरी

●लेखपाल के मकान से लाखों के जेवरात साफ, पुलिस-प्रशासन की चौकसी पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री जिस दिन गीडा सेक्टर-5 में विकास, सुशासन और पारदर्शिता की नई दिशा दिखा रहे थे, उसी दिन उसी इलाके में एक साहसिक चोरी की वारदात ने पुलिस-प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी। मुख्यमंत्री की मौजूदगी वाले दिन हुई यह बड़ी चोरी अब स्थानीय पुलिस के लिए गंभीर चुनौती और इलाके में चर्चा का मुख्य विषय बन गई है। खजनी तहसील में तैनात लेखपाल श्याम कन्हैया अपने परिवार के साथ गीडा सेक्टर-5 में किराए के मकान में रहते हैं। रविवार की शाम लगभग 6 बजे वे अपने परिवार को लेकर शहर में खरीदारी के लिए निकले थे। देर रात जब वे वापस लौटे तो गेट का ताला टूटा देखकर उनके होश उड़ गए। अंदर पहुंचने पर अलमारी और संदूक टूटे मिले तथा पत्नी के लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और करीब ढाई हजार रुपये नकद गायब थे। पीड़ित ने बताया कि व्यस्तता के चलते कई दिनों से बाहर नहीं निकले थे और रविवार को पहली बार परिवार के साथ थोड़ी देर के लिए बाहर गए थे, तभी चोर मौके का फायदा उठाकर घर को खंगाल गए। चोर मकान के पिछवाड़े से अंदर घुसे थे। कमरे के सभी सामान बिखरे पड़े थे, जिससे साफ दिख रहा था कि वारदात को पूरी तैयारी और सहजता के साथ अंजाम दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही गीडा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिंगरप्रिंट टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया, लेकिन प्रारंभिक जांच में पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ महीने पहले चोरी की एक बड़ी गैंग का खजनी पुलिस ने खुलासा किया था, जिसके बाद घटनाओं में कमी आई थी, लेकिन अब फिर से चोरी की नई श्रृंखला शुरू हो गई है। लोग आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस की रात की गश्त काफी कमजोर हो गई है, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं। कई लोगों का यह भी कहना है कि सीएम की सुरक्षा में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती के कारण सामान्य गश्त प्रभावित हुई और अपराधियों को वारदात का मौका मिल गया। इलाके में इस घटना के बाद दहशत और नाराजगी का माहौल है। पीड़ित लेखपाल श्याम कन्हैया ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी और जेवरात बरामदगी की मांग की है। वहीं क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाए जाने, संदिग्ध लोगों पर सख्त निगरानी रखने और सक्रिय गैंग का खुलासा कर लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है। यह वारदात एक बार फिर साबित करती है कि क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में कई गंभीर खामियां हैं, जिन्हें दूर करना पुलिस-प्रशासन के लिए अब प्राथमिकता बनना चाहिए।

गोरखपुर जोन में पाँच साल में 2,400 से अधिक आत्महत्याएँ, एडीजी ने जारी किए जिलेवार आंकड़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर जोन में बीते पाँच वर्षों के दौरान आत्महत्या के मामलों में तेज़ बढ़ोतरी सामने आई है। सोमवार को जोन कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान एडीजी मुथा अशोक जैन ने वर्ष 2021 से 2025 तक के सभी 10 जिलों के आंकड़े सार्वजनिक किए। रिपोर्ट के अनुसार दहेज हत्या को छोड़कर आत्महत्या के मामलों में कुल 2,410 से अधिक लोगों ने विभिन्न कारणों से अपनी जान दे दी। एडीजी ने इसे 'गंभीर सामाजिक चुनौती' बताते हुए ठोस रणनीति पर जोर दिया।

देवरिया सबसे अधिक प्रभावित, गोरखपुर दूसरे स्थान पर

जिलेवार आंकड़ों में देवरिया में पाँच वर्षों में कुल 415 आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। गोरखपुर में 262, महाराजगंज में 281, बस्ती में 376, संतकबीरनगर में 158, सिद्धार्थनगर में 211, गोंडा में 215, बलरामपुर में 118, बहराइच में 256 और श्रावस्ती में 120 मामले सामने आए। एडीजी ने कहा कि ये आंकड़े मात्र संख्या नहीं, बल्कि कई परिवारों की टूट चुकी दुनिया की कहानी हैं।

मुख्य कारण—तनाव, पारिवारिक विवाद और आर्थिक दबाव

एडीजी जैन के अनुसार आत्महत्याओं के प्रमुख कारण पारिवारिक विवाद, आर्थिक तंगी, कर्ज, मानसिक तनाव, अवसाद और गंभीर बीमारियों से उपजा दबाव हैं। कई मामलों में छोटी समस्याएँ भी सही मार्गदर्शन के अभाव में जानलेवा कदम में बदल जाती हैं।

थानेवार विश्लेषण और काउंसलिंग सेल को मिलेगी मजबूती

उन्होंने सभी एसएसपी/एसपी को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले का थानेवार विश्लेषण कर आयु, पारिवारिक स्थिति और कारण आधारित रिपोर्ट तैयार की जाए। जिलाधिकारी, सीएमओ और समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय कर जोन-स्तरीय आत्महत्या रोकथाम नीति लागू की जाएगी। सभी थानों में काउंसलिंग सेल की सक्रियता सुनिश्चित की जाएगी ताकि संकटग्रस्त परिवारों को समय पर सहायता मिले।

एडीजी की अपील— 'संवाद ही समाधान'

एडीजी ने तनावग्रस्त व्यक्तियों को समझने, उनका मनोबल बढ़ाने और परिवारों में संवाद बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि असफलता अंत नहीं, बल्कि नया अवसर है। आर्थिक दबाव झेल रहे लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और मदद मांगने की सलाह दी। अंत में उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास, संवेदनशीलता और सामाजिक समर्थन ही बढ़ती आत्महत्याओं पर प्रभावी रोक लगा सकते हैं।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली को किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। विश्व एड्स दिवस पर जीआईसी की अध्यापिका प्रियंका शिवहरे ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएमओ ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। नोडल अधिकारी डा.रामनरेश सोनी ने बताया कि सभी लोगों को एचआईवी जांच, उपचार और सलाह तक सरल, सुलभ और बिना भेदभाव के पहुंच मिले। 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने का लक्ष्य है। पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा.सौरभ सक्सेना ने बताया कि इस साल 2025 का थीम है। रुकावटों पर काबू पाना, एड्स के जवाब में बदलाव लाना। यह थीम वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों पर केन्द्रित है, जैसे कि समाज में भेदभाव तथा जानकारी का अभाव। इस थीम के जरिये संदेश दिया गया है कि एड्स के खिलाफ लड़ाई केवल बीमारी के इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरी है। जागरूकता और सामाजिक सहयोग। सभी को एड्स रोकथाम, उचित उपचार और जागरूकता के प्रसार के लिए एकजुट होने की आवश्यकता है। इस दौरान सुरेन्द्र कुमार, हरेन्द्र रिछारिया, विजय बहादुर, जशोदा देवी, राजकुंवर, अनिरुद्ध सिंह, गोविन्द कुशवाहा, गंगोत्री, अनिल, कीर्ति, राजकुमारी, रामेश्वरी, सतीश सोनी आदि मौजूद रहे।

उड़ीसा ससुराल गये युवक के घर चोरी

ललितपुर। थाना पूराकलां के ग्राम कन्धारीकलां अंतर्गत मजरा कटीला में रहने वाले जयराम पुत्र मोहन पाल ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 19 नवम्बर को वह अपने परिवार के साथ ससुराल उड़ीसा जा रहा था और उसके मकान का ताला लगा हुआ था। आरोप है कि 30 नवम्बर को जब वह ससुराल से लौट कर आया तो उसने देखा कि घर में चोरी हो गयी थी। अज्ञात चोरों ने उसके घर में रखी एक हाफ पेटी चांदी की, एक जोडी पायल गिलट की, एक पायल सिंगल चांदी की, चार नग बिछिया चोरी कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 व 331 (4) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

खजनी: ग्राम पंचायत अधिकारियों का बिगुल, खजनी ब्लॉक में शुरू होगा शांतिपूर्ण सत्याग्रह

●ऑनलाइन लाइन (FRS) व गैर-विभागीय कार्यों के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी। ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति, विकास खंड खजनी-गोरखपुर ने प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर विभागीय शोषण, ऑनलाइन उपस्थिति (फ्रास्क) प्रणाली की बाध्यता तथा सचिवों पर थोपे जा रहे गैर-विभागीय कार्यों के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। समिति ने स्पष्ट कर दिया है कि अब यह संघर्ष अधिकारों की बहाली और सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो चुका है। ग्राम पंचायत अधिकारी संघ उत्तर प्रदेश के केन्द्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष सुबाष चन्द्र पाण्डेय के निर्देश पर खजनी ब्लॉक के सचिव 01 दिसम्बर 2025 से 15 दिसम्बर 2025 तक चरणबद्ध सत्याग्रह कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। आंदोलन की शुरुआत 01 से 04 दिसम्बर तक काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य करने से होगी, जिसके माध्यम से अधिकारी अपनी मौन आपत्ति दर्ज कराएंगे।

05 दिसम्बर को बड़ा कार्यक्रम

5 दिसम्बर को सभी ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी ब्लॉक मुख्यालय पर धरना देंगे। इसी दिन अधिकारी जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को ज्ञापन भेजेंगे। विरोध के प्रतीकात्मक स्वरूप में जनपद के सभी सरकारी व्हाट्सऐप समूहों से सचिव सामूहिक रूप से लेफ्ट भी हो जाएंगे, जिसे विभागीय दबाव और अतिरिक्त भार के विरोध का बड़ा संकेत माना जा रहा है।

10 दिसम्बर से निजी वाहन का बहिष्कार

आंदोलन के अगले चरण में 10 दिसम्बर से सभी सचिव अपने निजी वाहनों का उपयोग बंद कर देंगे। अधिकारियों का कहना है कि विभागीय कार्य के लिए ईंधन, रख-रखाव या यात्रा भत्ता नहीं दिया जाता, ऐसे में निजी संसाधनों का इस्तेमाल अब संभव नहीं है। वाहन बंदी से कई कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियान्वयन की गति प्रभावित हो सकती है।

15 दिसम्बर को डोंगल जमा कर देंगे सचिव

सबसे कठोर चरण 15 दिसम्बर को देखा जाएगा, जब सभी सचिव अपना इंटरनेट डोंगल विकास खंड कार्यालय में जमा करेंगे। सचिवों का आरोप है कि ऑनलाइन प्रणाली (फ्रास्क), पोर्टल आधारित फीडिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और विभिन्न योजनाओं की डिजिटल रिपोर्टिंग का पूरा भार केवल उनके ऊपर डाल दिया गया है, जबकि इसके लिए किसी संसाधन या तकनीकी सहायता की व्यवस्था नहीं की गई। अधिकारियों का कहना है कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, परंतु गैर-विभागीय जिम्मेदारियों, अनियमित तकनीकी दबाव और ऑनलाइन उपस्थिति जैसी अव्यवहारिक व्यवस्थाओं के चलते उनके नियमित कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शासन स्तर पर जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। खजनी ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायत अधिकारी एकजुट होकर इस सत्याग्रह को सफल बनाने में जुटे हैं।

संक्षिप्त खबरें

पलिया नगर में बेलगाम रफ्तार का कहर

छात्र की बाइक ने मारी जोरदार टक्कर, सड़क पर मचा हड़कंप

पलियाकलां-खीरी। नगर के दुधवा रोड स्थित सीओ कार्यालय के पास सोमवार दोपहर तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। तेज रफ्तार में बाइक दौड़ाते हुए एक छात्र ने सड़क किनारे खड़े बाइक सवार सुखविन्दर सिंह को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अजीतनगर निवासी सुखविन्दर सिंह घायल हो गए। उनके कई गुम चोटें आई, जबकि उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद जब सुखविन्दर एवं मौके पर मौजूद लोगों ने छात्र को समझाने का प्रयास किया, तो वह अपनी गलती स्वीकार करने की वजाय उल्टा विवाद पर उतर आया। देखते-ही-देखते उसके कुछ अन्य साथी भी मौके पर पहुंच गए और झगड़ा करने का प्रयास करने लगे। राहगीरों ने किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल छुट्टी के समय रोजाना सड़कों पर ऐसी ही अव्यवस्थाएं देखने को मिलती हैं। स्कूली छात्र बिना हेलमेट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना नियंत्रण और नियमों को ताक पर रखकर बाइकें दौड़ाते हैं। न आगे का ध्यान, न पीछे की परवाह। जैसे मन आए, वैसी खतरनाक रफ्तार। कई छात्र तो स्कूल से बाहर निकलते ही बुलेट से पटाखे जैसी तेज आवाजें निकालते हुए सड़कों पर स्टंट करते हैं, जिससे आमजन में दहशत का माहौल रहता है। लोगों ने बताया कि इस संबंध में कई बार स्थानीय पुलिस को अवगत भी कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। परिणामस्वरूप, रोजाना इसी तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं और सड़कें हादसों का केंद्र बनती जा रही हैं। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस प्रशासन ने समय रहते अभियान चलाकर ऐसे स्टंटबाज व मनचले चालकों पर कार्रवाई शुरू नहीं की, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा सामने आ सकता है। फिलहाल घायल सुखविन्दर सिंह ने अस्पताल पहुंचकर अपना उपचार कराया। स्थानीय लोग सुरक्षा के लिए सख्त पुलिस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सरकारी सेमल के पेड़ों पर ठेकेदार की नजर, श्रीनगर बंधा के पास कटान का आरोप गंभीर

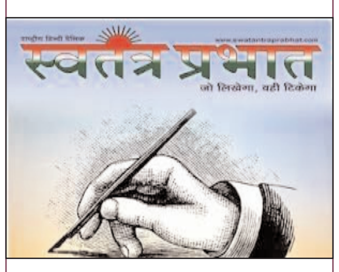

लखीमपुर खीरी। दक्षिण खीरी वन प्रभाग की शारदा नगर रेंज के फूलबेहड़ बीट अंतर्गत श्रीनगर बंधा के पास सरकारी सेमल के पेड़ों का अवैध कटान का मामला सामने आया है। क्षेत्र में वन संपदा की सुरक्षा को लेकर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं, वहीं अब सरकारी पेड़ों के चोरी से काटे जाने की घटना ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, श्रीनगर बंधा के किनारे लगे सरकारी सेमल के कई पेड़ ठेकेदार जौवाद द्वारा चोरी-छिपे कटवा दिए गए। बताया जा रहा है कि कटे हुए इन पेड़ों को भारी मात्रा में विक्रम नाम के व्यक्ति को बेच दिया गया। पेड़ों की रातों-रात हुई इस अवैध कटान से आसपास के ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की लापरवाही के चलते क्षेत्र में पेड़ों की चोरी लगातार बढ़ रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय मौन बने हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना की जानकारी देने के बावजूद भी मौके पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। सेमल के बड़े-बड़े पेड़ों को मशीनों से काटकर ट्रैक्टर पर लादकर ले जाया गया, लेकिन इसकी भनक तक वन विभाग को नहीं लगी। यह स्थिति विभाग की निगरानी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। ग्रामवासियों ने मांग की है कि ठेकेदार और कटान में शामिल सभी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, साथ ही सरकारी पेड़ों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो वन संपदा को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इस पूरे प्रकरण पर अब वन विभाग की प्रतिक्रिया और आगे की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

वाह रे मैलानी पुलिस दलित विधवा महिला को गुमराह करने मे महारथ हासिल प्रभारी निरीक्षक मैलानी

● न्याय दिलाने के नाम पर तीन दिनो तक रोजाना सुबह थाना बुलाकर शाम तक जमीन पर बैठाये रखने और शाम.को भगा देने से दलित महिलाओ मे आक्रोश

सरकार के नारी सशक्तीकरण की हवा निकालकर सरकार के ताबूत मे आखिरी कील साबित हो रही मैलानी पुलिस

जाति विशेष लोगो मे फैल रहा जनाक्रोश डी.जी.पी तथा मुख्यमंत्री से शिकायत कर लखन ऊ मे धरना प्रदर्शन की तैयारी मे महिलायें

कार्रवाई होने तक लखनऊ मे धरना जारी रखने की दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। थाना मैलानी सहित इसके अंर्तगत आने वाली पुलिस चौकी कुकुरा के चौकी इचार्ज पर अधेड दलित महिला शोभावती व ऊषा देवी ने मां बहन की गंदी गंदी गाली देने तथा आरोपियो से लेनदेन कर लेने के गंभीर आरोप लगाये हैं।पुलिस के इस व्हार से जाति विशेष की महिलाओ मे भारी आक्रोश व्याप्त है। सभी सजातीय दर्जनो महिलाये एकजुट होकर लखन ऊ मुख्यमंत्री के जनता दरबार जाने की तैयारी मे हैं। पीडिता ऊषा देवी और शोभावती के बतायेनुसार चौकी प्रभारी और एस.एच.ओ. मैलानी ने आरोपियो से लेनदेन करके उसे तीन दिनो तक थाना बुलाकर सारा दिन बैठाये रखा जाता रहा और अंत मे भददी भददी गालियां देकर भगा दिया जाता रहा।वही पीडिता शोभावती नेभी चौकी प्रभारी कुकुरा पर मां बहन की गाली देने के आरोप लगाते हुये मामले की मुख्यमंत्री से शिकायत करने की बात कही है।पीडिता का आरोपहै कि आरोपियो से हुये लेनदेन के चलते आरोपी को लाकर कुर्सी पर बैठाया गया और काफी आवभगत की जाती रही । वही पीडिता ऊषा देवी को गुमराह और हडकाया धमकाया जाता रहा। यहां तक पीडिता से उसके चारो बच्चो की कसम तक चौकी प्रभारी ने एकबार नही दो दो बार खिलवाई।और बाद मे आरोपी को थाने से छोड दिया गया। न्याय मिलने तक लखन ऊ के धरना स्थल पर धरना रखने की बात करते हुये पूरे प्रकरण से मुख्यमंत्री को अवगत कराने की बात कही है। पीडिता ने यह भी बताया है कि वह सी.एम.के सामने चौकी क्षेत्र मे हो रहे गैर कानूनी कार्यो के साक्ष्यो सहित शिकायत करके इस पर रोक न लगाने वाले चौकी प्रभारी व थाना प्रभारी की जांच कराये जाने की मांग किये जाने की बात कही है।

शान्तिभंग करने बाले चार अभियक्तो को हैदराबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 01.12.2025 को शान्ति व्यवस्था भंग करना वाले 04 नफर अभि0गण 1.बनवारी लाल पुत्र श्रीकृष्ण उम्र करीब 47 वर्ष 2.जितेन्द्र कुमार पुत्र बनवारी लाल उम्र करीब 25 वर्ष निवासीगण ग्राम सकेथू थाना हैदराबाद जिला खीरी 3. रजनीश कुमार पुत्र देवदत्त शुक्ला उम्र करीब 38 वर्ष 4. अनूप शुक्ला पुत्र देवदत्त शुक्ला उम्र करीब 40 वर्ष निवासी गण ग्राम इमलिया अजान थाना हैदराबाद जिला खीरी को अन्तर्गत धारा 170/126/135 में गिरफ्तार कर वास्ते विधिक कार्यवाही हेतु मा0 न्यायालय गोला के समक्ष भेजा गया। अशोक कुमार चौकी इंचार्ज अजान अशोक कुमार व आरक्षी राजू वर्मा धर्मेन्द्र वर्मा, सुरेश कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नवागत थाना प्रभारी ने पत्रकारों संग की परिचयात्मक बैठक, अपराध नियंत्रण को बताया पहली प्राथमिकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर/नीमगांव। 30 नवंबर नीमगांव थाना परिसर में आज नवागत थाना प्रभारी प्रवीर गौतम ने स्थानीय पत्रकारों के साथ परिचयात्मक बैठक कर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की अपनी कार्ययोजना साझा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र की शांति-व्यवस्था बनाए रखना और बढ़ते अपराधों पर कड़ा अंकुश लगाना उनकी सबसे पहली प्राथमिकता है।

बैठक के मुख्य बिंदु

अपराध पर प्रभावी नियंत्रण थाना प्रभारी ने कहा कि इलाके में अपराध की प्रवृत्तियों का गहन विश्लेषण किया जाएगा तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित और सशक्त पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा - 'युवाओं को अपराध के रास्ते से दूर रखने के लिए जागरूकता और कड़ी निगरानी दोनों जरूरी हैं,'

पत्रकारों से सहयोग की अपील-

नवागत थाना प्रभारी ने कहा कि स्थानीय मीडिया और पुलिस मिलकर अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा - 'पारदर्शिता और समयबद्ध सूचना साझेदारी से अपराध रोकथाम और अधिक प्रभावी होगी,' थाना प्रभारी प्रवीर गौतम ने कहा 'मेरी प्राथमिकता क्षेत्र में सुरक्षा की मजबूत भावना कायम करना और नागरिकों का भरोसा जीतना है। थाने की संरचनात्मक खामियों को नोट किया गया है उन्हें दुरुस्त कर जनता को तेज़, संवेदनशील और भरोसेमंद पुलिस सेवा दी जाएगी। 'स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने नए थाना प्रभारी की कार्यशैली और पहल का स्वागत किया है तथा उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में शांति-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के मामले में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

सुबह की रोस्टिंग से परेशान व्यापारी पहुंचे तहसील

● एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, एसडीएम ने समस्या का समाधान कराने का दिया आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलियाकलां-खीरी। नगर में प्रतिदिन होने वाली सुबह की विद्युत रोस्टिंग से परेशान व्यापारियों व आम जनता ने आवाज बुलंद की। व्यापार मण्डल अध्यक्ष गौरव गुप्ता की अगुवाई में व्यापार मण्डल के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में व्यापारी पलिया तहसील पहुंचे और एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार को ज्ञापन सौंपकर रोस्टिंग समय बदलने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि विद्युत विभाग द्वारा सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक की जा रही नियमित रोस्टिंग से बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। वहीं जल्द ही परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं, ऐसे में सुबह के समय बिजली न होने से विद्यार्थियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों ने यह भी बताया कि घरेलू कामकाज में महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। बिजली कटौती के कारण पानी की सप्लाई बाधित हो जाती है, जिससे बच्चों को समय से तैयार कर स्कूल भेजना मुश्किल हो जाता है। व्यापार मण्डल ने मांग की कि सुबह की रोस्टिंग को दोपहर या दोपहर बाद के समय में शिफ्ट किया जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कार्य प्रभावित न हों।

व्यापारियों ने इसे व्यापक जनहित से जुड़ा मुद्दा बताते हुए एसडीएम से आवश्यक निर्देश जारी कराने की अपील की। एसडीएम ने ज्ञापन लेकर मामले की जांच व उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लखनऊ में सीएम योगी का 'जनता दर्शन', आमजन से सीधा संवाद, समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में 'जनता दर्शन' के दौरान जन शिकायतों और चिंताओं का समाधान किया। इस अवसर पर उन्होंने जिले के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुना। जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने नागरिकों द्वारा प्रस्तुत लिखित आवेदनों की समीक्षा की और उन्हें समय पर सहायता और समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद बच्चों से भी गर्मजोशी से बातचीत की, उनकी चिंताओं का समाधान किया और उन्हें सामुदायिक विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

चौकी प्रभारी कुकरा पर पीडित ने लगाये आरोपी से लेनदेन के गंभीर आरोप

● महिलाओ को अश्लील गालियां,और जबरन बलपूर्वक हस्ताक्षर कराकर शिकायतो का फर्जी निस्तारण किये जाने के लगाये जा रहे आरोप

न्यायालय मे वाद लंबित होने के बावजूद अधेड महिला के मकान पर कब्जा कराने मे जुटे चौकी प्रभारी कुकुरा -पीडिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मामला जनपद खीरी के थाना मैलानी की चौकी कुकरा का है जहां पर शासन प्रशासन के आदेशों को ताक पर रखकर साहब की मनमानी का डंका बजने का मामला प्रकाश में आया है ।साहब के रसूख के आगे न्यायालय और सरकार के महिला उत्पीड़न पर रोक लगाए जाने के आदेश कोई मायने नही रखते हैं शायद । शासन और मानवाधिकार आयोग के आदेशो को ताक पर रखकर महिला को सिपाहियों से जबरन घसीटवा कर बलपूर्वक आइजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत में अंगूठा लगवा कर फर्जी निस्तारण आख्या प्रेषित किए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। यह पहला मौका नहीं है अभी हाल ही में ठगी का शिकार हुई महिला उषा देवी ने थाना मैलानी और चौकी कुकरा में नामजद आरोपी के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। लेकिन साहब ने एक न सुनी और पीड़िता को न्याय दिलाए जाने की बजाय पुलिसिया सम्मान सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए चौकी से भगा दिया गया। उक्त आरोप पीड़िता द्वारा चौकी इंचार्ज पर लगाते हुए जब मामले में पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई और सीएम पोर्टल पर शिकायत की गई तो उससे साहब का पारा सातवें आसमान पर आ गया और पीडिता को चौकी बुलाकर काफी खरी खोटी व जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए फोटो खींच ली गई और फर्जी निस्तारण कर दिया गया।पीडिता के अनुसार चौकी प्रभारी कुकरा द्वारा एलानिया कहा गया जितनी एप्लीकेशन जहां चाहो दो आपका पैसा नहीं मिलेगा जब तक मैं चौकी में हूं ।इतना ही नही चार बार कसम खिलाई चारों लड़कों की गवाहों की गवाही भी ली गई और बाद में विपक्षी से मोटी रकम लेकर उसको चौकी से छोड़ दिया गया ।यह आलम चौकी प्रभारी कुकरा का बताया जाता है।चौकी प्रभारी के इस तरह के व्यवहार से खिन्न पीडिता ने पुनः पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुये मुकदमा पंजीकृत कराये जाने की मांग की है। अब देखना है कि आखिर कब तक साहब अपना ईमान बेंचते रहेंगे।या फिर जागेगी मानवता और लिखा जायेगा मुकदमा।

ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के विरोध में ग्राम पंचायत ग्राम विकास का विभाग का विरोध

बरेली/ शासन द्वारा ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए शासन द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है इसके विरोध में विकासखंड भदपुरा के संयुक्त रूप से 5 दिसंबर को सांकेतिक सत्याग्रह आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है जिसका बैनर ब्लॉक मुख्यालय कार्यालय गेट पर लगा दिया गया है इसके साथ ही विभाग के लोगों ने मूल कार्य को छोड़कर अन्य कार्य करवाए जाने का भी विरोध किया जा रहा है जिसको लेकर नरेश सागर पुष्पेंद्र सिंह संगीता अमित कुमार आदि ने विरोध करते हुए विकासखंड मुख्यालय के गेट पर अपना बैनर लगाकर चेतावनी दी है वह 5 दिसंबर को ब्लॉक मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर विरोध प्रकट करेंगे।

मनोना धाम जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर पलटी, कई यात्री घायल, रातभर अफरा-तफरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहम्मदी-खीरी। मनोना धाम दर्शन के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस देर रात दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ग्राम मछेछा के पास अचानक अनियंत्रित हुई बस सड़क किनारे पलट गई, जिससे बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। देर रात हुए इस हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, हादसा बीती देर रात करीब एक बजे हुआ। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को मोहम्मदी सीएससी पहुंचाया गया। चिकित्सकों की टीम ने सभी घायलों का उपचार शुरू कर दिया है। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, कुछ यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं, हालांकि सभी की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बस मोहम्मदी से मनोना धाम के लिए निकली थी। अभी हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अचानक बस का संतुलन बिगड़ा और वह सड़क किनारे पलट गई। रात के समय कम ट्रैफिक होने के कारण बड़ा हादसा टल गया, वरना स्थिति और गंभीर हो सकती थी। उधर, स्थानीय पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मौके का निरीक्षण किया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने बस चालक और यात्रियों से भी पूछताछ की है। बता दें कि मनोना धाम के लिए रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और प्रशासन घायलों के उचित उपचार की व्यवस्था में जुटा हुआ है।

हाल ए विकास खंड बिजुआ: ग्राम पंचायत मूडा बुर्जग मे भारी भ्रष्टाचार के आरोप

● नल रिबोर एवं मरम्मत के नाम पर लाखो के बजट का व्आरा न्यारा फिर भी नल की हालत जस की तस

स्ट्रीट ला ईट खरीद एवं साफ सफाई के नाम तथा दवा का छिडकाव कराये बगैर ही लाखो का बजट निकलकर हजम कर लिये जाने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। भले ही जिले के तेज तर्रार और ईमानदार छवि के सी.डी.ओ. खीरी विकास कार्यो मे लापरवाही व भ्रष्टाचार पर काफी सख्त दिखाई पड रहेहो और ताबडतोड आकस्मिक निरीक्षण कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही कर रहे हो पर इसका असर ब्लाक बिजु आ मे पडता नजर नही आ रहा है। सूत्र बताते हैंकि उत्तर प्रदेश सरकार व सी.डी.ओ.के लाख प्रयासो के बावजूद भी विकास खंड बिजुआ मे भ्रष्टाचार की जडें गहरी होती जा रही हैं।जिसका जीता जागता उदाहरण ग्राम पंचायत मूडा बुर्जुग मे विकास के नाम पर कागजो पर काम दिखाकर सरकारी धन के बंदरबाट किये जाने के मामले को देखकर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकताहै।इस पर रोक लगा पाने मे खंड विकास अधिकारी बिजु आ पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहे हैं।सूत्रो के बतायेनुसार विकासखंड विजवा के ग्राम पंचायत मूल बुजुर्ग में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिल भगत के चलते कागजों पर काम दिखाकर लाखो का घोटाला किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा प्रधान व पंचायत सचिव पर आरोप लगाया है कि कागजों पर नल रिबोर और मरम्मत कराए जाने के नाम पर लाखों का बजट निकालकर बंदर बांट कर लिया गया है जबकि हकीकत के जमीन पर नलों की रिबोर व मरम्मत कार्य नाम मात्र का कराया गया है वहीं ग्रामीण राधेश्याम का आरोप है की स्ट्रीट लाइट खरीद और गांव में साफ सफाई तथा दवा छिड़काव कराये बगैर ही कागजों पर साफ सफाई एवं दवा छिड़काव तथा फर्जी बिल वाउचर लगाकर सरकारी धन निकालकर बंदरबांट कर लिए जाने के गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। ग्रामीणों के आरोप को सत्य माने तो ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव सहित रोजगार सेवक की टिकणी ने जमकर फर्जी हाजिरी लगाकर लाखों का घोटाला मनरेगा योजना सहित किया गया है। लोगों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में कभी भी दवा का छिड़काव नहीं कराया गया है और ना ही साफ सफाई ही कराई गई है लेकिन लाखों का भुगतान फर्जी बिल वाउचर लगाकर निकल गया है वहीं स्ट्रीट लाइट में भी भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाया जा रहे हैं सूत्र बताते हैं कि स्टीट लाईटे मानक विपरीत निम्न गुणवत्ता वाली बाजार मूल्य से अधिक की दर पर क्रय की गई है जो भ्रष्टाचार की पोल खोलने को काफी है अधिकांश स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हैं और कई नल खराब पड़े हैं कागजों पर सब कुछ ठीक दिखा कर सरकारी धन का गवन किया गया है ।यदि जिला अधिकारी खीरी करायें मामले की निष्पक्ष जांच तो लाखों का होगा भ्रष्टाचार उजागर उपरोक्त मामलों की यदि जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तो जांच में एक बड़े फर्जीवाडे और लाखों के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होना तय होगा ।

अमेठी में घर में विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

अमेठी। जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर में सोमवार को एक विवाहिता का शव घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक दुर्गापुर थाना पीपरपुर निवासी सपना (25) का शव आज घर के अंदर फंदे से लटकता मिला। सपना की शादी को दो साल हो गए हैं। पीपरपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीराम पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया दिया गया है। उन्होंने बताया कि साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल सकेगा।

सीएचसी में आयोजित हुई गोष्ठी, सही जवाब देने वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलियाकलां-खीरी। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सोमवार को नगर में 'परियोजना चित्रांशु समाज कल्याण परिषद' की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता रैली एवं गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीएचसी अधीक्षक डॉ भारत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में शामिल लोगों ने एचआईवी/एड्स से बचाव के संदेशों वाले नारे बुलंद करते हुए जनता को जागरूक किया। रैली के उपरांत सीएचसी परिसर में आयोजित गोष्ठी में इंचार्ज डॉ भारत सिंह ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को एचआईवी/एड्स एवं टीबी के लक्षण, उपचार व बचाव संबंधी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जागरूकता ही इस बीमारी से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है। गोष्ठी के दौरान एड्स से जुड़े सवाल छात्रों से पूछे गए। सही जवाब देने वाले छात्र-छात्राओं को मंच से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके साथ ही बलदेव वैदिक इंटर कॉलेज के अध्यापक व छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। जागरूकता रैली व गोष्ठी के सफल आयोजन की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। कार्यक्रम में अंकित दीक्षित, परियोजना प्रबंधक जितेन्द्र सिंह, शालिनी मिश्रा, आकाश दीप शर्मा, डॉ. अंशुल शुक्ला, निधि, सचिन शर्मा, सागर नाग, अनामिका, लवकुश, लक्ष्मी, साहिल, आलोक, किरण एवं बालकुमारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे

पलिया से पूर्व विधायक के पुत्र की रहस्यमयी गिरफ्तारी

● परिवार में हड़कंप–क्षेत्र में चर्चा का विषय बना मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलियाकलां-खीरी। तहसील के थाना सम्पूर्णानगर क्षेत्र के ग्राम त्रिकौलिया में भूतपूर्व विधायक स्वर्गीय निरवेन्द्र कुमार 'मुन्ना' लगातार तीन बार निर्दलीय विधायक रह चुके हैं। निरवेन्द्र कुमार मुन्ना के सुपुत्र संजीव कुमार मुन्ना की अचानक हुई गिरफ्तारी ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। 29 नवम्बर शनिवार की सुबह करीब 12:30 बजे पलिया नगर से बाहरी पुलिस ने भारी पुलिस बल व दो गाड़ी पीएसी बल के साथ उन्हें हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी की कार्रवाई इतनी तेज और गोपनीय तरीके से की गई कि स्थानीय पुलिस को भी इसकी भनक देर से लग सकी। अचानक हुई इस कार्रवाई से मुन्ना परिवार सकते में आ गया है। परिवारीजनों का कहना है कि उन्हें अब तक किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है कि संजीव कुमार मुन्ना को आखिर किस आरोप में और कौन सी एजेंसी हिरासत में ले गई है। परिजनों के मुताबिक पुलिस ने न कोई नोटिस दिया, न ही किसी मुकदमे की जानकारी साझा की। ग्राम त्रिकौलिया से लेकर पलिया तक यह गिरफ्तारी चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई है। क्षेत्रवासियों में इस बात को लेकर गहरा रोष और सवाल हैं कि अचानक इतनी भारी सुरक्षा के बीच कार्रवाई क्यों की गई और गिरफ्तारी का कारण क्या है। ग्रामीणों का कहना है कि संजीव मुन्ना का व्यक्तिगत और राजनीतिक क्षेत्र में अच्छा प्रभाव रहा है, ऐसे में बिना किसी स्पष्ट कारण के हुई यह कार्रवाई कई तरह के सवाल खड़े कर रही है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए जाने के बाद संजीव कुमार मुन्ना को पुलिस टीम अपने साथ किसी अज्ञात स्थान के लिए रवाना हो गई। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि इस गिरफ्तारी के पीछे की सच्चाई और कानूनी कारणों को जल्द सार्वजनिक किया जाए, ताकि फैली हुई अफवाहों पर विराम लगे। फिलहाल संजीव कुमार मुन्ना की गिरफ्तारी का रहस्य गहराता जा रहा है और पूरा क्षेत्र इस मामले में अधिकारियों की स्पष्ट प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। बता दें कि संजीव कुमार मुन्ना अपने गांव त्रिकौलिया से जब पलिया? गये थे, तब उनकी पत्नी शीतल मिश्रा भी साथ गयी थीं और जब उनकी गिरफ्तारी हुई, उस समय वो पलिया की मार्केट में गयी हुई थीं।

सावधान! गेहूं के आटे में मिलाया जा रहा 'सफेद जहर', स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाउडर मिलने से हड़कंप; फैक्ट्री सीज

फिरोजाबाद। गेहूं के आटे में सफेद पाउडर (सेलखड़ी) की मिलावट का मामला सामने आने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय हो गया है। शनिवार को औद्योगिक क्षेत्र में ब्रह्मलाल ट्रेडर्स सीज करने के बाद अन्य सभी आटा फैक्ट्रियों की जांच की योजना बनाई गई है। वहीं दूसरे जिलों से भी घटिया आटा आने की जानकारी मिली है। इसकी भी जांच कराई जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार को औद्योगिक क्षेत्र में सीज की थी फैक्ट्री

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शनिवार शाम ब्रह्मलाल ट्रेडर्स पर छापेमारी की तो वहां आटे और गेहूं के साथ सात बोरी सफेद पाउडर मिला। वह क्या है और फैक्ट्री में उसका क्या उपयोग हो रहा था इसका मौके पर मिले फैक्ट्री स्वामी संजय गुप्ता निवासी सुहाग नगर सेक्टर एक संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। जिससे ये माना जा रहा है कि इसे खराब गुणवत्ता के गेहूं के आटे में सफेदी लाने के लिए मिलाया जाता है, जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। बाजार में चर्चा है कि जिले की कुछ अन्य आटा फैक्ट्रियों में भी इस तरह की मिलावट की जाती है। वहीं इटावा, जसवंत नगर, मैनपुरी और एटा से भी घटिया गुणवत्ता का आटा आता है।

संक्षिप्त खबरें

4 मिनट 41 सेकेंड में पहुंच रही भदोही पुलिस

नवम्बर की रैंकिंग में जोन में प्रथम व प्रदेश में पाँचवा स्थान

भदोही। आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता पहुंचाने की दिशा में भदोही पुलिस ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में यूपी 112 की जनपदीय टीम का रिस्पांस टाइम लगातार बेहतर होता जा रहा है। माह नवंबर 2025 की रैंकिंग में भदोही की पीआरवी टीम ने जोन स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, प्रदेश स्तर पर भी भदोही यूपी 112 ने पांचवां स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यूपी 112 पर आने वाली सूचनाओं पर भदोही की पीआरवी औसतन 4 मिनट 41 सेकेंड में घटनास्थल पर पहुंच रही है, जिससे पीड़ितों को तुरंत सुरक्षा और सहायता मिल रही है। यह त्वरित रिस्पांस जिले में सक्रिय, संवेदनशील और तत्पर पुलिसिंग का मजबूत संकेत है। एसपी भदोही ने बताया कि रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने के लिए टीम को लगातार निर्देशित किया जा रहा है। आपातकालीन कॉल मिलने पर तत्काल रवाना होना, रूट प्लानिंग, वाहन तत्परता और निरंतर मॉनिटरिंग को प्राथमिकता दी जा रही है। पुलिस की ओर से अपील की गई है कि किसी भी आपात स्थिति अपराध, दुर्घटना, चोरी, मारपीट या महिला सुरक्षा में बिना देर किए 112 पर कॉल करें। पुलिस आपकी सहायता के लिए तुरंत पहुंचेगी।

भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग ने भक्तों को किया भाव-विभोर

सुरियावां। क्षेत्र के भोरी गांव में जारी सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के छठे दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कथावाचक संतोष जी महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी और मधुर शैली से श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह का अनुपम प्रसंग सुनाया, जिसे सुन श्रद्धालु भक्ति-रस में पूरी तरह डूब गए। महाराज जी ने रुक्मणी के श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम, संदेश, रुक्मणी हरण और भव्य विवाह का मनोहारी वर्णन किया। कथा के दौरान स्वयंवर का प्रसंग जैसे ही सुनाया गया, पूरा पंडाल 'राधे-कृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। कथावाचक संतोष जी महाराज ने कथा के बीच संदेश देते हुए कहा कि 'श्रीमद्भागवत कथा श्रवण मात्र से ही जन्म-जन्मों के पाप कट जाते हैं। यह कथा जीवन को शुद्ध, पवित्र और शांतिमय बनाने वाली दिव्य धारा है। जो भी व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति भाव से कथा सुनता है, उसके जीवन में भगवान स्वतः मार्ग प्रशस्त करते हैं। 'महाराज जी ने बताया कि भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि संस्कार, प्रेम, ज्ञान और जीवन मूल्यों का भंडार है, जिसे सुन मानव जीवन धन्य हो जाता है। कथा के दौरान प्रस्तुत भजन, कीर्तन और संगीत ने वातावरण को पूर्णतः आध्यात्मिक बना दिया। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी कथा में तल्लीन होकर आनंदित होते रहे। आयोजकों ने बताया कि प्रतिदिन बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ इस कथा की लोकप्रियता और महाराज जी की वाणी का प्रमाण है।

दस लाख के हेरोइन के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

चुनार मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अदलपुरा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कुमार सन्तोष मय पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना मिली कि मेड़िया तिराहे से तीन हेरोइन तस्कर चार पहिया वाहन से वाराणसी के तरफ जाने वाले हैं । पुलिस द्वारा तत्परता से गाड़ी रोककर जांच कि गयी तो उसमें तीन हेरोइन तस्करों को 38 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ लिया गया। पुछताछ करने पर तीनों अभियुक्तों ने बताया कि हम लोग हेरोइन को सस्ते दामों में खरीद कर घुम घुम कर फुटकर विक्री करते हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए हेरोइन की कीमत लगभग दस लाख है। पकड़े गए अभियुक्त अरूण पुत्र शिव लाल ,बबलू पुत्र कामेश्वर ,अरबिंदो निवासी रेनू सागर ककरी मोड अनपरा सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर माननीय न्यायालय को भेज दिया।

मझगवां में राष्ट्र उदय पार्टी का महासम्मेलन, हजारों की भीड़ उमड़ी

भदोही। डीघ ब्लॉक के मझगवां में राष्ट्र उदय पार्टी का महासम्मेलन भव्य रूप से संपन्न हुआ, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय नेता बाबूराम पाल ने सर्व समाज के विकास और संगठन विस्तार पर जोर दिया। समारोह में प्रदेश अध्यक्ष राम आसरे, बिरहा गायक भैयालाल पाल और जिला उपाध्यक्ष शारदा प्रसाद पाल मुख्य अतिथि रहे। मंच संचालन एडवोकेट कृष्णा देव पाल ने किया।

गड़बड़ा धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला का दर्शन पूजन हुए निहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मिर्जापुर। क्षेत्र के विध्यकैमूर के आंचल में सुप्रसिद्ध गड़बड़ा धाम में अगहन शुक्ल पक्ष के सोमवार को लगे शहरहवा मेले में भोर की मंगला आरती के बाद से देर शाम तक आस्था का जनसैलाब उमड़ता रहा।देर शाम तक डेढ़ लाख से भी अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला देवी का दर्शन पूजन किया ।श्रद्धालुओं ने सेवटी नदी में स्नान करने के बाद नारियल, चुनरी, माला-प्रसाद और हलवा-पूड़ी लेकर जयकारों के साथ कतारबद्ध होकर मां शीतला के चरणों में मत्था टेका। दूर-दराज से पहुंचे लोगों को रविवार रात स्थानीय प्रशासन द्वारा अस्थाई रैन बसेरा उपलब्ध न कराए जाने के कारण पेड़ों की छांव में तंबू और कनात लगाकर रात्रि बितानी पड़ी। सोमवार को बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली तथा प्रयागराज, सोनभद्र, भदोही, वाराणसी सहित अनेक जिलों से श्रद्धालुओं का निरंतर तांता लगा रहा। भीड़ नियंत्रण के लिए गड़बड़ा हनुमान मंदिर के पास, सेमरा रोड और अमदह मार्ग पर बैरियर लगाकर वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। मंदिर परिसर में खोया-पाया केंद्र पर 25 विछुडो को परिजनों से मिलाया गया । मेला क्षेत्र में माला-प्रसाद, चुनरी, श्रृंगार सामग्री तथा खिलौनों की दुकानों पर लगातार भीड़ जुटी रही। बच्चों ने सर्कस और झूलों का भरपूर आनंद लिया, जबकि दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने मेले की प्रसिद्ध बांस की टोकरी, लकड़ी की मथानी और लाई-ढूंढे की जमकर खरीदारी की। सुरक्षा व्यवस्था में मेला प्रभारी श्याम लाल, लालगंज इंस्पेक्टर अभय कुमार सिंह, ड्रमंडगंज थाना प्रभारी ब्रह्मदीन पांडेय तथा जिले के अन्य थानों से 88 उपनिरीक्षक, कांस्टेबल महिला कांस्टेबल के अलावा 2 सेक्शन पीएसी, 3 बैरियर लगाया गया है शांम से मेला क्षेत्र में तीन स्थान पर अलाव रखा गया था लेकिन हरी लडकी के कारण जल नहीं पाया। मंदिर प्रबंधक प्रकाशचंद शुक्ल, सुभाष शुक्ल, ज्ञान चंद शुक्ल सीसीटीवी कैमरे से निगरानी करते रहे। मंदिर पुजारी रामाश्रय मिश्रा, मंगलधारी मिश्रा, रजनीश पांडे, प्रिंस पांडे, नितिन मिश्रा श्रद्धालुओं को माता रानी का दर्शन कराने में लगे रहे। लालगंज तहसीलदार दीक्षा पांडे,सीओ अशोक कुमार सिंह मेले में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बताया कि भोर 4 बजे से देर शाम तक लगभग डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला देवी का दर्शन पूजन किया है।

सीतामढ़ी चौकी का एसपी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

● व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा सोमवार को थाना कोइरौना क्षेत्र अंतर्गत सीतामढ़ी पुलिस चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने चौकी परिसर की सभी व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया और कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। एसपी ने सबसे पहले चौकी में रखे रजिस्टरों एवं अभिलेखों के रख-रखाव, एन्ट्री के स्तर तथा दस्तावेजों की सही मेंटेनेंस की जांच की। उन्होंने संबंधित पुलिस कर्मियों को अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी शिकायत या जांच के समय सूचना उपलब्ध कराने में विलंब न हो। चौकी के पीए सिस्टम को दुरुस्त करने, फ्लेक्सी बोर्ड को अपडेट कराने तथा पूरे चौकी परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर करने पर विशेष जोर दिया। एसपी ने कहा कि चौकी परिसर का वातावरण स्वच्छ और व्यवस्थित होना चाहिए, जिससे आमजन में पुलिस के प्रति सकारात्मक संदेश जाए। इसके साथ ही उन्होंने सीतामढ़ी मंदिर परिसर का भी निरीक्षण किया और सुरक्षा की दृष्टि से मुख्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरों की लाइव मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने हेतु एक टीवी चौकी में स्थापित किया जाए, ताकि किसी भी गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके। निरीक्षण के दौरान एसपी ने चौकी में तैनात सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्तम टर्नआउट, अनुशासन और समयबद्धता बनाए रखने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जनता के संपर्क में रहने वाले पुलिस कर्मियों का व्यवहार और प्रस्तुति दोनों दुरुस्त होना आवश्यक है।

गृह विज्ञान विभाग में छात्र परिषद का गठन, रचनात्मक प्रतियोगिताओं में दिखी छात्राओं की प्रतिभा

भदोही। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में सोमवार को छात्र परिषद का गठन किया गया। अध्यक्ष पद पर श्रद्धा राय, उपाध्यक्ष पद पर वैष्णवी, सचिव पद पर रागिनी तिवारी तथा उपसचिव पद पर निर्जला यादव सर्वसम्मति से चुनी गई। इसी प्रकार कक्षा प्रतिनिधि के रूप में मुस्कान, गूंजा, अनु गिरी और नीलू का चयन हुआ। परिषद गठन के बाद वॉल हैंगिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें 25 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसमें रागिनी तिवारी प्रथम, संध्या द्वितीय और श्रद्धा तृतीय रहीं। वहीं ग्रीटिंग कार्ड निर्माण प्रतियोगिता में काजल यादव ने प्रथम, खुशबू शर्मा ने द्वितीय, और निर्जला यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. अंशु बाला और डॉ. आकांक्षा कुशवाहा रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मधु ने किया तथा संपूर्ण आयोजन डॉ. जान्हवी त्रिपाठी और विभाग प्रभारी डॉ. ईरा त्रिपाठी की देखरेख में संपन्न हुआ।

योग प्रशिक्षण कार्यशाला एवं गीता जयन्ती का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर । स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में 'रोग प्रतिरोध क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका' विषय पर मिशन शक्ति फेज 5.0, रोवर्स-रेंजर, रेड रिबन क्लब, भातखंडे कल्चरल कल्ब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर को एक दिवसीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में योग के महत्व, स्वास्थ्य लाभ तथा जीवनशैली में इसके सकारात्मक प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं योग प्रशिक्षक डॉ अभिषेक गुप्ता,जूनियर रिसर्च ऑफिसर आयुर्वेद संकाय,चिकित्सा विज्ञान संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करता है,बल्कि मानसिक संतुलन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 माधवी शुक्ला ने अपने संबोधन में योग को भारतीय ज्ञान-परंपरा का अमूल्य उपहार बताते हुए कहा कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्राचार्य महोदया ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यशाला में योग प्रशिक्षक डॉ अभिषेक गुप्ता द्वारा विभिन्न योग-क्रियाओं, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, धनुरासन, ताड़ासन, श्वास-प्रश्वास तकनीकों तथा मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ शिखा तिवारी, स्वागत डॉ शेफालिका राय, धन्यवाद ज्ञापन डॉ विद्या सिंह ने किया। कार्यशाला में 52 छात्राओं एवं 28 छात्रों ने प्रतिभाग किया। साथ ही श्रीमद्भगवद्गीता जयंती के अवसर पर एक छात्र-संगोष्ठी और गीता श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ माधवी शुक्ला ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गीता एक ग्रंथ नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन है जो युगों-युगों से समस्त विश्व को प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि गीता का अध्ययन हर व्यक्ति को करना चाहिए क्योंकि यह जीवन में संशयों का समाधान करता है।कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता डॉ दीप नारायण ने कहा कि गीता मानव जीवन के हर स्तर पर संतुलन, कर्तव्यनिष्ठा, नैतिकता और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ कुसुम लता ने कहा कि विद्यार्थियों को गीता का सिद्धांत आत्मसात करना चाहिए। फल की इच्छा कर्म के प्रति निष्ठा में बाधक बनती है। श्लोक गायन प्रतियोगिता में संस्कृत विभाग के स्नातक और परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। स्नातक स्तर पर काजल यादव ने प्रथम, नीतू मौर्या ने द्वितीय तथा सुप्रिया ने तृतीय

स्थान प्राप्त किया। स्नातकोत्तर स्तर पर श्लोक गायन प्रतियोगिता में सुमन यादव ने प्रथम, संध्या ने द्वितीय और प्रीति यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ भास्कर प्रसाद द्विवेदी और डॉ नलिनी सिंह रहे। कार्यक्रम का आयोजन देववाणी क्लब और संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का संचालन, संयोजन और धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ भास्कर प्रसाद द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर डॉ अवधेश सिंह यादव, अरविंद कुमार,डॉ सत्येन्द्र कुमार, दीपक कुमार सिंह, डॉ संकठा सोनकर, डॉ शिखा तिवारी, डॉ शैलेन्द्र कुमार, डॉ अदिती सिंह, डॉ विद्या सिंह, डॉ मंजुला शुक्ला और डॉ रमेश चंद्र,धर्म चन्द्र, कमलेश शुक्ला,रामकेश सोनकर, जय प्रकाश सहित समस्त प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इसी क्रम में एम. ए. हिन्दी विभाग की परिषदीय निबंध प्रतियोगिता 'साहित्य और समाज' स्नातकोत्तर स्तर की आयोजित की गई। जिसकी संयोजिका डॉ नलिनी सिंह थीं।

हर वर्ष गड़बड़ा धाम मेले मे होता है छिनैती

दो महिलाओं का कटा मंगल सुत्र

हलिया, मिर्जापुर। गडबडा शीतला धाम में दर्शन पूजन करने आयी दो महिलाओं का सोने का चैन कटने से रो रो कर बुरा हाल हो रहा था मध्यप्रदेश के हनुमान सलयिया निवासी विमता का 1 बजे के करीब 42 हजार का सोने का लाकेट व जिला जौनपुर के जमालपुर पडाव निवासी पूनम जैसवाल डेढ लाख का सोने का मंगल सुत्र कट गया जिसे तहसीलदार दीक्षा पांडेय ने मंदिर प्रबंधक को बुला कर खरी खोटी सुनाते हुए शीशी कैमरे से चेक करने को कहा तीन घंटे बाद शीशी कैमरा संचालित करने वाला आने के बाद तहसील दार की मौजूदगी में शीशी कैमरे को खगाला गया लेकिन कुछ पता नहीं चल सका इसके बाद तहसील दार ने अपना नम्बर देते हुए पीड़ित का नम्बर ले कर मिलने पर सूचना देने की बात कहा है।

बोलेरो सवार 03 अभियुक्त 38 ग्राम हेरोइन(अनुमानित कीमत 7.5 लाख) के साथ गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। सोमेन बर्मा' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः30.11.2025 को उप-निरीक्षक कुमार संतोष मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्रांतर्गत मेडिया तिराहे के पास से बोलेरो सवार 03 अभियुक्तों 1.अरुण पुत्र शिवलाल निवासी रेनू सागर मोड़ ककरी थाना अनपरा जनपद सोनभद्र, 2.बबलू पुत्र कामेश्वर व 3.अरविन्द पुत्र मंगल निवासीगण ककरी मोड़ थाना अनपरा जनपद सोनभद्र को क्रमशः 15 ग्राम, 12

ग्राम व 11 ग्राम हेरोइन (कुल 38 ग्राम हेरोइन अनुमानित कीमत ? 7.5 लाख) के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर मु0अ0सं0-566/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया तथा मौके से बरामद बोलेरो अंकित वाहन संख्याःक्क64स्3747 को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया।

महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस अभियान के अंतर्गत सभी थानों की एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया । कार्यक्रम के दौरान समस्त थानों पर नियुक्त एंटी रोमियो टीम द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही टेंप्लेट भी वितरित किए गए।

रहस्यमय परिस्थितियों में मिला विवाहिता का शव, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज । नगर के पूरे गुलाब नई बस्ती में शनिवार की रात एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। 32 वर्षीय रेखा कौशल का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि मृतका के पति गोपाल कौशल, निवासी वार्ड 12 पूरे गुलाब, ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। इधर, मृतका के मायके पक्ष ने इसे स्पष्ट हत्या करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका के पिता गुलाब चन्द्र कौशल, निवासी चका (थाना उतरांव, प्रयागराज), ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी का विवाह वर्ष 2016 में निमहरा मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि दामाद शराबी और अय्याश प्रवृत्ति का है, जो आए दिन रेखा को मारता-पीटता था। परिजनों का आरोप है कि घटना

की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई, और जब वे बेटी के घर पहुंचे तो रेखा का शव पहले ही पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका था। मृतका के दो छोटे बच्चे युग और चिम्पू ने भी रोते हुए बताया कि बीती रात पिता ने मां को बुरी तरह पीटा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। थानाध्यक्ष शैलेश कुमार राय ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक धाराएं बढ़ाई जाएंगी। यह भी सामने आया है कि आरोपी गोपाल कौशल की यह दूसरी शादी है और पहली पत्नी की हत्या के मामले में वह जेल की सजा भी काट चुका है। घटना से क्षेत्र में आक्रोश और शोक का माहौल है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय औराई में शिक्षक व मार्गदर्शक की भूमिका में नजर आए जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिले के शासकीय आवासीय विद्यालयों की वास्तविक स्थिति जानने और छात्राओं को उपलब्ध शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औराई का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर, कक्षाओं, छात्रावास, भोजनालय और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने छात्राओं से संवाद स्थापित कर पढ़ाई, पाठ्यक्रम, शिक्षकों की उपस्थिति और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बेटियों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और जीवन मूल्यों पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी भोजनालय पहुंचे और निर्धारित मेन्यू के अनुसार परोसे जा रहे भोजन का स्वाद लेकर गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने स्वच्छता, पोषण और भोजन की गुणवत्ता को संतोषजनक पाया। साथ ही छात्राओं से उनकी राय भी जानी और भोजन व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न होने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी शैलेष कुमार कक्षा में पहुंचे और शिक्षक की भूमिका में छात्राओं से पाठ्यक्रम संबंधी प्रश्न पूछे। उन्होंने उनकी प्रतिभा और उत्तरों की सराहना करते हुए शिक्षिकाओं व वार्डेन को छात्राओं की शिक्षा, अनुशासन और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। विद्यालय की साफ-सफाई, रसोईघर, छात्रावास और पुस्तकालय की व्यवस्था से जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया और विद्यालय प्रशासन को बेहतर कार्य जारी रखने हेतु प्रोत्साहित किया। इसके दौरान छात्राओं ने अपनी समस्याएं भी जिलाधिकारी के समक्ष रखीं, जिनके समाधान हेतु उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि कस्तूरबा विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटियों के लिए शिक्षा, सुरक्षा और संसाधनों का मजबूत केंद्र हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि

व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई हो। निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन से छात्राओं के समग्र विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इन विद्यालयों को और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगा, ताकि छात्राएं सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त भविष्य की ओर आगे बढ़ सकें। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय, प्रिंसिपल, शिक्षकगण और अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली को सीडीओ ने दिखाई हरी झंडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जनपद में जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में जिला स्वास्थ्य समिति भदोही द्वारा के.एन.पी.जी. कॉलेज परिसर से एचआईवी/एड्स जागरूकता रैली को सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में कॉलेज के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने 'बाधाएं होंगी दरकिनार एचआईवी और एड्स पर होगा सशक्त प्रहार' जैसे संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने कहा कि एचआईवी केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से जुड़ा विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचआईवी छुआछूत से नहीं फैलता, बल्कि असुरक्षित यौन संपर्क, संक्रमित रक्त, नशीले पदार्थों की सुई साझा करने या माँ से बच्चे में फैल सकता है।

सुरक्षित व्यवहार और समय पर जांच ही इसका सबसे प्रभावी बचाव है। सीडीओ ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा के चलते एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी से एचआईवी को नियंत्रित किया जा सकता है और प्रभावित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। इसलिए यह डरने की नहीं, बल्कि समझने और संभालने की स्थिति है। उन्होंने लोगों से समाज में फैल रही भ्रांतियों, गलतफहमियों और भेदभाव को समाप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति हमारे समर्थन, सम्मान और सहानुभूति के पात्र हैं। विश्व एड्स दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि लड़ाई केवल वायरस से नहीं, बल्कि अज्ञानता और भय से भी है। कार्यक्रम में के.एन.पी.जी. कॉलेज के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं, स्वास्थ्यकर्मी एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

युवती को बहला फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना को0कटरा, जनपद मीरजापुर पर रविवाद को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की पुत्री को बहला-फुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-368/2025 धारा 87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी थाना को0कटरा को अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0कटरा पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए उप-निरीक्षक कृष्णकान्त त्रिपाठी चौकी प्रभारी नटवां मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0कटरा क्षेत्र से नामजद अभियुक्त विशाल सोनकर पुत्र सुरेश सोनकर निवासी पुलिस लाइन गोसाईपुरवां थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

धूमधाम से मनाई गई गीता जयंती विद्यार्थियों ने शंखनाद के साथ नगर में निकाली प्रभात फेरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर। स्थानीय श्रीमती भागीरथी ट्रस्ट आदर्श संस्कृत महाविद्यालय में गीता जयंती हर्सोल्लास के साथ मनाया गया । प्रातः प्राचार्य सहित समस्त अध्यापक एवं छात्रों ने प्रभात फेरी निकाली जिसमें घंटा शंख नाद के साथ गीता के उद्घोष किए गए ।इसके उपरांत भगवान श्री कृष्ण का पूजन मंत्र उच्चारण के साथ विद्यालय परिवार ने प्राचार्य के साथ किया ,तदुपरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीता जयंती के उत्सव पर चुनार नगर पालिका के अध्यक्ष मंसूर अहमद की अध्यक्षता में एवं बरेवां स्थित जानता इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य नंदकिशोर तिवारी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ ।जिसमें निखिल,कान्हा,अर्पित तथा गौरव ने मंगलाचरण किया। स्वागत गान में आदर्श ,अंकित, घनश्याम ,रूपक शशांक शेखर ने स्वागत गान किया।काव्यपाठ में पीयूष, कान्हा तिवारी सचिन पांडे,प्रणव त्रिपाठी, अंकित पाठक मंगलेश मधुर शशांक शेखर,आदर्श ,लकी ,आयुष, अर्पित, शिवम आदि ने काव्य पाठ किया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रमापति त्रिपाठी ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का स्वागत किया। वक्ता के रूप में में अखिलेश पांडे पूर्व प्रवक्ता पीडीएनडी इंटर कॉलेज चुनार ने गीता के महत्व पर प्रकाश डाला। भागवत भ्रमण भागवत के प्रवक्ता कैलाशपति त्रिपाठी ने गीता के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा की गीता एक ऐसा ग्रंथ है जो अपने में स्वयं एक वेद है जो भगवान के मुख से निकला हुआ है। उसी क्रम में लालता सिंह महिला महाविद्यालय अदलहाट के पूर्व प्राचार्य डॉ0कृष्ण बिहारी द्विवेदी ने गीता के गहराइयों का प्रतिपादन किया मुख्य अतिथि नंदकिशोर तिवारी ने गीता के विशिष्टता को छूते हुए कहा कि गीता कर्म कर्म भक्ति ज्ञान की त्रिवेणी संगम के रूप में भगवान कृष्ण ने निमज्जन करके मुक्ति प्रदान करने के लिए यह जन-जन को अर्जुन के माध्यम से प्रदान किया है ।अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि गीता के अनुकरण से ही जनमानस का कल्याण संभव है।अध्यापक गणों में श्रीमती विभा, प्रीति पाठक एवं संचालक श्याम किशोर उपस्थित रहे।उक्त कार्यक्रम में छात्रों ने कृष्ण अर्जुन संवाद का भी मंचन किया जिसमें धृतराष्ट्र के रूप में ज्ञानेश्वर, संजय के रूप में घनश्याम पांडे, अर्जुन के रूप में दुर्गेश तिवारी, कृष्ण के रूप में आयुष उपाध्याय ने अपने अभिनय से सभा को प्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित लोगों ने छात्रों के मंचन का मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उक्त कार्यक्रम में सौरभ पुजारी, बी प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

वन्यजीव प्रतिपालक के नेतृत्व में 32 बीघा वनभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर पौधेरोपण के लिए बोननाली व सुरक्षा खाई का जेसीबी से कराया गया खुदाई

हलिया, मिर्जापुर। हलिया रेंज अंतर्गत परसिया बीट के कम्पार्टमेंट नंबर तीन ग्राम औरा वन क्षेत्र में पूर्व में अतिक्रमण वन भूमि से अतिक्रमण को वन्यजीव प्रतिपालक चुर्क भास्कर प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में हलिया रेंज के कर्मचारियो वन दरोगा सूरज पांडेय, वनरक्षक शीतला बख्श सिंह ब्रह्मदेव पांडेय आदि वनकर्मियों के साथ लगभाग 32 बीघा वन भूमि के अतिक्रमण को खाली कराया गया है जिसमें अबैध रूप से बोई गई गेहूं की फ़सल को बोलडोजर से नष्ट कराते हुए अबैध अतिक्रमण को अतिक्रमण मुक्त करवाते हुए 32 बीघा वन भूमि को बोई गई फ़सल को नष्ट कराकर खाली करवाते हुए वृक्षरोपण 2026 हेतु सुरक्षा खाई व बोनानाली का खुदान कार्य करा दिया गया इस संबंध में वन्यजीव प्रतिपालक चुर्क भास्कर प्रसाद पाण्डेय ने बताया की हलिया रेंज के अंतर्गत परसिया बीट के कम्पार्टमेंट नंबर तीन के औरा गांव के वनभूमि पर किये गए अतिक्रमण को खाली कराकर वनभूमि पर वृक्षारोपण के लिए बोननाली व सुरक्षा खाई की खुदाई जेसीबी मशीन से करा दिया गया है। बताते चले कि इसके पुर्व भाष्कर पांडे हलिया रेंजर रह चुके है उस समय वन क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान लगभग सौ लोगों के विरुद्ध कडी कार्रवाई की थी इसके बाद वन भूमि पर अतिक्रमण करने को दूर कोई जंगल में टगारी कुल्हाड़ी लेकर जाने की जुर्रत नहीं करते थे इसके बाद वन विभाग के जहमत मोल न लेने का कारण अतिक्रमण में इजाफा हुआ है। वन्यजीव प्रतिपालक की इस कार्यवाही से अतिक्रमण कर्ताओं में दहसत है।

संक्षिप्त खबरें

अनियंत्रित कार की चपेट में आने से बाइक सवार अधेड़ की मौत,पत्नी भी गंभीर हालत में

प्रयागराज यमुनानगर। थाना क्षेत्र के प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ।अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा करछना थाना क्षेत्र के भीरपुर इलाके में हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनी थाना अंतर्गत मामा भांजा निवासी दिग्विजय गौड़ (56वर्ष) अपनी पत्नी सुशीला के साथ बाइक से मेजा क्षेत्र के बिगहनी गांव गए थे,वहां रिश्तेदार की हुई मौत पर अंतिम संस्कार में शामिल होना था।टी दोपहर करीब 3:30 बजे दंपति बाइक से घर लौट रहे थे, कि भीरपुर के देवरी कला गांव स्थित एक अस्पताल के पास प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर शहर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मार्ग के बगल बने लोहे के डिवाइडर से पति-पत्नी टकरा गए।इस घटना में दिग्विजय गौड़ की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पत्नी सुशीला देवी गंभीर रूप से घायल हुई। राहगीरों की सूचना पर भीरपुर चौकी इंचार्ज एसएन सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे, और शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया,और घायल महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।उधर हादसे के बाद कार लेकर सवार भाग निकले।चौकी इंचार्ज ने बताया कि कार सवार लोगों का पता लगाया जा रहा है।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली

नैनी ,प्रयागराज। आर0 के0 स्कूल आफ नर्सिंग, नैनी द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर नर्सिंग छात्र-छात्राओं द्वारा एक जागरूकता रैली एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में उपस्थित नर्सिंग प्राचार्या के0एच0 विक्टोरिया देवी ने बताया, कि प्रत्येक वर्ष 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस इसलिए मनाया जाता है, कि एड्स से जुड़ी लोगों में जो भ्रांतियां है दूर हो सके, लोग जागरूक हो सकें और इसके इलाज को कैसे बेहतर बनाया जा सके, इसके लिए एड्स दिवस मनाया जाता है। उप प्राचार्य शुभम कुमार ने छात्राओं को बताया, कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, जिससे सिर्फ जागरूक रहकर ही बचा जा सकता है एच आई वी वाइरस इम्यून सिस्टम को कमजोर बनाकर शरीर में मोजूद सीडी4 सेल्स को खत्म करने का काम करता है। विश्व एड्स दिवस मनाने की शुरुआत 1987 में की गई थी, जो अनवरत जारी है। छात्राओं द्वारा स्लोगन युक्त तख्तियों एवं बैनर के साथ जागरूकता रैली निकाली गई एवं पास के गांव मवैया एवं सड़वा में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को एड्स बीमारी से जागरूक किया गया। केदार नाथ जायसवाल इंटरमीडिएट कालेज नैनी के परिसर में एड्स से बचाव हेतु ए0एन0एम0 एवं जी0एन0एम0 के छात्र-छात्राओं द्वारा नाट्य मंचन किया गया जिसमे बबिता, शिवानी, अनुप्रिया, अटल विकास, विजेन्द्र एवं समस्त प्रतिभागियों ने मंचन किया।उक्त कार्यक्रम में अन्नपूर्णा यादव, साक्षी शुक्ला, वर्षा सिंह, अखिलेश यादव एवं अर्चना यादव के अलावा सैकड़ों की संख्या में नर्सिंग छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

विद्युत की आवाजाही से उपभोक्ता परेशान

नैनी,प्रयागराज। टी.एस.एल पावर हाउस से जुडे दर्जनों मोहल्ले में विद्युत की आवाजाही से उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। और जिम्मेदार अधिकारी बेपरवाह बने हुए हैं। बताया जाता है, कि टी.एस.एल पावर हाउस के द्वारा क्षेत्र के विनोबा नगर, त्रिवेणी नगर, मुक्ता बिहार, ए.डी.ए कॉलोनी, नई बाजार, नैनी गांव, मिर्जापुर रोड, संजय नगर, आनंद नगर समेत दर्जनों मोहल्ले में बिजली की सप्लाई की जाती है। बताते हैं, कि सुबह से शाम तक इस फीडर से विद्युत की आवाजाही बनी रहती है। जिसके चलते उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतें उठानी पड़ती है। जानकारी लेने पर उपकेंद्र के कर्मचारी और अवर अभियन्ता फोन रिसीव नहीं करते। क्षेत्रीय लोगों का कहना है, कि इस विद्युत उपकेंद्र पर तैनात कर्मचारियों के द्वारा रात और दिन बिजली की कटौती की जा रही है, जिसकी वजह से उपभोक्ताओं मैं उनके प्रति जबरदस्त आक्रोश की भावना व्याप्त है।

सेना के जवान की बेरहमी से हत्या: गहराता सस्पेंस, मुख्य आरोपी में उपनिरीक्षक भी शामिल

● पुलिस ने किया मुक्त आरोपी समेत पांच की गिरफ्तारी: रहस्य गहरा, जांच जारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। यमुनानगर तहसील व थाना करछना क्षेत्र में भारतीय सेना के जवान विवेक सिंह (30) की पीट-पीटकर हत्या ने पूरे इलाके को दहलाकर रख दिया है। शादी समारोह से लौटते समय हुई इस हिंसक वारदात में कुल पांच लोगों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है, जिनमें उत्तर प्रदेश पुलिस के उपनिरीक्षक राजकमल पाण्डेय का नाम भी है। जानकारी के अनुसार, घटना 29 से 30 नवंबर की रात करीब 2 बजे हुई। विवेक सिंह अपने मित्र विनय जैन को कोहड़ारघाट छोड़कर अपने साथी करन सिंह के साथ धरवारा स्थित घर लौट रहे थे। जैसे ही वे धरवारा मोड़ के पास पहुँचे, एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो (UP70EBz664) ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। गाड़ी से दिनेश कुमार यादव, राजीव कुमार ठाकुर, राजू अग्रहरि, भाई लाल यादव और उपनिरीक्षक राजकमल पाण्डेय उतरे। आरोप है कि सभी ने हथियार और लोहे की रॉड से विवेक को गाड़ी से खींचा और सिर पर जानलेवा वार किए। करन सिंह ने जैसे-तैसे मदद के लिए गांव की ओर दौड़ लगाई, लेकिन हमलावर विवेक को मरा समझकर मौके से फरार हो गए। गांव वालों की मदद से विवेक को तुरंत प्रयागराज के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर चोटों के चलते उन्हें लखनऊ स्थित मिलिट्री हॉस्पिटल रेफर किया गया। 1 दिसंबर 2025 को डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस वीभत्स घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी उपनिरीक्षक राजकमल पाण्डेय और चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर गहराई से चिंतित हैं। हत्या का मकसद, स्कॉर्पियो में मौजूद आरोपियों की भूमिका और पुलिस की संलिप्तता पर अभी कई सवाल बने हुए हैं। घटनास्थल के आसपास के लोग बताते हैं कि यह वारदात पूरी तरह से योजनाबद्ध लगती है।पुलिस ने इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी है और हर पहलू से जांच जारी है। ग्रामीणों और परिवार के सदस्यों में गुस्सा और चिंता की स्थिति बनी हुई है। अब सवाल यह है कि आखिर क्या कारण था जिसने एक बहादुर सैनिक की जान लेने जैसी क्रूर वारदात को जन्म दिया?

भारत की सबसे कम उम्र की साहित्यकार काजल कुमारी को बनारस में मिला काशी कहानीकार साहित्य सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। काशी साहित्यिक समूह जो कि भारत के महान विभूतियों को उनकी विशेष और अद्भुत प्रतिभाओं के लिए सम्मानित करती आ रहीं हैं।इसकी स्थापिका सुनीता जौहरी हैं। इनके टीम द्वारा पूरे भारत से दिनांक 30.11.2025 को 10 लोगों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया । यह कार्यक्रम सुधाकर महिला महाविद्यालय के ऑटडोटोरियम खुजरी पांडेयपुर बनारस में हुई थी।जिसकी शान और प्रेरणा रही बिहार की शान काजल कुमारी। इनको विशेष स्थान प्रदान कर काशी कहानीकार साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया हैं। यह बहुत गर्व की बात हैं कि इस बेटी की जोड़ का पूरे भारत में कोई नहीं हैं। बिहार ही नहीं बल्कि पूरे भारत की ये सबसे कम उम्र की लेखिका हैं।सुश्री काजल ने मात्र 20 वर्ष की आयु में 9 पुस्तकों और 3 उपन्यासों की रचना की हैं। संस्थापिका सुनीता जौहरी जी ने बताया कि आज इस आयोजन में पूरे भारत से कई साहित्यकार आए हैं लेकिन काजल बिटिया की बात ही निराली हैं। काजल अपने शब्दों में सच्चाई को दर्शाती हैं इतने कम उम्र में इतना अनुभव और ऐसा अलौकिक ज्ञान हैं इन में की इनकी जितनी सराहना की जाए कम हैं। काजल से जब पूछा गया कि इनकी योग्यता का क्या राज हैं तो उन्होंने माता पिता और मां सरस्वती की कृपा उनका मुझ पर आशीर्वाद हैं बताया। कार्यक्रम में कई महान् विभूतियों सहित प्रधानअध्यापिका भी शामिल थी।

पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती के जन्मदिवस पर लगा शुभकामनाओं का तांता

प्रयागराज यमुनानगर (बारा)। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार के पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती के जन्मदिवस पर रविवार को कृष्णा गेस्ट हाउस,रिगवा,बारा में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन, कार्यकर्ता और शुभचिंतक शामिल हुए।सुंदरकांड पाठ के दौरान भक्तिमय माहौल छाया रहा,और उसके बाद शुभकामनाएं देने वालों का तांता लग गया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर श्री भारती के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।समारोह में क्षेत्र के अनेक समाजसेवी, राजनीतिक प्रतिनिधि, व्यापारिक वर्ग के लोग तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय में श्रीमद् भगवद गीता जयंती समारोह

● दुर्लभ पांडुलिपियों की प्रदर्शनी में छात्रों और श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय, संस्कृति विभाग, प्रयागराज में श्रीमद् भगवद गीता जयंती 2025 के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बटुक ब्रह्मचारियों द्वारा किए गए वैदिक मंगलाचरण से हुआ। इस अवसर पर श्री कृष्ण एवं गीता पर आधारित दुर्लभ पांडुलिपियों की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. एच. एन. दुबे, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, ने किया। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भगवद गीता पूरे विश्व में आदर का विषय है क्योंकि यह एक धर्मनिरपेक्ष ग्रंथ है। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को निमित्त बनाकर प्रत्येक मानव के लिए गीता का उपदेश दिया।चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि गीता में सभी विषय समाहित हैं, यही कारण है कि इसका विश्व में सर्वाधिक अनुवाद उपलब्ध है।जगत तारन महिला महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर परमा द्विवेदी ने कहा कि गीता में विभिन्न योगों का वर्णन किया गया है और संपूर्ण 18 अध्याय में 18 योगों के माध्यम से मानव जाति के कल्याण का मार्ग बताया गया है। जगत तारन एवं सीएमपी महाविद्यालय के छात्रों ने भगवान कृष्ण और गीता पर आधारित दुर्लभ पांडुलिपियों की चित्र प्रदर्शनी और मूल पांडुलिपियों का भी अवलोकन किया। प्रदर्शित पांडुलिपियों में गीता के विभिन्न भाष्य और टीका, रिभु गीता, पांडव गीता, अर्जुन गीता, उत्तर गीता, फारसी एवं उर्दू भाषा में लिखित गीता, महापुराण और विविध स्तोत्र शामिल थे। महंत विचारानंद संस्कृत महाविद्यालय, बाघम्बरी मठ, प्रयागराज के छात्रों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और स्वस्ति वाचन कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संयोजन पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर ने किया और संचालन प्राविधिक सहायक संस्कृत हरिश्चंद्र दुबे ने संभाला। कार्यक्रम में डॉ. शाकिरा तलत, अजय मौर्या, रुचि मिश्रा, मोहम्मद सफीक, आनंद और अभिषेक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

घर में घुसकर लाठी डंडों से महिला को पीटा,बोले - समझौता कर लो, नहीं तो बेमौत मरोगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

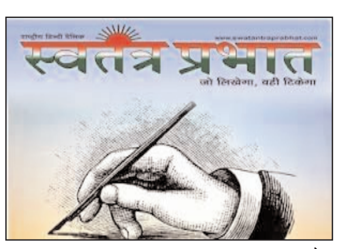

प्रयागराज यमुनापार। खीरी थाना क्षेत्र के गरगटा गांव में एक महिला ने सात लोगों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट,गाली-गलौज,छेड़खानी करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के मुताबिक उस समय महिला के घर में कोई अन्य परिजन मौजूद नहीं था।तभी गांव के सात लोगों ने लाठी-डंडे लेकर घर में घुस आए,और गाली गलौज शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि एक युवक के उकसाने पर आरोपियों ने उसे लात-घूसों और डंडों से पीटा।इस हमले में महिला के पेट,सीने और पीठ पर चोट आई है। पीड़िता ने यह भी बताया कि एक आरोपी ने उसे भाई के मुकदमे में सुलह कर लो, नहीं तो अंजाम बुरा होगा, कहकर धमकी दी। महिला किसी तरह एक कमरे में छिप गई, लेकिन दो आरोपी जबरन कमरे में घुस आए। पीड़िता के मुताबिक, उन्होंने उसके बाल पकड़कर घसीटा, मारपीट की, और छेड़छाड़ करते हुए दुराचार का भी प्रयास किया। उसने बताया कि उसके पति एनटीपीसी बारा में नाइट शिफ्ट की ड्यूटी करते हैं। जिससे उसे अपनी सुरक्षा को लेकर लगातार आशंका बनी रहती है। पीड़िता ने अपनी जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग किया है। पुलिस ने इस मामले को ॥स्र्/ष्टस्न श्रेणी में दर्ज कर लिया है। खीरी थाना प्रभारी कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला पंजीकृत किया गया है। जांच पड़ताल के बाद न्याय उचित कार्रवाई की जाएगी। महिला का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री का अस्थि कलश संगम मे विसर्जित

नैनी,प्रयागराज। सोमवार को व्यापार मंडल नैनी एंव नैनी व्यापार मंडल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश जायसवाल का निधन कानपुर स्थित उनके निवास पर हुआ था जिनका अस्थि कलश उनके पुत्र सिद्धार्थ जयसवाल के द्वारा प्रयागराज लाया गया जहां प्रयागराज बोर्ड क्लब में रखा गया । लोगों ने पुष्प चढ़ाया।जिसके बाद संगम में विसर्जन किया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल नैनी एवं नैनी व्यापार मंडल व्यापार मंडल नैनी अध्यक्ष पार्षद राकेश जयसवाल, नैनी व्यापार मंडल महामंत्री व भाजपा नेता घनश्याम जायसवाल, मीडीया प्रभारी राहुल जायसवाल, हर्षित चौरसिया ,सुनील जायसवाल , विकास जायसवाल आदि रहे।

असलावल कला में सानू असरावल की बड़ी पहल ,SIR समाधान कैंप से हजारों लोगों की मदद

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के असलावल कला में वरिष्ठ समाजसेवी सानू असरावल ने SIR की जटिल प्रक्रिया से जूझ रहे लोगों की परेशानियों को देखते हुए अपने आवास पर विशाल सहायता कैंप शुरू किया है। ग्रामीणों को कागजी प्रक्रिया, दस्तावेज़ सत्यापन, फोटो अपलोड और आधार मिलान जैसी समस्याओं से राहत दिलाने के लिए लगाए गए इस कैंप में 3 बीएलओ, 1 सुपरवाइजर और 17 प्रशिक्षित प्राइवेट युवक लगातार सेवा दे रहे हैं। कैंप में रोजाना बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। कई दिनों से स्ढ्डक्र के कारण हो रही दिक्कतों के बीच यह कैंप लोगों के लिए बड़ा सहारा बना है। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अलग काउंटर बनाए गए हैं, जिससे उन्हें लाइन में न लगना पड़े और काम तेजी से निपट सके। ग्रामीणों ने कहा कि यदि सानू असरावल आगे नहीं आते तो उनकी समस्याएं महीनों तक अटकी रहतीं। उनकी पहल को समाजसेवा की मिसाल कहा जा रहा है।

जारी और कौंधियारा में जीएसटी की छापेमारी, बिना रजिस्ट्रेशन के कई दुकानें हुई सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज यमुनानगर (बारा)। जारी और कौंधियारा बाजार में जीएसटी प्रयागराज की विशेष टीम ने अचानक छापेमारी की।इस दौरान बड़े पैमाने पर टैक्स अनियमितताओं का खुलासा हुआ।जिसमें दर्जनों दुकानें बिना जीएसटी पंजीकरण, बिलिंग सिस्टम और वैध दस्तावेजों के संचालित होती मिली।कई प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया।छापेमारी की खबर मिलते ही पूरे बाजार में हड़कंप मच गया।कई दुकानदारों ने तुरंत अपनी दुकान बंद कर दी,जबकि कुछ अन्य दुकानदार अपने दस्तावेज व्यवस्थित करने में तेजी से लग गए। जीएसटी टीम ने दुकानों में मौजूद स्टॉक, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड,बिलिंग मशीन और पिछले महीनों के रिटर्न की जांच की गई।दुकानों में स्टॉक का हिसाब मेल न खाने पर उन्हें नोटिस भी जारी किया गया।जिन दुकानों में गंभीर अनियमितता पाई गई,उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। टीम ने संबंधित दुकानदारों को भारी जुर्माना भरने के निर्देश जारी किए हैं।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना जुर्माना दिए किसी भी व्यापारी को दुकान खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस अचानक हुई कार्रवाई से कौंधियारा और जारी की दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है कई दुकानदारों ने अपने दस्तावेज व्यवस्थित करने और पंजीकरण कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।जीएसटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि टैक्स चोरी, बिना पंजीकरण कारोबार और अवैध व्यापार पर नियंत्रण के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

विवादित स्थल पर हनुमानजी की मूर्ति स्थापित, पूजन-अर्चन एवं भजन-कीर्तन हुआ शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज यमुनानगर (बारा)। शंकरगढ़ के वार्ड नंबर 11 स्थित विवादित स्थल पर सैकड़ो नगर वासियों ने हनुमान जी की मूर्ति स्थापित कर दी। लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराने इस मंदिर पर पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था, लेकिन मूर्ति स्थापना के साथ ही यहां पूजन-अर्चन और भजन-कीर्तन का कार्यक्रम शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस स्थान पर पहले श्रीराम-जानकी का एक प्राचीन मंदिर था। मंदिर परिसर में 4म4 फिट की एक दुकान और सैकड़ो वर्ष पुराना विशाल पीपल का वृक्ष भी मौजूद था। नगर वासियों का कहना है कि करीब 3 महीने पहले शंकरगढ़ राजघराने के मैनेजर ने इस प्राचीन मंदिर को ध्वस्त करा दिया था। उस समय यह कहा गया था कि यहां एक भव्य मंदिर बनाया जाएगा। हालांकि, जब निर्माण कार्य शुरू हुआ तो नगर वासियों ने देखा 7म15 आकार की तीन पक्की दुकानें बनाई जा रही है। विरोध करने पर बताया गया कि इन दुकानों के ऊपर आलीशान मंदिर बनाया जाएगा। इसके बाद से ही नगरवासी और व्यापारी लगातार इसका विरोध करते रहे।नगर वासियों ने राजा महेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की और कहा, यह जमीन उनकी निजी संपत्ति है इस पर वे अपनी इच्छा अनुसार निर्माण कर सकते हैं। नगर वासियों का कहना है यह प्राचीन मंदिर स्थल है, यहां केवल मंदिर ही बनना चाहिए। कुछ व्यापारियों ने राजा से यह स्थान नगर वासियों को देने का प्रस्ताव भी रखा, ताकि वे स्वयं भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण कर सके,लेकिन मैनेजर द्वारा दुकानों का निर्माण कार्य जारी किया जाता रहा। बुजुर्गों ने बताया कि यह मंदिर लगभग 150 वर्ष पहले बाहर से आए एक व्यापारी ने बनवाया था।कुछ दशकों से यह शंकरगढ़ राजघराने की देखरेख में था। मंदिर के मुख्य द्वार पर स्वर्गीय राजा कमलाकर सिंह का नाम अंकित है। मंदिर की नियमित रखवाली नगरवासी ही करते थे। जबकि पुरानी दुकानों का किराया राज परिवार द्वारा वसूला जाता था। अब जब मंदिर जर्जर हो गया, तो नगर वासियों ने स्वयं निर्माण कराने की बात की,तो उन्हें अनुमति नहीं मिली, इसके बाद से विवाद लगातार गहराता गया।

संगम पर विदेशी परिंदों का सफरनामा पांच हजार किमी उड़कर पहुंचे मेहमानों ने बदली त्रिवेणी की रंगत

● सर्द हवाओं संग लौटे साइबेरियन ।

चहचहाहट से गूंज उठा पवित्र संगम।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज की सुबह जैसे ही।हल्की धूप के साथ आंखें खोलती है,गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम पर एक अलग ही उल्लास दिखाई देता है। सर्दियों की दस्तक के साथ ही इस साल भी हजारों किलोमीटर दूर साइबेरिया से परिंदों का बड़ा दल यहां पहुंच चुका है– जैसे प्रकृति ने संगम को फिर से जीवंत करने के लिए रंगीन पंखों का एक गुलदस्ता भेज दिया हो।नवंबर की शुरुआत में जब उत्तरी देशों में बर्फ की चादर बिछने लगती है, वहीं इन साइबेरियन पक्षियों के लिए पलायन का समय शुरू होता है। लगभग पांच हजार किलोमीटर का जोखिम भरा सफर तय करके जब ये मेहमान परिंदे संगम के टापुओं पर उतरते हैं, तो मानो पूरा वातावरण उनका स्वागत करता है। शांत जल, अनुकूल मौसम और भरपूर भोजन–सब कुछ मिलकर इन्हें अपना बना लेता है। संगम की धारा पर तैरती नावों से जब श्रद्धालु और पर्यटक दाना डालते हैं, तो पक्षियों का झुंड एक साथ पंख फैलाकर उड़ता है। हवा में तैरती उनकी चहचहाहट और चमकते पंखों का दृश्य ऐसा लगता है जैसे किसी कलाकार ने आसमान पर एक जीवंत चित्र उकेरा हो। मुख्य रूप से यहां साइबेरियन सीगल, बार-हेडेड गूज और कभी-कभी दुर्लभ पेरेग्रीन फाल्कन की झलक भी देखने को मिलती है। इनकी उड़ान और सुंदरता हर देखने वाले को मंत्रमुग्ध कर देती है।–संगम किनारे नाव पर बैठे नाविक मुस्कराते हुए बताते हैं– 'साहब, ये पक्षी आ जाएं तो हमारी रोज़ी-रोटी भी चमक जाती है। लोग सिर्फ पक्षियों को दाना खिलाने के लिए नाव की सवारी करते हैं। तस्वीरें लेते हैं, वीडियो बनाते हैं...पूरा संगम जैसे त्योहार मनाने लगता है। ' करीब पांच से छह महीने तक संगम पर ठहरने वाले ये मेहमान परिंदे यहां की प्राकृतिक सुंदरता को चार चांद लगा देते हैं। खासकर माघ मेला के दौरान संगम का नजारा किसी स्वर्ग से कम नहीं दिखता–पवित्रता, श्रद्धा और प्रकृति का अद्भुत संगम एक ही जगह दिखाई देता है। पर्यावरण प्रेमियों के लिए यह दृश्य सिर्फ देखने भर की चीज नहीं, बल्कि एक संदेश भी है–जैव विविधता की रक्षा, प्राकृतिक स्थल का संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं का सम्मान।हर साल लौटकर आने वाले ये परिंदे मानो यह विश्वास दिलाते हैं कि यदि हम प्रकृति का ध्यान रखें, तो प्रकृति भी हमारे जीवन में रंग भरती है। यही कारण है कि संगम का यह दृश्य हर किसी को कैमरे में कैद करने को मजबूर कर देता है। सर्दियों में संगम तट पर ये मेहमान परिंदे सिर्फ सुंदरता नहीं बढ़ाते, बल्कि प्रयागराज की पहचान में एक सुनहरी कहानी भी जोड़ते हैं–प्रकृति, श्रद्धा और यात्रा का ऐसा संगम, जो हर दिल को छू जाए।

बिजली बिल राहत योजना 2025-26 शुभारंभ

● 100% ब्याज माफी और 25% मूलधन में छूट से उपभोक्ताओं को राहत।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रदेश सरकार की बहुप्रतीक्षित और उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी 'बिजली बिल राहत योजना 2025-26' आज पूरे प्रदेश में लागू हो गई। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने प्रयागराज के सोरांव सब स्टेशन से योजना का शुभारंभ किया।मंत्री ने कहा कि यह योजना उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देने के साथ बिजली विभाग और उपभोक्ताओं के बीच विश्वास और सहयोग का नया युग स्थापित करेगी। उन्होंने इसे सरकार की संवेदनशील और परिणामकारी कार्यप्रणाली का उदाहरण बताया। शुभारंभ समारोह में पहले पंजीकरण कराने वाले पांच उपभोक्ताओं को प्रमाणपत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। योजना के प्रथम चरण में पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को 100% ब्याज माफी और 25% मूलधन में छूट मिलेगी। पंजीकरण प्रक्रिया सरल और सुलभ है। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट www. uppcl.org, खंड/उपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र (ष्टस्ष्ट) या किसी भी विभागीय कैश काउंटर से पंजीकरण करा सकते हैं।योजना तीन चरणों में: प्रथम चरण: 1 दिसंबर 2025 - 31 दिसंबर 2025: 100% ब्याज माफी + 25% मूलधन में छूट द्वितीय चरण: 1 जनवरी 2026 - 31 जनवरी 2026: 15% छूट तृतीय चरण: 1 फरवरी 2026 - 28 फरवरी 2026: 10% छूट वन- टाइम सेटलमेंट सुविधा उन उपभोक्ताओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिनके बिल ब्याज और सरचार्ज के कारण अधिक हो चुके हैं। मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है, राशि ?500 या ?750। ऊर्जा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिविरों के माध्यम से उपभोक्ताओं को जानकारी दें, पंजीकरण प्रक्रिया सरल बनाएं और सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का यही दृष्टिकोण योजना की प्रेरणा रहा है। छह वर्षों से बिजली दरों में कोई वृद्धि नहीं हुई और अब यह ऐतिहासिक योजना लागू होकर लाखों परिवारों पर आर्थिक बोझ कम करेगी। मंत्री ने सभी बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की कि वे इस अवसर को हाथ से न जाने दें और योजना का लाभ अवश्य उठाएं। इस अवसर पर विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, जिला अध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम शंभू कुमार, मुख्य विद्युत अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता विद्युत उपभोक्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बीएलओ के स्वजन से मिलने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर बोला हमला

बरेली। शहर के कर्मचारी नगर निवासी बीएलओ की मृत्यु के सप्ताह भर बाद सोमवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय स्वजन से मिलने पहुंचे। स्वजन को सांत्वना प्रदान करते हुए कांग्रेस द्वारा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। कहा कि एसआइआर ड्यूटी के दौरान हुई तनाव की वजह से बीएलओ की जान चली गई। इसकी पूरी जिम्मेदारी चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की है। चुनाव आयोग और सरकार की ओर से बीएलओ के स्वजन को उचित सहयोग नहीं मिला तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करेगी। कहा की फतेहपुर और मुरादाबाद में भी बीएलओ की एसआइआर ड्यूटी के चलते तनाव में आकर मौत की घटनाएं सामने आई हैं। इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और चुनाव आयोग की है, क्योंकि चुनाव में तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। गौरतलब है कि कर्मचारी नगर दिवंगत बीएलओ सर्वेश गंगवार की बीते सप्ताह हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इसके बाद जिला और महानगर कांग्रेस कमेटी ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंप मृतक बीएलओ के स्वजन को एक करोड़ का मुआवजा और एक नौकरी देने की मांग की थी। सोमवार को मृतक के परिवार से मिलने पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मांग की कि बीएलओ सर्वेश गंगवार के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि चुनावी ड्यूटी पर लगाए जा रहे कर्मचारियों पर लगातार बढ़ता दबाव और संसाधनों की कमी गंभीर चिंता का विषय है। जिस पर सरकार को तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए। इस दौरान जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी, महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा, प्रवक्ता डा. केबी त्रिपाठी गुरुजी, पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला समेत अन्य कांग्रेसी पदाधिकारी रहे।

चीनी मिल में गार्ड ने किसान पर तानी बंदूक किसानों का देर रात मिल में हंगामा

सीतापुर। जनपद सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र के अवध शुगर एंड एनर्जी चीनी मिल में रविवार देर रात उस समय तनाव का माहौल बन गया जब मिल गेट पर ड्यूटी पर तैनात एक गार्ड ने गन्ना लेकर पहुंचे किसान पर बंदूक तान दी। ट्राली तौल कराने पहुंचे किसान के साथ गार्ड की कहासुनी इतनी बढ़ गई कि देखते ही देखते मामला गंभीर विवाद में बदल गया गुस्साए किसान ने विरोध जताया तो गार्ड ने कथित रूप से बन्दूक उठाकर किसान की ओर तान दी जिसके बाद आसपास मौजूद किसानों में आक्रोश फैल गया।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के सैकड़ों किसान मौके पर एकत्र हो गए और मिल गेट पर जमकर हंगामा शुरू कर दिया किसान गार्ड पर कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी करने लगे घटना के चलते मिल गेट के आसपास काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। किसानों का कहना है कि गन्ना तौल को लेकर मिल में पहले से ही अव्यवस्था चल रही है और गार्डों द्वारा किसानों के साथ अभद्रता की शिकायतें कई बार उठ चुकी हैं उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा के नाम पर किसानों के साथ दबंगई बर्दाश्त नहीं की जाएगी सूचना पर हरगांव थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और किसानों को शांत कराने का प्रयास किया पुलिस ने गार्ड और किसान दोनों पक्षों से घटना की जानकारी ली अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी वहीं किसानों का कहना है कि जब तक गार्ड के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए जाएंगे, वे विरोध जारी रखेंगे काफी समझाने-बुझाने के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। पुलिस ने किसानों को कार्रवाई का भरोसा देते हुए भीड़ को शांत कराया इस घटना से पूरे क्षेत्र के किसानों में नाराजगी व्याप्त है और वे मिल प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं!!

कैबिनेट मंत्री के बयान पर फूटा आक्रोश: कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंका, जूतों की माला पहनाकर नाले में फेंका; केस दर्ज करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के विवादित बयान ने बलिया में भारी नाराजगी पैदा कर दी है। 'अंग्रेजों के दलाल' संबंधी टिप्पणी के बाद जिलेभर में राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। लोगों का कहना है कि मंत्री ने बलिया की ऐतिहासिक गरिमा और स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान पर चोट पहुंचाई है।

कांग्रेस ने निकाला विरोध मार्च, पुतला पीटने के बाद किया दहन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए मंत्री संजय निषाद के पुतले को जूतों की माला पहनाई। कार्यकर्ता पुतले को लातों से मारते और घसीटते हुए शहर की मुख्य सड़कों से गुजरे। विरोध मार्च कटहल नाले पर पहुंचा, जहां पुतले का दहन किया गया और बाद में उसे नाले में डाल दिया गया। इस दौरान कार्यकर्ता 'संजय निषाद दलाल है' के नारे लगाते रहे।

मंत्री पर कानूनी कार्रवाई की मांग, तहरीर दी

नगर सेवक पंकज मिश्रा और अशोक सिंह ने सदर कोतवाली पहुंचकर कैबिनेट मंत्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। अपनी तहरीर में उन्होंने लिखा कि मंत्री की टिप्पणी से बलिया की सामूहिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और यह जिला के महान स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है। तहरीर में मंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

विपक्षी दलों ने भी खोला मोर्चा

कांग्रेस नेता सागर सिंह राहुल ने कहा कि जो नेता टिकट के लिए करोड़ों में सौदेबाजी करते हैं, उन्हें बलिया की जनता को 'दलाल' कहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि संजय निषाद दोबारा बलिया आएंगे, तो उनका स्वागत जूतों की माला से किया जाएगा। समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता सुशील उर्फ कान्हजी पाण्डेय ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मंत्री का बहिष्कार करें और बलिया में उनके प्रवेश पर रोक लगाने पर विचार करें। कांग्रेस नेता रूपेश चौबे ने भी कहा कि अगर मंत्री ने जनता से माफी नहीं मांगी, तो उनके खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा।

स्थिति तनावपूर्ण, राजनीतिक बयानबाजी तेज

घटना के बाद जिले में राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रह सकता है। स्थानीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि मंत्री ने जल्द ही बयान वापस नहीं लिया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

अगहन पूर्णिमा पर पाथरोल के संकट मोचन धाम में भजन-कीर्तन व महाआरती का आयोजन 4 को

पाथरोल, करौं, देवघर, झारखंड:- संकट मोचन धाम पाथरोल में हर पूर्णिमा की तरह इस बार अगहन पूर्णिमा के अवसर पर 4 दिसंबर, गुरुवार को भजन संध्या, महाआरती और खिचड़ी प्रसाद वितरण का विशेष आयोजन किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 8 बजे भजन-कीर्तन से होगा। इसके बाद रात्रि 9 बजे बाबा का महाआरती, प्रसाद वितरण और खिचड़ी वितरण किया जाएगा। मन्दिर प्रबन्धक दिलीप पाठक ने बताया कि इस मासिक आयोजन में श्रद्धालुओं का सहयोग और सहभागिता महत्वपूर्ण रहा है। वहीं आगामी पूर्णिमा पर भी सभी भक्तों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है। कार्यक्रम में सहयोग के लिए मंदिर श्री दिलीप पाठक ने श्रद्धालुओं से संपर्क नंबर 9934531724 संपर्क करने का आग्रह किया गया है।

10 वर्षीय बच्चे की लाश बोरी में मिली: 16 घंटे से था लापता, कपड़े भीगे; परिवार में कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

यशपाल उर्फ शिवम, मृतक

बलिया। जिले के फेफना थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घर के बाहर खेलते हुए लापता हुआ 10 वर्षीय शिवम वर्मा का शव उसके घर से करीब 100 मीटर दूर एक मकान के पीछे प्लास्टिक की बोरी में मिला। शव पूरी तरह भीगा हुआ था, हालांकि शरीर पर किसी चोट का निशान नहीं पाया गया। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

रविवार शाम से था लापता

आमडरी गांव निवासी रामजी वर्मा का इकलौता बेटा शिवम (कक्षा-4 छात्र) रविवार शाम खेलने निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन परेशान हो उठे। गांव व आसपास के क्षेत्रों में पूरी रात खोजबीन चली, लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद रात में पुलिस चौकी में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

सुबह बोरी में मिला शव, पैर बाहर निकला था

सोमवार सुबह ग्रामीणों ने प्रेमलाल के घर के पीछे एक बोरी पड़ी देखी। बोरी से एक बच्चे का पैर बाहर दिखाई दिया, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और बोरी खोलने पर अंदर शिवम का शव मिला। उसके कपड़े भीगे थे, जिससे पुलिस ने तालाब में भी जांच कराई, पर कोई सुराग नहीं मिला।

मां बेहोश, पिता बदहवास

शव मिलने की सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे। बेटे का शव देखकर मां सुमन रो-रोकर बेहोश हो गईं। वहीं पिता रामजी वर्मा बदहवासी में बार-बार पुलिस से यही कहते रहे- 'कोई मेरे बेटे को ढूंढकर ला दो... '4 बेटियों के बाद पैदा हुआ था इकलौता बेटा पिता ने बताया कि उनके चार बेटियां हैं और काफी मन्नतों के बाद शिवम पैदा हुआ था। वह परिवार का इकलौता लड़का था। रामजी ने कहा- 'अब उसके बिना घर कैसे चलेगा, कुछ समझ नहीं आ रहा।'

पुलिस कई एंगल से जांच में जुटी

शव पूरी तरह भीगा होने के कारण तालाब में तलाश फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने जुटाए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या या अन्य पहलुओं की पुष्टि होगी एसपी ओमवीर सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जल्द खुलासा का आश्वासन दिया घटना ने पूरे गांव को दहला दिया है। पुलिस अपहरण, हत्या समेत हर एंगल से जांच कर रही है।

राज्य सरकार से एमएसीपी लाभ की मांग, शिक्षकों ने विधायक स्टेफन मरांडी को सौंपा ज्ञापन

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड :- राज्य के शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ दिलाने की मांग को लेकर आज झारोटेप की पाकुड़िया इकाई के पदाधिकारियों ने विधायक प्रोफेसर स्टेफन मरांडी को एक ज्ञापन सौंपा। सेवानिवृत्त शिक्षक बैद्यनाथ सिंह की अध्यक्षता में प्रखंड अध्यक्ष मु. इब्रार आलम और प्रखंड सचिव मु. शरीफ अंसारी के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल विधायक से मिला। ज्ञापन में राज्य सरकार से शिक्षकों एवं आर्मी से आए शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ प्रदान करने की मांग की गई है। इस दौरान मु. अबुल हुसैन, गोमेस्ता, राजकुमार पाल, एन्थोनी हांसदा, उत्पल पाल, मु. शकील सहित कई शिक्षक उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि सरकार शिक्षकों की इस महत्वपूर्ण मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी।

पंचमाधव पंचायत में दो अलग-अलग मौतों से शोक की लहर, विधायक समेत सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया शोक व्यक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही प्रखंड अंतर्गत पंचमाधव पंचायत के ग्राम जरहिया में सोमवार की सुबह गमगीन माहौल छाया रहा। गांव के रहने वाले 45 वर्षीय अर्जुन यादव की टाटा मे सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। सुबह होते ही उनका शव गांव जरहिया गांव पहुंचा। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके घर पहुंचकर अंतिम दर्शन किया और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। मौके पर पहुंचकर जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर व मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप ने शोकाकुल परिवार से मिलकर ढाढस बंधाया। उन्होंने बताया कि पूरी घटना की जानकारी क्षेत्र के विधायक व लोक लेखा समिति के सभापति मनोज कुमार यादव तक पहुंचा दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने के लिए कंपनी प्रबंधन से वार्ता की जाएगी। इसी बीच क्षेत्र से एक और दुखद खबर आई। ग्राम पंचमाधव के रामेश्वर यादव, जो लंबे समय से बीमार चल रहे थे, उनका भी निधन हो गया। सूचना मिलते ही ग्रामीण उनके घर पहुंचे और अंतिम दर्शन के बाद दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। लगातार दो शोक समाचारों से पूरे इलाके में मातम का माहौल है। शोक व्यक्त करने वालों में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, रघुनंदन गोप, युवा सामाजिक कार्यकर्ता मनोहर यादव, बिनोद यादव, जितेंद्र यादव, बिरेन्द्र यादव, ग्रामीण पुलिस गणेश यादव, सिकंदर यादव, उमेश यादव, कैलाश यादव, शंकर यादव, देवनारायण यादव, मुकेश यादव, सुनील यादव, सुरेश यादव, राजकुमार यादव, यशवंत यादव, त्रिभुवन यादव, राजकुमार यादव समेत अन्य लोग शामिल है।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में की गई सड़क सुरक्षा समिति की महत्त्वपूर्ण बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज (बिहार)- गोपालगंज में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित की संयुक्त अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संबंधित सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत जिले में सड़क सुरक्षा कार्यों की समीक्षा के साथ हुई। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए सभी विभाग समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी कार्यक्रमों की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

1. **सड़क सुरक्षा गतिविधियों की निगरानी-** जिले में चल रही सड़क सुरक्षा गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि स्कूलों, महाविद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान को तेज किया जाए ताकि आमजन सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाएं।

2. **सड़क दुर्घटना आंकड़ों की समीक्षा-** बैठक में पिछले कुछ महीनों के सड़क दुर्घटना से जुड़े आंकड़ों की प्रस्तुति दी गई। डीएम और एसपी ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए।

3. **सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण-** सड़क दुर्घटनाओं के विभिन्न कारणों की पहचान की गई, जिनमें तेज गति, ओवरलोडिंग, लापरवाह ड्राइविंग, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करना प्रमुख रहे। इन कारणों को ध्यान में रखते हुए निवारक उपायों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।

4. **राष्ट्रीय/राज्य सड़क सुरक्षा परिषद को सुझाव-** जिले की ओर से सड़क सुरक्षा से जुड़े व्यावहारिक सुझाव संकलित कर राज्य स्तर पर भेजने की सहमति बनी।

5. **ब्लैक स्पॉटों की पहचान-** जिले के सभी ब्लैक स्पॉटों की अद्यतन सूची प्रस्तुत की गई। इनके सुधारात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और जल्द से जल्द साइनज, स्पीड ब्रेकर एवं अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा गया।

6. **सुरक्षा मानकों का अनुपालन-** बैठक में सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में सुरक्षा मानकों के पालन पर विशेष बल दिया गया। डीएम ने कहा कि जहां भी मानकों का उल्लंघन पाया जाए, संबंधित एजेंसी पर कार्रवाई की जाएगी।

7. **सड़क सुरक्षा कार्य योजना-** जिले की वार्षिक सड़क सुरक्षा कार्य योजना को अद्यतन कर तुरंत प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया गया।

8. **हिट एंड रन मामलों में मुआवजा-** ऐसे मामलों में पीड़ित परिवारों को समय पर मुआवजा भुगतान की समीक्षा की गई। लंबित मामलों को अविलंब निपटाने का निर्देश दिया गया।

9. **यातायात अनुशासन पर फोकस-** एसपी ने बताया कि हेलमेट चेकिंग, गति नियंत्रण, नो-पार्किंग क्षेत्र निर्धारण, एवं मुख्य चौक-चौराहों पर यातायात व्यवस्था को सुधारा जाएगा।

10. **iRAD एवं eDAR पोर्टल पर अद्यतन प्रविष्टि-** सभी हिट एंड रन एवं नन हिट एंड रन मामलों की ऑनलाइन प्रविष्टि समय पर करने का निर्देश दिया गया।

11. **सड़क सुरक्षा अभियान को बढ़ावा-** स्कूलों, महाविद्यालयों, बाजारों और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को और व्यापक बनाने का निर्णय लिया गया।

विश्व एड्स दिवस पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

● अस्पतालकर्मियों ने एड्स रोकथाम, उपचार और भेदभाव-मुक्त समाज के लिए लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को जागरूकता और बचाव विषयक एक विस्तृत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने किया। उन्होंने बताया कि एड्स के प्रति जागरूकता ही इसका सबसे बड़ा बचाव है, इसलिए समाज को सही जानकारी अपनाने और अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि एड्स से पीड़ित लोगों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव मानवता के खिलाफ है। उन्होंने अस्पतालकर्मियों और मौजूद लोगों को समझाया कि एड्स छूने, साथ बैठने या सामान्य व्यवहार से नहीं फैलता। इसलिए मरीजों को अलगाव में रखने या उन्हें समाज से दूर करने की मानसिकता को बदलना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि एड्स से बचाव के लिए सुरक्षित व्यवहार, समय-समय पर जांच, जागरूकता और उपचार के प्रति गंभीरता आवश्यक है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा लोगों को मुफ्त जांच और परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका अधिक से अधिक लोगों को लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों, एएनएम, लैब टेक्नीशियनों और कर्मचारियों ने एड्स रोकथाम और जागरूकता को लेकर शपथ ली। शपथ के माध्यम से सभी ने संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं जागरूक रहेंगे, बल्कि समाज में भी सही जानकारी पहुँचाने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी, डॉ. मेराजुल इस्लाम, डॉ. प्रवीण कुमार, विनय सिन्हा, सुधांशु शेखर, काउंसिलर कादम्बनी दुबे, एलटी अनिता कुमारी, विष्णु महतो, शाहिद अली, कुलदीप कुमार, सोनी कुमारी, सोनी महतो, संतोष कुमार, इंद्रदेव गोप, महादेव राम, भेखराज पासवान, दीपक कुमार, अनीता कुमारी, विष्णु रविदास, सबिता कुजूर, कुमारी अमृता सहित अन्य अस्पतालकर्मी उपस्थित रहे।

आरोग्यम अस्पताल की ओर से निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन 5 दिसंबर को

● विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में होगा स्वास्थ्य परीक्षण, आम जनता से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- जिले के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में से एक आरोग्यम अस्पताल द्वारा आगामी 5 दिसंबर, शुक्रवार को निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आरोग्यम अस्पताल परिसर में आयोजित होने वाले इस शिविर में हृदय संबंधी सभी महत्वपूर्ण जांचें ईसीजी,ब्लड शुगर,बीपी एवं एवं पल्स की जांच पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा शिविर में हृदय से संबंधित रोगों का इलाज निशुल्क किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निर्धारित है। शिविर का संचालन अनुभवी हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अमन सिन्हा और डॉ. रवि रंजन के मार्गदर्शन में किया जाएगा, जिससे मरीजों को सटीक जांच और उचित परामर्श प्राप्त हो सके। अस्पताल का उद्देश्य है कि हजारीबाग क्षेत्र के लोग समय रहते अपने हृदय स्वास्थ्य की जांच कर सकें और संभावित जोखिमों से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठा सकें। अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि हृदय रोगों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में समय पर जांच और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने 40 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों सहित सभी लोगों से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की। अस्पताल के प्रशासक जय सिंह ने बताया कि आरोग्यम अस्पताल लगातार जनहित से जुड़े स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। निःशुल्क हृदय जांच शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करना और हृदय से संबंधित बीमारियों के प्रति जागरूक बनाना है। अस्पताल प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे स्वयं शिविर में शामिल हों और अपने परिजनों, पड़ोसियों व परिचितों को भी इस निःशुल्क जांच शिविर का लाभ उठाने हेतु प्रेरित करें, ताकि हजारीबाग जिले में स्वस्थ हृदय और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

सरकारी ग्रीन गोला भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ ग्रामीणों नेकी बैठक

करौं, देवघर, झारखंड:- बीते सोमवार को करौं हटिया परिसर में सरकारी ग्रीन गोला की जमीन बचाने को लेकर पंचायत की मुखिया प्रमिला देवी की अध्यक्षता में ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि यह सरकारी जमीन है और पूर्व में ग्रीन बैंक चलता था जो वर्तमान में बंद हैद्य जिसका दाग नंबर 1644 खाता नंबर 209 जो जमीन 33 डिसमिल का है इसमें 26 डिसमिल ग्रीन बैंक के नाम से दान दिया गया था। वर्तमान में बैंक बंद रहने के कारण भूमाफियाओं द्वारा जमीन पर कब्जा कर अवैध रूप से निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों ने सुबे के जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन को सार्वजनिक रूप से एक मांग पत्र देने का निर्णय लिया। मुखिया प्रमिला देवी ने बताया कि इस जमीन को बचाने के लिए सभी ग्रामीण हर संभव सहयोग देने का कष्ट करें ताकि जमीन को बचाया जा सके। मौके पर गौरी शंकर केडिया, शरदेंदु राय मंटू मंडल,कामदेव संजय कुमार मंडल, लक्ष्मण, कापरी मंडल, प्रदीप मंडल, राजेश मंडल, मुकेश कापरीसहित दर्जनों लोग मौके पर मौजूद थे।

फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा सिजुआ बिरहोर बस्ती में सामग्री वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग। इचाक प्रखंड के सिजुआ ग्राम स्थित बिरहोर बस्ती में सोमवार को फेडरेशन ऑफ हजारीबाग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा जरूरतमंद परिवारों के बीच ऊनी वस्त्र एवं दैनिक उपयोग की सामग्रियों का वितरण किया गया। चेंबर द्वारा जैकेट, टोपी, स्वेटर, चप्पल, नहाने का साबुन, शैंपू एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम से बस्तीवासियों को प्रचंड ठंड से काफी राहत मिलेगी। चैंबर द्वारा सेवा का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस अवसर पर चेंबर के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने कहा कि हमारा संगठन सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोपरि मानता है। जाड़े के मौसम में कोई भी परिवार ठंड से परेशान न हो, इसी उद्देश्य से हम लगातार जरूरतमंदों तक गर्म कपड़े और आवश्यक सामग्रियां पहुंचा रहे हैं। आने वाले दिनों में भी चेंबर ऐसे मानवसेवा कार्यों को और व्यापक रूप से आगे बढ़ाएगा। चेंबर के सचिव राकेश ठाकुर ने बच्चों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि साफ-सफाई न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। बच्चों को रोज नहाने, हाथ धोने और स्वच्छ कपड़े पहनने की आदत विकसित करनी चाहिए। चेंबर समाज में स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल,सचिव राकेश ठाकुर, सह सचिव तारीख अहमद राजा, संयुक्त सचिव नीरज अग्रवाल, समाजसेवी सह जेडीयू के वरिष्ठ नेता अर्जुन मेहता भी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मिलकर सामग्री का वितरण किया और बस्ती के लोगों से संवाद स्थापित किया।

मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत पूरा हुआ एस.आई.आर. का कार्य

चित्रकूट: विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 237 मानिकपुर में एस.आई.आर. अभियान के तहत किए जा रहे मतदाता गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण व डिजिटाईजेशन कार्य के सम्बन्ध में सोमवार को मऊ उपजिलाधिकारी रामऋषि रमन व जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बी.के. शर्मा ने क्षेत्र के बीएलओ के साथ बैठक की। बैठक में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 237 मानिकपुर में मतदाता गणना प्रपत्रों की ऑनलाइन फीडिंग का कार्य तेजी से जारी है। अब तक कुल 89.48 प्रतिशत गणना पत्रों की ऑनलाइन फीडिंग पूरी हो चुकी है। साथ ही कुल 98 बूथों पर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। एसडीएम ने बीएलओ को गणना पत्रकों के गुणवत्तापूर्ण और शत-प्रतिशत निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी मतदाता गणना पत्रक भरने से छूटे नहीं पाए। कहा कि तहसील क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी इलाकों में बूथों पर पहुंचकर लोगों को इस सम्बन्ध में जागरूक करें तथा फॉर्म भरने का सही तरीका समझाते हुए फॉर्म भरकर दिखाएं। इस मौके पर एबीएसए रामनगर हरिओम गुप्ता, तहसीलदार मऊ राम सुधार, नायब तहसीलदार पारुल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता प्रवीण कुमार श्रीवास्तव को किया निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष आजमगढ़ विकास प्राधिकरण रविन्द्र कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण केन्द्रीकृत सेवा के सहायक अभियंता (सिविल) प्रवीण कुमार श्रीवास्तव को गंभीर अनियमितता और कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। श्री श्रीवास्तव पर बार-बार मिली शिकायतों के बावजूद अवैध निमार्णों पर प्रभावी कार्रवाई न करना, नक्शों को मनमाने ढंग से स्वीकृति देना या निरस्त करना, पद की गरिमा के विपरीत आचरण तथा शासकीय कार्यों में सत्यनिष्ठा व कर्तव्यपरायणता का पालन न करने के गंभीर आरोप लगे थे। ये शिकायतें आम जनता, जनप्रतिनिधियों तथा आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुई थीं। उक्त आरोपों के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण केन्द्रीकृत सेवा नियमावली-1985 के नियम-33 तथा उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के नियम-4 के तहत राज्यपाल ने प्रवीण कुमार श्रीवास्तव के निलंबन को सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी है। निलंबन अवधि में श्री श्रीवास्तव का मुख्यालय जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, आजमगढ़ निर्धारित किया गया है। इस दौरान वे बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

धैर्य और धर्म को जानने का माध्यम है गीता

ललितपुर। विश्वगीता प्रतिष्ठानम उज्जयिनी के तत्वावधान में श्रीजगदीश मंदिर प्रांगण में गीता जयंती का आयोजन किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें गीता महात्म्य पर विशेष व्याख्यान मानस मर्मज्ञ पं.बाबूलाल द्विवेदी ने दिया। उन्होंने कहा कि गीता धैर्य और धर्म दोनों को सिखाती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। जनमानस को इसका प्रतिदिन स्वाध्याय करना चाहिए, जिससे भारतीय संस्कारों का घरों और समाज में सकारात्मक प्रभाव पड़े। कार्यक्रम में पं.महेश मिश्रा, भगवत नारायण बाजपेयी, रमेश पाठक, जगदीश मंदिर ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान रामेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, हरीराम राजपूत, किशन लाल, प्रताप नारायण, कैलाश शर्मा, आत्माराम शर्मा ने गीत गाये। कार्यक्रम में कुंदनलाल सेन, कैलाश नारायण, राजकुमारी सोनी, अशोक मिश्रा, फूलबाई, रामविलास तिवारी, नारायण साहू, शिवानी राजवती, गोविंद सिंह तोमर, लखनलाल तिवारी, विद्याशंकर मिश्र, राधा, क्रांति, कमला आदि उपस्थित रहे। अंत में जिला संयोजक नीरज द्विवेदी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बाइक की टक्कर लगने से हुयी थी गुलाब यादव की मौत

पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

ललितपुर। सौजना थानान्तर्गत ग्राम मैनवार में रहने वाली वंदना यादव पत्नी गुलाब ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 नवम्बर को 4.30 बजे उसका पति गुलाब यादव अपने खेत से फसल में पानी लगाकर घर वापस आ रहे थे। तभी रिश्तेदार मड़ावरा के ग्राम सीरोंन निवासी लखन पुत्र धर्मू यादव के साथ बाइक पर पीछे बैठा था। घर केपास पहुंचते ही सामने से आ रहे पथराई गांव के धनीराम पुत्र फिन्ना अहिरवार ने लापरवाही व तेजी से गाड़ी चलाते हुये पति की मोटर साइकिल संख्या यू.पी. 94 वी 0520 में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसके पति को गंभीर चोटें आ गयीं और रिश्तेदार लखन भी घायल हो गया। घायल अवस्था में दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महरौनी में भर्ती कराया गया, जहां हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां पहुंचने से पहले ही उसके पति की मृत्यु हो गयी। वहीं रिश्तेदार लखन यादव का उपचार झांसी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने महिला की तहरीर पर बाइक चालक धनीराम के खिलाफ बीएनएस की धारा 106 (1), 281, 125 (ए), 125 (बी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

सामूहिक विवाह में आये दम्पति से मारपीट, एफआईआर दर्ज

ललितपुर। बानपुर थाने के ग्राम मौगान निवासी सौरभ कुमार पुत्र स्व.कमल प्रसाद ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 29 नवम्बर की रात करीब 10.30 बजे ललितपुर स्थित इलाइट चौराहा स्थित अमर पैलेस में सामूहिक विवाह में शामिल होने आया हुआ था, तभी उसकी पत्नी मनीष व एक पांच माह की पुत्री के साथ आयी। जब वह विवाह स्थल से आ रहा था, तभी अरून, गोलू पुत्रगण मुकेश, अनुराग व मनीष जाखलौन, मौगान निवासी राहुल ने उसे व उसकी पत्नी का रास्ता रोक लिया और बाहर जाने से रोका। जब उक्त लोगों का उन्होंने विरोध किया तो उक्त लोगों ने गालियां दीं और मारपीट करते हुये पत्नी से अभद्रता की। आरोप है कि उक्त लोगों ने उसके सिर पर किसी वस्तु से प्रहार किया, जिससे उसके हाथ व सिर में चोटें आयीं। यह भी आरोप है कि उक्त लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 126 (2), 352, 115 (2) व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

कूड़ा फेंकने गई महिला से मारपीट

ललितपुर। मड़ावरा थानान्तर्गत ग्राम धवा में रहने वाली विद्यादेवी पत्नी निर्भान सिंह कुर्मी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 30 नवम्बर को सुबह 7 बजे वह अपने खेत पर कूड़ा फेंकने गयी हुयी थी। तभी गांव के फूलचंद्र पुत्र जमुना कुर्मी व उसकी पत्नी सूरजबाई ने अपने लड़के नीरज के साथ एक राय होकर उसे गालियां दीं और विरोध करने पर मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

डीएम के निर्देश पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को गति देने घर-घर पहुंचे अधिकारी

● माता, बहने, बुजुर्ग सभी मतदाताओं से किया संवाद, पीए सिस्टम से लोगों को बताया एसआईआर का महत्व

● बूथों पर जाकर परखा बीएलओ का कार्य, शिफ्टेड, डेड और डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची तैयार करने के दिये निर्देश कम प्रगति वाले बूथों पर लगाये अतिरिक्त कर्मी, घर-घर जाकर फार्म भरवाने के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देशन में जनपद में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान ने सोमवार दोपहर 2 बजे तक 70.52 प्रतिशत प्रगति हासिल कर ली है, अभियान को और गति देने के लिए सोमवार को जिले के आला अधिकारियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं को एसआईआर फार्म भरकर बीएलओ के पास जमा कराने के लिए जागरुक किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वि/रा अंकुर श्रीवास्तव व अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव ने शहर के कई बूथों पर जाकरण बीएलओ के कार्यों की समीक्षा की और गली-गली भ्रमण कर मतदाताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने पीए सिस्टम के माध्यम से मतदाताओं से संवाद किया, फार्म भरकर जमा करने की अपील की ओर फार्म भरने में आ रही कठिनाईयों का समाधान कराते हुए कुछ फार्म मौके पर भी भरवाए। उन्होंने घर-घर दस्तक देकर मतदाताओं से बात की, माता, बहने व बुजुर्गों को एसआईआर का महत्व समझाया और अपील की कि वे अपने साथ-साथ आस पड़ोस के मतदाताओं को भी जागरुक करें। अधिकारियों ने पोलिंग बूथों पर एसआईआर कार्य की समीक्षा करते हुए बीएलओ को निर्देश दिये कि मृत, शिफ्टिड व डुप्लीकेट मतदाताओं का चिन्हांकन कर उन्हें अलग कर लें, इससे आपका काम आसान हो जाएगा और प्रत्येक फार्म पर कारण लिखते हुए हस्ताक्षर कर जमा करवा दें और तहसील स्तर से उसका अपडेट भी लेते रहें। इसके साथ ही उन्होंने कम प्रगति वाले बूथों पर कार्मिकों की संख्या बढ़ाते हुए घर-घर जाकर फार्म भरवाने हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया। चौकाबाग स्थित बिस्टोरिया अकेडमी में बीएलओ के द्वारा बताया गया कि बूथ सं0-413 पर 625 और बूथ सं0-412 पर 575 फार्म वितरित किये गए हैं, जिनमें से कुछ फार्म अभी आने बाकी है। एम्ब्रोसिया कॉलोनी व आसपास के क्षेत्र की प्रगति 28 प्रतिशत रही, जिसका कारण डुप्लीकेशी बताया गया, मौके पर कॉलोनी के प्रत्येक घर पर दस्तक देकर अधिकारियों ने मतदाताओं से फीडबैक लिया और आज ही फार्म भरकर जमा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों से भी आह्वान किया कि वे अपने स्तर से भी मतदाताओं को जागरुक करें। उ0प्रा0 विद्यालय चण्डीमाता मंदिर में 1000 में से 466 फार्म जमा बताए गए, नेशनल कॉन्वेट स्कूल में बूथ सं0-464 पर 1134 में से 960 फार्म भराये गए हैं, वहीं लिटिल फ्लॉवर स्कूल में 27 प्रतिशत प्रगति बतायी गई, जो सबसे कम है, इस पर अधिकारियों ने बीएलओ से कारण पूछते हुए अतिरिक्त कार्मिकों को तैनात किया और 3 दिवस में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये। नई बस्ती क्षेत्र में भ्रमण करते हुए कुछ मतदाताओं ने फार्म भरने में आ रही समस्याओं से अवगत कराया तो मौके पर ही उनका फार्म भरवाया गया, साथ ही मॉ शारदा इंटर कॉलेज में निरीक्षण के दौरान बताया गया कि बूथ सं0-461 पर 1164 में से 520 फार्म जमा हैं और बूथ सं0-460 पर 1292 में से 700 फार्म जमा बताए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी भूपेन्द्र सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका दिनेश कुमार विश्वकर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र मिश्र, कर निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

पच्चीस हजार का इनामिया बदमाश चढ़ा पुलिस के हत्थे

● इंडस कंपनी के मोबाइल टावर से उपकरण किये थे चोरी गिरार थाना पुलिस को मिली महत्वपूर्ण सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में मोबाइल फोन्स के टॉवरों से डिवाइस व अन्य उपकरण चोरी कर अलग-अलग स्थानों पर बेचकर लाखों रुपये कमाकर अय्याशी करने वाला शातिर बदमाश आखिरकार गिरार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पिछले वर्ष गिरार थाना पुलिस ने लिखित शिकायत पर एफआईआर दर्ज की थी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने पुलिस टीमों का गठन किया था। पुलिस टीम में इससे पूर्व चार अभियुक्तों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी। गौरतलब है कि इंडस मोबाइल टावर कंपनी की सहयोगी सिक्योरिटी कम्पनी एसआईबी सर्विसेज प्रा.लि. के फील्ड ऑफीसर रजनीश कुमार सिंह ने 19 जून 2024 को रात करीब 1.15 बजे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा टावर पर लगे हार्डवेयर, सीपीआर इत्यादि चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। प्रकरण में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 379 व 413 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। इस प्रकरण में एसपी मो.मुश्ताक की सख्ती और एएसपी कालू सिंह व सीओ मड़ावरा के.के. मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में पुलिस टीमों ने सर्विलांस पुलिस की मदद से चार अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार किया था। इसी प्रकरण में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामिया बदमाश उ.प्र. के जिला मुजफ्फरनगर के थाना मीरापुर अंतर्गत किथोड़ा निवासी साजिद पुत्र स्व.अकील को गिरार प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र कुमार ने अपनी टीम के साथ धर दबोचा है। साजिद ने पूछताछ में बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जो कि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में भी जाकर मोबाइल टावरों में लगे डिवाइस व सामान की चोरी कर अलग-अलग राज्यों में बेच देते थे, जिससे लाखों रुपये का मुनाफा होता था और यह लाखों रुपये आपस में बांट लेते थे।

आधा दर्जन से अधिक गांव के खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा पानी

●एलआरसी नहर का पानी हाईवे पार कराने व विद्युत आपूर्ति फुल वोल्टेज में कराने की मांग

●जिला पंचायत सदस्य कृष्णा मानसिंह ने जिलाधिकारी को भेजा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रवि की फसल बुवाई का काम इन दिनों पूरे चरम पर है। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कराये जाने की मांग को लेकर लगातार किसानों द्वारा आवाज उठायी जा रही है। इस सम्बन्ध में पूराकलां क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य कृष्णा मानसिंह ने एक पत्र जिलाधिकारी को भेजा है। उन्होंने किसानों को सिंचाई के लिए एलआरसी नहर का पानी हाईवे पार कराने एवं नियमित रूप से फुल वोल्टेज में विद्युत आपूर्ति कराये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन में बताया कि विकास खण्ड तालबेहट के ग्राम तिंदरा, वनगुवांखुर्द, कड़ेसरा बांसी, कड़ेसराखुर्द, राधापुर, करेंगा, सुनौरी, बुदावनी, चन्द्रापुर, खाँदी आदि के किसानों को एल.आर.सी. नहर का सिंचाई हेतु पानी 15 दिन गुजरने के बाद ककडारी के पास हाईवपार नहीं हुआ है जिससे क्षेत्र के किसानों की फसल सूख रही है। जबकि 21 दिन के अन्दर समस्त किसानों को पानी आपूर्ति कराया जाना रोस्टर में है। साथ ही विद्युत विभाग उपखण्ड 66 केवीए तालबेहट 33 केवीए पूराकलां द्वारा नियमित रूप से फुल वोल्टेज में विद्युत आपूर्ति नहीं की जा रही है। जबकि क्षेत्र के किसानों द्वारा अस्थाई नलकूप संयोजन लिए जा रहे है। किसानों को पर्याप्त विद्युत न मिलने से किसानों की फसल सूख रही है। एक ओर जहां बरसात की फसल किसानों की पैदा नहीं हुई है वही दूसरी ओर नहरों से सिंचाई व विद्युत आपूर्ति के आभाव में रवि की शुरुआती फसल में गुरवाना नहीं लग पा रहा है। जिससे फसल नष्ट होने की कगार पर है। उन्होंने जिला प्रशासन से किसान हित में अविलम्ब एल.आर.सी. नहर का पानी हाईवे पार कराते हुए तालबेहट क्षेत्र में विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति कराने की मांग उठायी है।

पूराकलां पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 वारंटी एवं वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरा बिरधा। पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक के निर्देशन में जनपद में अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पूराकलां पुलिस ने दो अलग-अलग कार्यवाहियों में कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पहली कार्रवाई में थाना पूराकलां पुलिस ने टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर दो वारंटी अभियुक्तों– सुनील पुत्र रतीराम (27 वर्ष) तथा मुकेश पुत्र बैताली (36 वर्ष), निवासीगण थाना पूराकलां, को गिरफ्तार किया। दोनों अभियुक्त एनबीडब्ल्यू केस संख्या 108/18, अपराध संख्या 36/17, धारा 323/504 भादवि में वांछित चल रहे थे। गिरफ्तार व्यक्तियों को विधिक कार्रवाई पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक सत्यदेव पाठक एवं कांस्टेबल विष्णु प्रताप सिंह की भूमिका रही। दूसरी कार्रवाई में थाना पूराकलां पुलिस ने वांछित अभियुक्तों की तलाश में क्षेत्र में भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर तत्काल घेराबंदी कर अनिल पुत्र प्रकाश यादव (28 वर्ष), निवासी भैसनारी कला एवं सोनू पुत्र सियाराम राजपूत (25 वर्ष), निवासी उगरपुर, को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से अवैध रूप से रखे गए एक हाफ पेटी, एक जोड़ी तोड़िया, 4 अदद बिछिया एवं एक तोड़िया (सभी सफेद धातु) बरामद किए हैं। अभियुक्त मु0अ0सं0 217/25, धारा 331(4)/305 बीएनएस में वांछित थे। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में रखते हुए रिमांड हेतु न्यायालय भेजा जा रहा है। इस टीम में उप निरीक्षक सत्यप्रकाश, हे.का. अमित निरंजन एवं कांस्टेबल भगवान सिंह शामिल रहे। पुलिस की लगातार की जा रही कार्रवाइयों से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति और मजबूत हुई है तथा वांछित अपराधियों पर निगरानी और अधिक तेज हो गई है।

चुनावी पारदर्शिता के लिए एसआईआर आवश्यक : प्राचार्य

●उन्नत भारत अभियान नेमवि में एसआईआर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नेहरू महाविद्यालय में उन्नत भारत अभियान के तहत एसआईआर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेमवि प्राचार्य प्रो.ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि जो विद्यार्थी मतदाता है एवं अपने परिवार एवं आस पड़ोस के मतदाताओं को एसआईआर फॉर्म भरने के लिए प्रेरित करें। जिन मतदाताओं ने अभी तक एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है, वह अपने-अपने बूथ के बीएलओ से मिलकर एसआईआर फॉर्म को तत्काल भर दें ताकि मतदाता सूची से वंचित न रह पाए। कोई भी मतदाता जानकारी के अभाव में या लापरवाही के कारण एसआईआर फॉर्म भरने से वंचित न रह पाए। उन्नत भारत अभियान के कोऑर्डिनेटर एवं कार्यक्रम संयोजक डा.संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी घर-घर जाकर आम जनमानस को को फॉर्म भरने के लिए जागरूक करें। मतदाताओं को सही तरीके से फॉर्म भरने के लिए मदद करे। उन्होंने कहा कि एसआईआर से मतदाता सूचियां में पारदर्शिता एवं सटीकता आएगी। जिससे चुनाव में होने वाली धांधली को रोका जा सकेगा और सही मतदाता का मतदाता सूची में समावेश सुनिश्चित होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा.सुधाकर उपाध्याय ने कहा कि एसआईआर फार्म भरवाने में विद्यार्थी उत्साह पूर्वक अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, जिससे कि लोकतंत्र को मजबूत किया जा सके। भारत अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने एवं निरंतर मूल्यों को विकसित करने में प्रयासरत रहा है। इस दौरान हिमांशु पटेरिया, सुहानी पटेल, आदया सोनी, शिवी मिश्रा, नैंसी विश्वकर्मा, मुस्कान, नैंसी, मोनिका, सोमिल, दिव्यांशी, काजल साहू, बेबी, उमा, सविता, सपना, बबली, प्रिंस, करिश्मा, निकिता, रूबी अहिरवार, काजल कुशवाहा, सजना कुशवाहा, दीपिका, कल्पना, मानसी पटेल, रामकुमार, रोशनी, दर्शिका साहू व आदित्य सोनी, मनीष बुनकर, धर्मेंद्र, सूर्यांश राजा, दिनेश, हरपाल, शिवम साहू, दीपक सिंह, राजेश कुशवाहा, रजनीश, साक्षी, निलेश कुमार, प्रिंस कुमार, अमानत, पवन, नैंसी व्यास, राजेश कुमार, पवन कुशवाहा सोनू आदि महाविद्यालय के सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संचालन डा.संजीव कुमार शर्मा ने व आभार डा.सुधाकर उपाध्याय ने व्यक्त किया।

दूसरे की उन्नति देख ईर्ष्या हो रही तो हम ईश्वर को पाने से दूर खड़े : कथाव्यास राधिका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाली । नगर पंचायत पाली में श्री हनुमान बगिया मन्दिर परिसर में बाल संत मधुसूदन शास्त्री जी के सानिध्य में संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन चल रहा है । सांध्यकालीन बेला में कथा व्यास राधिका जी धर्मसभा को सम्बोधित कर कथा का रसास्वादन करा रही है । कथा व्यास ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्री रामकथा लोगों को अपने कर्तव्यों का बोध कराती है । आज हर घर में राम जैसे बेटे की कामना की जाती है लेकिन राम के आदर्शों का पालन करना , उस पर चलने की सीख कोई नहीं देता । बच्चों को बचपन से श्री राम कथा का रसपान कराया जाए तो हर घर में राम जैसे बेटे मिलेंगे । दूसरों की उन्नति देकर ईर्ष्या आ रही हो तो समझो हम प्रभु के पाने के रास्ते से दूर खड़े है । परमधाम को पाने के लिए सबके मन में हदय में श्रीराम का वास होना जरूरी है । श्रीरामकथा के प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए कथाव्यास ने विश्वामित्र द्वारा राम- लक्ष्मण को अपने साथ ले जाने का बड़ा ही मनोरम वर्णन किया । महर्षि विश्वामित्र के आदेश मिलते ही प्रभु श्रीराम राक्षसी ताड़का का वध करते है । जिसके बाद ताड़का को अगस्त्य मुनि के श्राप से मुक्ति मिली व साथ ही इस कुरुप व नरभक्षी रूप से भी मुक्ति मिली। राम के अवतार में स्वयं भगवान विष्णु के द्वारा वध होने के कारण ताड़का को मोक्ष भी प्राप्त हुआ। महाआरती के साथ प्रसाद वितरण में श्रदालुओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया । श्रीरामकथा में महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया । इस अवसर पर राहुल सिंह बुंदेला , शिवाजी बुंदेला , आनन्द पटेल , देवकी पटेल , सिब्बे चौरसिया , आंनन्द चौरसिया , हरचरण चौरसिया , खेमचंद्र पटवारी , राजकूपर चौरसिया , देव चौरसिया आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

नगर पालिका अध्यक्ष का निरीक्षण, जमीनी हकीकत का लिया जायज़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नगर में निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) अभियान के तहत मतदाता सूची को अपडेट करने का कार्य लगातार चल रहा है। इसी अभियान का निरीक्षण करने नगर पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन स्वयं मैदान में उतरे और बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने वार्डों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद कर यह भी समझा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और संशोधन की प्रक्रिया कितनी सहज और व्यवस्थित है। अध्यक्ष सोनाली जैन ने अपने निरीक्षण के दौरान उपस्थित टीम को निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य एक अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है, जिसके माध्यम से लोकतंत्र की बुनियाद और भी अधिक मजबूत होती है। इसलिए इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने में कोई भी नागरिक पीछे न छूटे। विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं तथा महिलाओं का नाम ज़रूर जोड़ा जाए। निरीक्षण के दौरान बीएलओ गीता पंथ की मेहनत और कार्यशैली की विशेष चर्चा देखने को मिली। अभियान में गीता पंथ द्वारा अब तक पाँच सौ से अधिक फार्म भरने की जानकारी सामने आई, जिसे देखकर अध्यक्ष ने उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मठ कर्मचारी ही लोकतांत्रिक प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाते हैं। गीता पंथ ने बताया कि वह लगातार घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं की पहचान कर रही हैं ताकि कोई भी योग्य नागरिक नामावलियों में शामिल होने से वंचित न रहे। लोगों ने भी बताया कि निर्वाचन सूची से संबंधित सुविधाएं अब काफी आसान और पारदर्शी हो चुकी हैं। बीएलओ घर तक पहुँच कर आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दे रही हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में नाम जुड़वाने के प्रति उत्साह बढ़ा है। कई नागरिकों ने नगर पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी संवेदनशील कार्यशैली से आम जनता को काफी राहत मिली है। अध्यक्ष ने पूरे दल को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक सुविधा पहुँचे, यही सर्वोपरि उद्देश्य है। उन्होंने मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने पर जोर देते हुए कहा कि मृत व्यक्तियों के नाम हटाने और पते परिवर्तन जैसी सुधार प्रक्रियाओं को भी पूरी जिम्मेदारी से पूरा किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि वे समय रहते आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं और मतदान सूची में अपना नाम दर्ज कराना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के अंत में नगर पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन ने यह भी कहा कि यह अभियान केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों को सशक्त करने का महत्वपूर्ण कदम है। जब सभी पात्र नागरिक मतदान करेंगे तभी सही प्रतिनिधि चुनकर जनहित के कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन, बीएलओ और नागरिकों के संयुक्त प्रयास से यह पुनरीक्षण अभियान सफलतापूर्वक पूरा होगा और नगर की मतदाता सूची बेहतर, सटीक और पूर्ण रूप में तैयार हो सकेगी। बीएलओ गीता पंथ सहित सभी कर्मचारियों को कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए उन्होंने फिर कहा कि यह प्रयास लोकतंत्र की असली ताकत का प्रमाण है।

अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स में चमक रहे महरौनी के वरिष्ठ खिलाड़ी, सुविधाओं के अभाव में जूझने को मजबूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। मास्टर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 5 से 9 नवंबर 2025 तक आयोजित 23वीं एशिया मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देश-विदेश के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ललितपुर जनपद के महरौनी तहसील से दो वरिष्ठ खिलाड़ियों ग्राम खिरिया लटकनजू निवासी निहाल सिंह बुंदेला एवं ग्राम नैनवारा निवासी देवेंद्र पाल सिंह परिहार ने 75 से 80 वर्ष आयु वर्ग में भाग लेकर क्षेत्र का मान बढ़ाया। दोनों खिलाड़ियों ने हाई जंप, लॉन्ग जंप, 5 किलोमीटर फास्ट वॉक, 5 किलोमीटर रन और 10 किलोमीटर रन जैसे कठिन इवेंट्स में प्रतिभाग किया। इनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर आयोजन समिति ने इन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट प्रदान किए। गौरतलब है कि 75-80 वर्ष की उन्नत आयु में भी दोनों एथलीट लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। बावजूद इसके ग्रामीण पृष्ठभूमि से होने के कारण इन्हें किसी भी प्रकार की शासकीय सहायता या प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती। खेल मैदान, उचित उपकरण और प्रशिक्षण संसाधनों के अभाव में यह प्रतिभा अपने स्वयं के स्तर पर संघर्ष करती आ रही है। स्थानीय खेल प्रेमियों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन से इन्हें सहयोग, प्रोत्साहन और प्रशिक्षण के लिए बेहतर मंच प्रदान किया जाए, तो ये वरिष्ठ खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का परचम लहराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

संक्षिप्त खबरें

जनपद के 153 परीक्षा केन्द्रों की अनन्तिम सूची जारी, आपत्तियाँ 4 दिसम्बर तक ऑनलाइन प्रस्तुत करें

प्रतापगढ़। जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा ने बताया है कि माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. प्रयागराज द्वारा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं हेतु आनलाइन प्रक्रिया के अन्तर्गत बोर्ड द्वारा जनपद के 153 परीक्षा केन्द्रों का निर्धारित करते हुये अनन्तिम सूची जारी कर दी गई है। उन्होने जनपद के सभी विधिमान्य विद्यालयों के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों को सूचित किया है कि वे बोर्ड द्वारा जारी सूची में अपने विद्यालय के परीक्षार्थियों के केंद्र आवंटन एवं अवधारण का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर लें तथा यदि इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति/शिकायत हो तो संस्था के प्रधानाचार्य/प्रबन्धक युक्तियुक्त कारणों/साक्ष्यों सहित जनपदीय केन्द्र निर्धारण समिति के समक्ष निर्धारित प्रारूप में अपना प्रत्यावेदन आनलाइन माध्यमिक शिक्षा परिषद के पोर्टल ह्ववद्वह्यश्व.द्गस्रह्व.द्बठ्ठ पर दिनांक 04 दिसम्बर तक प्रस्तुत करें। निर्धारित तिथि के बाद कोई प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं होगा। यह भी सुनिश्चित हो लें कि विद्यालय में परीक्षा केन्द्रों की मानक दूरी विषयक एवं धारण क्षमता से अधिक आवंटन के सम्बन्ध में निर्धारित प्रारूप पर परिषद के पोर्टल पर उपलब्ध करायें, साथ ही पोर्टल पर उपलब्ध कराये गये प्रत्यावेदन की एक प्रतिboarde&ampbh2026@gmail.cm पर भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। पोर्टल पर किये गये प्रत्यावेदन ही मान्य होगें, किसी अन्य माध्यम से किये गये प्रत्यावेदन स्वीकार्य नहीं किये जायेगे।

सात वर्षीय बालक की क्रूरता पूर्वक हत्या

प्रतापगढ़। गांव में शादी समारोह में गये सात वर्षीय बालक की निर्ममता पूर्वक पीट-पीट कर हत्या कर लाश को खेत में फेंक दिया। सुबह खेत में बालक की लाश देख गांव में सनसनी फैल गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर आवश्यक साक्ष्य संकलन उपरांत शव को पीएम के लिए भेज दिया।एसपी दीपक भूकर एएसपी बृजनंदन रॉय आदि ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। अंतू थाना के चौबेपुर गांव में रविवार की रात शादी समारोह मे बाबू लाल वर्मा का सात वर्षीय पुत्र यश वर्मा गया था, जहां से वह देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिजन खोजबीन शुरू कर दिये लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने बालक की लाश खेत में देखने पर सनसनी फैल गई और देखते-देखते ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का बैरिकेटिंग करके फोरेंसिक टीम को बुलाकर आवश्यक साक्ष्य संकलन उपरांत शव को पीएम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक बालक के शव के हाथ टूटे थे और पीट पीट कर क्रूरता पूर्वक हत्या की गई हो।एसपी दीपक भूकर एएसपी बृजनंदन राय समेत नगर सीओ ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सख्त कार्रवाई के आदेश दिये।पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

विशेष पुनरीक्षण अभियान में योगदान के लिए बीएलओ हुए सम्मानित

लालगंज, प्रतापगढ़। विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एसडीएम ने तहसील क्षेत्र में तैनात कुल 15 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने सोमवार को भी रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया। एसडीएम ने अभियान में सौ प्रतिशत सफलता के लिए प्राथमिक विद्यालय पूरे भगवत बूथ पर बीएलओ के रूप में तैनात रोजगार सेवक राहुल कुमार शुक्ल, नरायनपुर की शिक्षामित्र प्रियंका, आंगनबाड़ी कार्यकत्री खैरा पूरे छेमी की सविता देवी, मकदूमपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री माधुरी देवी समेत 15 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अभियान को लेकर एसडीएम ने सोमवार को तहसील क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर पहुंचकर संचालित कार्रवाई का जायजा लिया। एसडीएम ने अभियान से जुड़े कार्मिकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर मतदाता प्रपत्र को हर दशा में पूर्ण कराए जाने के कडे निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी ने धान क्रय केन्द्रों का किया निरीक्षण

● क्रय केन्द्रों पर कृषकों के धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो-जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत विपणन शाखा एवं पीसीएफ संस्था के विभिन्न धान क्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया गया है। डीएम ने विपणन शाखा केन्द्र मण्डी प्रथम व द्वितीय, पीसीएफ-बी0 पैक्स फेनहा एट क्रय विक्रय महुली, विपणन शाखा केन्द्र बाबाबेलखरनाथ धाम व विपणन शाखा केन्द्र बाबाबेलखरनाथ धाम करमाही का निरीक्षण किया। विपणन शाखा केन्द्र मण्डी प्रथम के निरीक्षण के समय मौके पर केन्द्र प्रभारी अखिलेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी उपस्थित मिलें। अभी तक 378.44 मी0टन खरीद 78 कृषकों से धान क्रय किया गया है। डीएम ने खरीदे गये धान का सुरक्षित भण्डारण करते हुये शीघ्र सम्बद्ध मिलों पर धान का प्रेषण प्राथमिकता पर किये जाने हेतु निर्देशित किया और कहा कि किसानों की संख्या बढ़ायी जाय, सीमान्त कृषकों का धान अधिक से अधिक खरीद करें। मण्डी परिसर में विपणन शाखा के मण्डी द्वितीय केन्द्र का निरीक्षण किया गया। उस तिथि तक 363.76 मी0टन धान 62 कृषकों से क्रय किया गया है। निरीक्षण के समय कृषक रति यादव ग्राम सराय जंगुवारी की 60 से 70 कु0 की तौल चल रही थी। देय भुगतान 107.9 लाख के सापेक्ष 80.79 लाख का भुगतान पूर्ण है। डीएम ने निर्देशित किया कि क्रय केन्द्र पर कृषकों के धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो। पीसीएफ-बी0 पैक्स फेनहा एट क्रय विक्रय महुली के निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी सौरभ पाण्डेय सचिव केन्द्र पर उपस्थित मिले। केन्द्र पर धान डम्प हो जाने के कारण खरीद नहीं की जा रही थी। केन्द्र पर क्रीत धान 2740.00 कु0 धान डम्प है।जिलाधिकारी द्वारा धान प्रेषण सम्बद्ध मिलों पर नियमानुसार अति शीघ्र किये जाने हेतु निर्देशित किय गया। विपणन शाखा केन्द्र बाबाबेलखरनाथधाम के निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी संजय कुमार शुक्ल, विपणन निरीक्षक उपस्थित मिले। जिलाधिकारी द्वारा बॉट रखवाकर कांटे का सत्यापन किया गया। केन्द्र पर वॉल पेंटिंग न पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई तथा अब तक वॉल पेंटिंग न कराये जाने के सम्बन्ध में कारण भी पूछा गया। केन्द्र प्रभारी को केन्द्र की दीवार पर जानकारियां अंकित कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार विपणन शाखा केन्द्र बाबा बेलखरनाथधाम करमाही के निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी संजय कुमार शुक्ल उपस्थित पाये गये। मौके पर कृषक उमानाथ ग्राम करमाही की लगभग 40 कुंठा की तौल चल रही थी। केन्द्र पर 02 इलेक्ट्रानिक कांटा, बैनर, डस्टर उपलब्ध पाया गया। केन्द्र पर 3526.60 कु0 धान 66 कृषक से क्रय किया गया है। केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया गया कि नियमानुसार धान की तौल करायें। श्रमिक पंजिका, क्रय किये गये कृषकों का रजिस्ट्रेशन प्रपत्र, आधार कार्ड एवं बैंक विवरण की छाया प्रति उपलब्ध रखा जाय। क्रीत धान के देय भुगतान 103.53 लाख के सापेक्ष 76.63 लाख का भुगतान पूर्ण है। क्रय नीति के अनुसार केन्द्र पर नियमानुसार धान खरीद हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला खाद विपणन अधिकारी जितेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

नगर विकास व ऊर्जा मंत्री ने बिजली बिल राहत योजना का सब स्टेशन कुण्डा में किया शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सरकारी योजना बिजली बिल राहत योजना 2025-26 का 33/11केवी विद्युत उपकेंन्द्र कुंडा में शुभारम्भ किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह योजना ऊर्जा उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक राहत प्रदान करने तथा बकाया बिलों के निस्तारण को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। प्रदेश सरकार ने सदैव आम जनता के हितों को प्राथमिकता में रखते हुए विकास एवं ऊर्जा क्षेत्र में अनेक जनकल्याणकारी नीतियों को लागू किया है। प्रदेश के ऊर्जा उपभोक्ताओं को सीधी राहत देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होने कहा कि यह योजना 01 दिसम्बर से 28 फरवरी 26 तक तीन चरणों में लागू रहेगी। प्रथम चरण 01 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, द्वितीय चरण 01 जनवरी से 31 जनवरी व तृतीय चरण 01 फरवरी से 28 फरवरी तक रहेगी। इस योजना के उद्देश्य नेवर पेड और लॉन्ग अनपेड बिजली उपभोक्ताओं को बकाया बिलों में राहत देना और बिजली चोरी के सभी मामलों में राजस्व निर्धारण में छूट प्रदान कर प्रकरणों को समाप्त करना है। ऊर्जा मंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विशेष रूप से धन्यवाद और श्रेय देते हुए कहा कि उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का यही संवेदनशील दृष्टिकोण इस योजना की प्रेरणा रहा है।मंत्री ने सभी बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की कि वे इस अवसर को हाथ से न जाने दें और पंजीकरण कर योजना का लाभ उठायें। शुभारंभ समारोह में ऊर्जा मंत्री ने पहले पंजीकरण करने वाले पांच उपभोक्ताओं को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।उन्होने कहा कि जिले के लाखों बिजली उपभोक्ताओं को इस योजना से सहूलियत मिलेगी, ब्याज में शत प्रतिशत छूट व बकाए बिल के मूलधन में 25 प्रतिशत की छूट बकाएदारों को मिलेगी, तीन चरण की यह योजना 28 फरवरी को समाप्त होगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लोगों से अपील किया कि इस योजना का अधिक से अधिक लोग लाभ उठायें। इस बार बिजली विभाग ने योजना के तहत बकायेदारों को 100 प्रतिशत ब्याज की छूट के साथ मूल बिल में भी 25 प्रतिशत की छूट देने की पहल की है। इस बार एक किलोवाट व दो किलोवाट घरेलू व कामर्शियल कनेक्शन के लिये ही यह पहल की गई है। प्रथम चरण, द्वितीय चरण व तृतीय चरण में इस योजना को बांटा गया है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता अपने बिजली उपकेंद्र, विशेष कैंप व सहज जन सेवा केंद्र पर रजिस्ट्रेशन कराकर बिल जमा कर सकते हैं। इस अवसर पर पूर्वान्चल बहुत एमडी शम्भु कुमार ने कहा कि पूर्वान्चल में कुल 21 जनपद पड़ते है जिसमें 58 लाख ऐसे उपभोक्ता पाये गये जिनको सीधे बिजली बिल राहत योजना का लाभ मिल सकता है। उन्होने विद्युत विभाग को अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा और लगन के साथ कार्य करें। सभी पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ शत् प्रतिशत दिया जाय। प्रथम चरण में कैम्प लगाकर अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिया जायेगा। उन्होने जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को प्रेरित करें जिससे योजना का लाभ अधिक से अधिक लोग उठा सके। इस अवसर पर मुख्य अभियन्ता प्रयागराज अशोक सिंह, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत छैल बिहारी, अधिशासी अभियन्ता कुण्डा राजेश कुमार मिश्र, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अन्य पार्टी पदाधिकारीगण व सम्भ्रान्त लोग लोग उपस्थित रहे।

एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने का छात्रों ने लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में विश्व एड्स दिवस पर सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह ने एड्स के कारण, लक्षण, बचाव एवं सामाजिक जागरूकता पर विस्तार से चर्चा किया। कहा कि इस गंभीर बीमारी से समय पर जांच, सावधानी और जागरूकता से बचाव संभव है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे समाज में इस विषय पर खुलकर चर्चा करें और भेदभाव को समाप्त करें, ताकि एड्स पीड़ितों को सम्मानजनक जीवन मिल सके द्य एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने कहा कि सही जानकारी, सावधानी और संवेदनशीलता ही इस बीमारी से लड़ने के प्रभावी उपाय हैं। उन्होंने युवाओं को जागरूकता फैलाने और एड्स पीड़ितों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉ. राम किशोर सिंह, डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. शिष्टपाल, मनीष सहित छात्र-छात्राएं करिश्मा, खुशी, चांदनी, सर्वेश, सुभाष आदि उपस्थित रहे।

3 दिसंबर को ब्राह्मण महामंडल महरौनी की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह, तैयारियां हुई पूर्ण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। ब्राह्मण समाजोत्थान सेवा संस्थान (रजि.) के तत्वाधान में ब्राह्मण महामंडल विधानसभा क्षेत्र महरौनी की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 3 दिसंबर को दोपहर 12 बजे नगर स्थित बाजपेई मैरिज गार्डन में आयोजित होगा। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह समारोह जिले के सम्माननीय संतों के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महंत श्री रामलखन दास जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी श्री चंद्रशेखर गिरी जी महाराज, महामंडलेश्वर श्री राधामोहन दास जी महाराज तथा महंत श्री बलराम पुरी जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति निर्धारित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. प्रताप नारायण दीक्षित (पूर्व जिलाध्यक्ष, ब्राह्मण महामंडल ललितपुर) करेंगे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने महरौनी तहसील के समस्त विप्र समुदाय से समय से पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के उपरांत सहभोज का आयोजन भी रखा गया है। यह आयोजन क्षेत्र में ब्राह्मण समाज की एकता, संगठन तथा जागरूकता को नई दिशा देने वाला सिद्ध होगा।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली गयी रैली तथा संगोष्ठी का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सीएमओ कार्यालय से एक जागरूकता रैली का अयोजन किया गया। एड्स जागरूकता रैली को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 एएन प्रसाद ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डा0 राजेश कुमार, डा0 मनोज खत्री नोडल एआरटी/एसएसके, डा0 राकेश त्रिपाठी चिकित्सा अधिकारी एआरटी केन्द्र, आईसीटीसी परामर्शदाता, लैब टेकनीशियन, एआरटी स्टाफ, एनटीईपी स्टाफ एवं जिले में संचालित हो रहे स्वं सेवी संस्थाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। यह रैली श्रीराम चौराहा, चौक घण्टा घर होते हुये मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर समाप्त हुयी।विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी के शास्त्री सभागार में किया गया जिसमें इस वर्ष के कार्यक्रम का थीम 'बाधाएं होगी दरकिनार एचआईवी और एड्स पर होगा सशक्त प्रहार' विषय पर चर्चा हुयी। संगोष्ठी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि सही जानकारी एवं बचाव के द्वारा एड्स जैसी भयावह बीमारी से बचा जा सकता है एवं जिले में संचालित हो रहे एड्स कार्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। संगोष्ठी में जिला क्षय रोग अधिकारी डा0 राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पुरूष चिकित्सालय डा0 शैलेन्द्र कुशवाहा एवं एआरटी चिकित्सा अधिकारी डा0 राकेश त्रिपाठी द्वारा एड्स विषय पर जानकारी दी गयी।

संसद सत्र में विधेयक को पास करने की मांग को लेकर अभियान हुआ तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। संसद के शुरू हुए शीतकालीन सत्र में अधिवक्ता सुरक्षा विधेयक को पारित कराये जाने की मुहिम को लेकर सोमवार को भी कचेहरी में वकीलों को तेवर में देखा गया। आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएसन के बैनरतले राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल एवं राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी महेश की संयुक्त अगुवाई में विधेयक के मसौदे पर अधिवक्ताओं के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अधिवक्ताओं के बीच जागरूकता अभियान को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि संसद का सत्र शुरू हो गया है। केन्द्र सरकार को इसी सत्र में अन्य विधेयको के साथ अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक भी पेश करना चाहिए। उन्होने कहा कि शीतकालीन सत्र में सरकार यदि विधेयक नहीं ले आयी तो अधिवक्ता इस मुद्दे को लेकर आंदोलन को तेज करेंगे। राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी महेश ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर सरकार व प्रशासन का उदासीन रवैया बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होने कहा कि सुरक्षा विधेयक में एसोसिएशन के द्वारा निर्धारित मसौदे में युवा अधिवक्ताओ के लिए कल्याणकारी कई कदमों तथा बुजुर्ग अधिवक्ताओं की पेंशन का भी मसौदा शामिल किया गया है। कलेक्ट्रेट व दीवानी परिसर में दोपहर बाद से दिन भर हुए अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान को अधिवक्ताओं का उत्साहजनक समर्थन भी देखने को मिला। अभियान का संयोजन एसोसिएसन के जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा ने किया। इस मौके पर जेपी मिश्र, इरफान अली, श्यामशंकर त्रिपाठी, राममिलन शुक्ल, राकेश त्रिपाठी, सच्चिदानंद शुक्ला, विनोद तिवारी, दिनेश सिंह, गौरव तिवारी, वसीमुददीन, बैजनाथ यादव आदि अधिवक्ता रहे।

ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउन्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री के रिक्त पदों हेतु समय सारिणी जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउन्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के रिक्त पदों पर चयन हेतु समय सारिणी जारी कर दी गयी है। उन्होने बताया है कि 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर तक ग्राम पंचायतों द्वारा आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी करायी जायेगी। 08 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि निर्धारित है। 16 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक जिला पंचायत राज अधिकारी, विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जायेगा। 22 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की मेरिट लिस्ट तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जायेगा एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जायेगा। 01 जनवरी से 07 जनवरी तक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण संस्तुति की जायेगी।08 जनवरी से 15 जनवरी तक ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत करने की कार्यवाही की जायेगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 : जिले में 94 केंद्र बने संभावित परीक्षा केंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 की तैयारियों को लेकर जिले में परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की ओर से जिले के 94 विद्यालयों की प्रारंभिक सूची जारी की गई है। इस सूची पर दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने के लिए चार दिसंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद सूची की समीक्षा कर अंतिम प्रस्ताव परिषद को भेजा जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि परिषद की ओर से भेजी गई यह सूची प्रारंभिक है और परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के लिए पहला चरण माना जाता है। यदि किसी विद्यालय को सूची में शामिल किए जाने या हटाए जाने पर आपत्ति है, या विद्यालय की क्षमता, संसाधन या रिकॉर्ड में त्रुटि है, तो संबंधित संस्था निर्धारित तिथि चार दिसंबर तक दावा एवं आपत्ति दर्ज करा सकती है। जिला प्रशासन की संस्तुति के बाद अंतिम प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा परिषद को भेजा जाएगा। परिषद द्वारा स्वीकृति मिलने पर परीक्षा केंद्रों की अधिकृत सूची जारी की जाएगी। सभी विद्यालय के प्रबंधक और प्रधानाचार्य निर्धारित प्रारूप में समय पर दावा-आपत्ति, आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय में जमा करें, ताकि परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सके।

भाई ने की शिकायत तो दबंग ने दूसरे भाई को पीटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट क्षेत्रांतर्गत ग्राम मुकटौरा में रहने वाले अजय पुत्र राजेन्द्र कौशिक ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 28 नवम्बर को शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में गांव के प्रीतम यादव पुत्र श्रीराम के घर तक पहुंचा ही था, तभी चाली यादव पुत्र पहलवान सिंह अपने आधा दर्जन से अधिक साथियों के साथ गालियां देते हुये बोला कि उसके भाई अमित ने उसकी शिकायत की है, जिससे वह उसे नहीं छोड़ेगा। विरोध करने पर चाली यादव ने अपने साथियों के साथ एकराय होकर उसके साथ मारपीट कर दी। शोरगुल सुनकर प्रीतम यादव ने आकर उसे बचाया। आरोप है कि उक्त लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 351 (3), 352, 115 (2), 191 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

किशोरी के अपहरण में आधा दर्जन पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी के अपहरण व धमकी को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की पीड़ित मां ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती 29 नवंबर की रात करीब नौ बजे उसकी चौदह वर्षीया पुत्री घर से शौच के लिए निकली थी। आरोप है कि इसी दौरान अमेठी जनपद के शकरावा गौरीगंज निवासी आरोपी मंसूर अली पुत्र मकबूल अली बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि जानकारी होने पर पीड़ित मां आरोपी के घर पहुंचकर पूछतांछ की तो आरोपी के पिता मकबूल, उसकी पत्नी कम्मू तथा पुत्रगण संजय व राजू व पुत्री गुड़िया ने गालीगलौज करते हुए धमकी दी तथा भगा दिया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र में जल बोर्ड गुलाबी बाग का कार्यालय बना दलालों का अड्डा

पटेल नगर नई दिल्ली द्वारा बताया गया कि विधानसभा में एक अद्भुत दृश्य देखने को मिल रहा है जहां चुने हुए प्रतिनिधियों के कार्यकर्ता इस समय पानी की दलाली करते खूब देखे जा रहे है जिनके इशारे पर जल की सप्लाई क्षेत्र में की जा रही है। सबसे बड़े स्तर पर पानी के दलाल गुलाबी बाग पम्प पर इकट्ठा होते हैं यही से कॉलोनी में टैंकर से पानी की सप्लाई होती है। जल बोर्ड के टैंकर ड्राइवर जिसमें बड़ी भूमिका निभाते है और जनता से पैसा लेकर इंट्री करने वालों तक पहुंचाते है जिसके बाद बिना किसी देरी जनता को पानी जल बोर्ड बेचता हैं इसमें हिस्सा जल बोर्ड के अधिकारियों का भी जरूर होता होगा क्योंकि जल बोर्ड के किसी भी अधिकारी से जनता इसकी शिकायत कर ले कोई सुनने वाला नहीं है।जनता द्वारा इसकी जानकारी समय समय पर विधायक जी को भी दी जा चुकी है लेकिन विधायक जी द्वारा कोई कार्यवाही अभी तक नहीं की गई है। यह कारोबार जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों और जल बोर्ड के कर्मचारियों के मिली भगत से खूब फल फूल रहा है।पानी के लिए दर दर भटक रही जनता अंततः पानी खरीद कर पीने को मजबूर है और जल बोर्ड के कर्मचारी पानी बेचने में मशगूल है। अगर जल बोर्ड जनता को पानी नहीं दे सका तो जनता का आक्रोश कभी भी जल बोर्ड के कर्मचारियों पर फूट सकता है।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर नर्सिंग स्कूल के बच्चों ने निकाली जागरुकता रैली

आजमगढ़। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आज नर्सिंग स्कूल आजमगढ़ के छात्र-छात्राओं द्वारा एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य आमजन को एचआईवी / एड्स के प्रति जागरूक करना, इसके रोकथाम, बचाव के उपाय तथा सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना था। रैली की शुरुआत नर्सिंग संस्थान परिसर से हुई, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस विद्यालय परिसर में समाप्त हुई। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्लोगन बैनर, पोस्टर और जनजागरूकता नारों के माध्यम से लोगों को एड्स से बचाव से संबंधित महत्वपूर्ण संदेश दिए, जैसे– 'एड्स से डरें नहीं, बचाव करें', 'जागरूक रहें, स्वस्थ रहें', 'जानकारी ही सुरक्षा है' आदि। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकगण एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि एचआईवी/एड्स जागरूकता ही सबसे प्रभावी हथियार है, और इसकी रोकथाम के लिए सुरक्षित व्यवहार, समय पर परीक्षण तथा संक्रमित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान आवश्यक है। रैली में बड़ी संख्या में नर्सिंग विद्यार्थी, शिक्षक एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी शामिल रहे।

बैनामा की जमीन पर दबंग का कब्जा पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से की शिकायत

आजमगढ़। राहुल चौरसिया पुत्र रामकृपाल चौरसिया, ग्राम गोपालपुर, थाना-मेंहनगर, जनपद-आजमगढ़,ने गाटा सं0 370 में 2 विस्वा जमीन लगभग 3 साल पहले सुधांशू सिंह पुत्र नन्दगोपाल ग्राम गोपालपुर, थाना-मेंहनगर, जनपद-आजमगढ़ से खरिदा था उक्त जमीन पर कब्जा व दिवाल खड़ी किया है और जमीन पर मेरा कब्जा है। विपक्षी सुधांशू सिंह पुत्र नन्दगोपाल तथा शिवसहाय, सुगन्ध सिंह ने दिनांक 24.10.2025 को मेरी बाउण्ड्रीवाल तोड़ दिया था। जिसके बावत स्थानीय थाना मेंहनगर में मु0अ0सं0-482/2025 दर्ज है। पुनः दिनांक 26.11.2025 को उपरोक्त विपक्षीगण गोलबन्द होकर हम प्रार्थी की बाउण्ड्रीवाल को पुनः ध्वस्त कर दिया। सुबह थाने पर पुनः तहरीर लिखकर दिया। दिनांक 27.11.2025 को रात्री में तीसरी बार दिवाल ध्वस्त किया गया। विपक्षीगण के चहारदीवारी को समाप्त करके अवैध कब्जा करना चाहते है। आये दिन विपक्षीगण हमे जान से मारने की व गाली गुप्ता तथा साजिश की जा रही है। थाने की मिलीभगत की वजह से स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही किया गया है। तब मजबूर होकर पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ से लगाई न्याय की गुहार।

केरल CM के साथ उनके मंत्री पर ED का एक्शन, 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन मामले में कारण बताओ नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। ईडी ने मसाला बांड मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआइआइएफबी) के अधिकारियों को 466.91 करोड़ रुपये के कथित विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) उल्लंघन के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीएम के अलावा ईडी ने पूर्व वित्त मंत्री थामस इसाक और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव केएम अब्राहम को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। केरल की सत्तारूढ़ माकपा ने ईडी की इस कार्रवाई को ''राजनीतिक से प्रेरित'' करार दिया और दावा किया कि यह राज्य की जनता के लिए एक चुनौती है।

पार्टी ने ED की आलोचना की

पार्टी के प्रदेश सचिव एमवी गोविंदन ने ईडी की आलोचना करते हुए कहा कि नोटिस उनके ''राजनीतिक खेल'' का हिस्सा है। इसाक ने आरोप लगाया कि राज्य में चुनाव नजदीक हैं और ईडी केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए प्रचार कर रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने भी आरोप लगाया कि यह केंद्र द्वारा माकपा के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ''भाजपा समर्थक'' रुख अपनाने के लिए ''मजबूर'' करने का एक प्रयास है। बहरहाल, अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह नोटिस 12 नवंबर को फेमा के तहत स्थापित 'नामित प्रवर्तन निदेशालय निर्णायक प्राधिकरण' द्वारा जारी किया गया था। केआइआइएफबी के अध्यक्ष के रूप में 80 वर्षीय विजयन, बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में केरल के पूर्व वित्त मंत्री इसाक और केआइआइएफबी के सीईओ के रूप में अब्राहम को नोटिस जारी किए गए हैं।

अधिकारियों ने क्या बताया?

अधिकारियों ने बताया कि यह नोटिस केआइआइएफबी और उसके अधिकारियों द्वारा फेमा प्रविधानों और आरबीआइ के मुख्य निर्देशों के कथित उल्लंघन से संबंधित है, जिसकी राशि 466.91 करोड़ रुपये है। हालांकि, राज्य सरकार ने इस मामले में किसी भी गड़बड़ी से इन्कार किया है। ईडी अधिकारियों ने बताया कि केआइआइएफबी एक कार्पोरेट निकाय है जिसने 2019 में ईसीबी (बाह्य वाणिज्यिक उधार) के तहत बांड के माध्यम से 2,672.80 करोड़ रुपये जुटाने के लिए लंदन और सिंगापुर स्टाक एक्सचेंजों में 'मसाला बांड' जारी किया था।

मजदूर संघ ने खनन क्षेत्र में लगे श्रमिकों की समस्याओं का मुद्दा उठा डीएम को सौपा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- मजदूर संघ ने जिले में संचालित मौरम खनन क्षेत्रो में श्रमिकों के अधिकारों का हनन करने आरोप लगाते हुए सोमवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों के साथ हो रहे शोषण पर ठोस कार्यवाही करनें की मांग को लेकर जिलाधिकारी घनश्याम मीना को शिकायती पत्र सौपा है। भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष शिवशरण सिंह के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया कि जनपद में संचालित मौरम खंडों में लगातार अवैध खनन किया जा रहा है। गाडियों को ओवरलोड भरकर जिले की प्रमुख सड़कों से निकाला जा रहा है। बताया कि खनन क्षेत्रों में श्रमिकों द्वारा बगैर किसी सेफ्टी के निरन्तर कार्य कराया जा रहा जिसमें उनकी सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है, उनसे आठ घंटे से अधिक कार्य लिया जा रहा है तथा उन्हें किसी भी प्रकार का साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जाता है।बताया कि कार्यस्थल पर श्रमिकों ने उनसे बताया कि उनको खदान में कार्य करने से पहले किसी भी प्रकार का कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है और न ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है। उन्होंने खंड संचालकों पर आरोप लगाते हुए कहा कि श्रमिकों के अधिकारों का हनन करते हुये उनको कार्य न देकर बड़ी बड़ी पोकलैंड मशीनों द्वारा खनन / लोडिंग का कार्य दिन रात में लगातार कराया जा रहा है। उन्होंने प्रकरण की उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच कराकर कार्यवाही करने की मांग की है। इस दौरान ब्रजेश कुमार बादल,दिनेश कुमार, लालाराम भारती, महेश कुमार आदि संघ के कार्यकर्त्ता मौजूद रहें।

किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

हमीरपुर :- ललपुरा थाना क्षेत्र के पैथिया गांव में किशोरी ने फांसी लगाकर जान दी परिजनों में छाया मातम। ललपुरा थाना क्षेत्र के पैथिया गांव निवासी जगदीश ने बताया कि मैं ड्यूटी करने चला गया था पत्नी गांव में कहीं चली गई थी तभी बेटी नीशू 16 अज्ञात कारण के चलते सूना घर पाकर आंगन में लोहे की नसेनी में साड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं पास में एक कागज में मोबाइल नंबर लिख कर रख गई है। सूचना पर मौके पर पहुंची फील्ड यूनिट टीम ने जांच की ललपुरा पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ललपुरा थाना प्रभारी राकेश कुमार सरोज ने बताया भौतिक सूचना के आधार पर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण जाम का वीडियो वायरल

● जाम में मरीजों के साथ फंसे लोगों ने प्रशासन पर उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार तड़के लगे भीषण जाम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को एक महिला ने रिकॉर्ड किया, जो अपनी छोटी बच्ची के साथ घंटों से जाम में फंसी हुई थी। महिला ने प्रशासन और पुलिस की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठाए हैं। 1 मिनट 58 सेकंड के इस वीडियो में महिला बताती है कि वह लगातार एक घंटे से यूपी-112 पर फोन कर मदद मांग रही है, लेकिन किसी तरह की सहायता नहीं मिली। उसने आरोप लगाया कि पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) के कर्मी भी जाम न खुल पाने के कारण अपनी गाड़ी में बैठे हैं और यातायात सुचारू कराने के प्रयास नजर नहीं आ रहे। महिला की नाराजगी साफ दिखती है, क्योंकि वह छोटे बच्चे के साथ भीषण जाम में फंसी है और उसे नहीं पता कि वह अपने गंतव्य तक कब पहुंचेगी। वीडियो राठ तिराहे से बेतवा नदी पुल के बीच का बताया जा रहा है, जहां रविवार तड़के वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। इस दौरान यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई बसों में बैठे लोगों को मजबूरी में पैदल चलना पड़ा, जबकि कई बारातें भी समय पर नहीं पहुंच सकीं। शादी-ब्याह के सीजन में इस मार्ग पर जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है। भारी ट्रैफिक, ट्रकों की धीमी आवाजाही और सड़क किनारे लगी दुकानों के कारण यातायात अक्सर बाधित रहता है। जाम की वजह से स्कूली बच्चे, दैनिक यात्री और एंबुलेंस में मौजूद मरीजों तक को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वायरल वीडियो में एक एंबुलेंस को भी जाम में फंसा देखा गया, जिसने लोगों की चिंता और बढ़ा दी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शादी के मौसम में विशेष रूप से इस मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए और अवैध पार्किंग एवं अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण-बलराम की बाल लीलाओं का मनोहर वर्णन, पंडाल भक्तिमय हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सुमेरपुर कस्बा में श्री गायत्री महायज्ञ की 68वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और बलराम की मनोहर बाल लीलाओं का विस्तृत वर्णन किया गया। कथा स्थल पर सुबह से ही भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी, जिससे पंडाल समय से पहले ही श्रद्धालुओं से भर गया। कथा व्यास दुर्गा प्रसाद द्विवेदी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार देवकी-वासुदेव के घर जन्म लेने के बाद नंदगाँव में पहुंचकर बालकृष्ण ने यशोदा मैया और नंद बाबा के आँगन को अपना माधुर्य प्रदान किया। इसके बाद उन्होंने श्रीकृष्ण और बलराम के नामकरण संस्कार का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि भगवान के अनेकों नाम हैं, किंतु 'श्रीकृष्ण' नाम यशोदा मैया द्वारा रखा गया होने के कारण सबसे अधिक प्रिय और प्रचलित है। कथा व्यास ने आगे श्रीकृष्ण की विविध बाल लीलाओं–माखन चोरी, ग्वाल बालों के साथ उनकी चंचल हरकतें और पूतना वध जैसे प्रसंगों का विस्तार से उल्लेख किया। इन प्रसंगों को सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भक्ति और भावनाओं से परिपूर्ण हो गए। कथा के दौरान बार-बार 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक और अलौकिक हो उठा। कथा सुनने के लिए महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी संख्या मौजूद रही। कई भक्त परिवार सहित पहुंचे और कथा पंडाल के बाहर लगे भंडारे और प्रसाद वितरण में भी शामिल हुए। इसी अवसर पर लगे मेले में भी कस्बे के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। झूले, खिलौनों की दुकानें, खाद्य स्टॉल और अलग-अलग आकर्षणों ने मेले को उत्सव जैसा माहौल प्रदान किया। बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

18 वीं बिहार विधानसभा के नव निर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दिया- प्रमोद कुमार पटेल

गोपालगंजः गोपालगंज बिहार प्रदेश जनता दल युनाइटेड के प्रदेश महासचिव सह पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने नव गठित 18 वीं बिहार विधानसभा के नव निर्वाचित सभी सदस्यों को आज विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर आदरणीय नरेंद्र नारायण यादव द्वारा विधानसभा सदस्य के रूप मे पद एठं गोपनीयता की शपथ दिलाने पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मङ्गल पांडेय, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, ग्रामीण विकास एठं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार, अमरेंद्र कुमार पांडेय, मंजीत कुमार सिंह, मिथिलेश तिवारी, रामसेवक सिंह, सुबास सिंह, इंद्रदेव सिंह, हेमनारायण साह, भीष्म प्रताप सिंह, सहित सभी 243 विधायको को शपथ ग्रहण करने पर बधाई एवं उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दिया है श्री पटेल ने कहा कि मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पांच साल का सफल कार्यकाल पुरा होगा और विकास, रोजगार, नौकरी, उधोग के क्षेत्र में बिहार की प्रगति होगी।

भारतीय सिन्धु सभा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

चित्रकूटः भारतीय सिन्धु सभा द्वारा सोमवार को संगठन की मजबूती और विस्तार को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बांदा और चित्रकूट जिलों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिसमें संगठन को सक्रिय करने और आगामी आयोजनों पर चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं से आगामी 27 और 28 दिसंबर को कानपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में शामिल होने का आग्रह किया गया। बैठक में संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ बनाने, कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर बैठक में जिलाध्यक्ष राजीव लगानी, अशोक अगनानी, साई अमरलाल, प्रेमचंद आहूजा, नरेश कुमार, मोतीराम लालवानी, राजीव लखमानी, भास्कर आसवानी, मुनिराज ज्ञानचंदानी, दीपक अंशवानी, गिरधारी चंदानी, गोविंद खत्री समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नहर पुलिया के पास मिला व्यक्ति का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

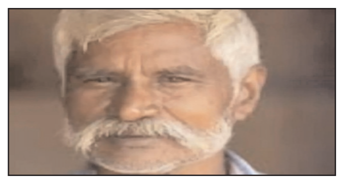

हमीरपुर :- राठ तहसील के तुनका गांव में रविवार शाम नहर की पुलिया के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय खेमचंद पुत्र राजाराम निवासी तुनका के रूप में हुई है। घटना शाम करीब 7 बजे की बताई जा रही है। मृतक के बेटे चंद्रपाल ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के मुताबिक, खेमचंद मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते थे और शराब पीने के आदी भी थे। परिवार के अनुसार, वह पिछले आठ दिनों से घर से लापता थे। बेटे चंद्रपाल ने बताया कि पिता के गायब होने के बाद से ही उन्हें अनहोनी का अंदेशा था। रविवार शाम नहर की पुलिया के पास ग्रामीणों ने उनके पिता का शव पड़ा देखा, जिसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर राठ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई की तथा पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इधर, परिजनों का आरोप है कि खेमचंद की हत्या कर शव नहर किनारे फेंका गया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। गांव में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं बनी हुई हैं।

कर्नलगंज की सभी रेलवे क्रॉसिंगों पर लग रहा भीषण जामः प्रशासन मौन,जनता बेहाल

● हुजूरपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण अधर में—नेताओं के वादे बने 'चुनावी जुमला'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्नलगंज, गोंडा। तहसील मुख्यालय कर्नलगंज की सभी प्रमुख रेलवे क्रॉसिंगों पर रोजाना लगने वाला भीषण जाम अब आम जनता की त्रासदी बन गया है। स्कूल के बच्चों से लेकर मरीजों और कार्यालय कर्मियों तक–हर किसी को घंटों फंसे रहना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और स्थानीय प्रशासन समस्या को जानते हुए भी पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। सबसे अधिक जामग्रस्त कर्नलगंज-हुजूरपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण को लेकर लोगों में पिछले कई महीनों से उम्मीदें पनप रही थीं। परियोजना को स्वीकृति मिलने के बाद सेतु निगम की हलचल भी दिखी, साथ ही लोक निर्माण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी ले लिया गया। बिजली विभाग को पोल और लाइन शिफ्टिंग हेतु पत्र भी भेजा गया था। लेकिन इसके बाद से पूरा मामला ठंडे बस्ते में चला गया। ना तो खुदाई शुरू हुई और ना मशीनें लगीं, न ही साइट पर किसी भी प्रकार की निर्माण गतिविधि देखी जा रही है। इससे साफ है कि विभागीय सुस्ती के चलते बहु प्रतीक्षित ओवरब्रिज का सपना अभी दूर है। लोगों का कहना है कि चुनावी मौसम में नेताओं ने यही कहकर वोट मांगे- 'अबकी बार जिता दो, फ्लाईओवर जरूर बनेगा...' लेकिन चुनाव बाद न वादा याद रहा, न जनता की समस्या। इससे नेताओं के वादे भी 'चुनावी जुमला' साबित हो रहे हैं। उधर, गोंडा-लखनऊ हाईवे के कटरा शहबाजपुर, सरयू रेलवे क्रॉसिंग, तथा कर्नलगंज-कटरा मार्ग स्थित शहीद मर्द स्थान के पास की रेलवे क्रॉसिंग पर भी हर दिन भीषण जाम लगता है। एक-एक क्रॉसिंग पर करीब 400- 500 मीटर तक वाहन फंस जाते हैं, जिससे ग्रामीण और नगर क्षेत्र के हजारों लोग प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते ओवरब्रिज निर्माण शुरू नहीं किया गया, तो आने वाली सर्दियों और त्योहारी भीड़ में हालात और बदतर हो जाएंगे।

लोगों ने शासन और विभागीय शीर्ष अधिकारियों से हस्तक्षेप कर तुरंत निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। इस संबंध में एसडीएम कर्नलगंज से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर था।

सामाजिक नाटक,मलूकपुर की लाल हवेली का ज्ञान कला मंच के कलाकारों द्वारा सजीव प्रस्तुति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। 30 नवंबर 2025 को , 'ज्ञान कला मंच' के कलाकारों द्वारा राजेंद्र नगर स्थित 'स्वरांजली स्टूडियो' में सामाजिक नाटक 'मलूकपुरा की लाल हवेली 'का सफल मंचन किया गया।नाटक के कलाकारों ने अनुराग गुप्ता और श्रीमती नीता गुप्ता के निर्देशन में अपने अभिनय से सभी दर्शकों को बहुत प्रभावित किया। अनुराग गुप्ता और नीता गुप्ता ने स्वयं भी नाटक में लाला पुरुषोत्तम लाल और अंगूरी देवी के किरदार निभाए।नाटक के अन्य कलाकारों राहुल मसारी, अखिलेश शर्मा,राकेश कुमार, आराध्या गरीया,प्रीति गरीया,भावना सक्सेना,अर्चना सिंह, सुमिता श्रीवास्तव और मोहित जिंदल ने भी अपनी अपनी भूमिकाओं को बखूबी निभाया। इस नाटक का लेखन भी श्रीमति नीता गुप्ता ने ही किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, द्वारका स्थित राइस फाउंडेशन के फाउंडर मेंबर मधुकर वार्ष्णेय जी,उनकी धर्मपत्नी एवं 'सच्ची सहेली 'नामक हृत्रह की संस्थापिका और समाज सेविका और द्वारका ब्लॉक, से कांग्रेस की अध्यक्षा माधुरी रावत वार्ष्णेय जी , 'स्वरांजली स्टूडियो' के संस्थापक विपिन सेठी जी,अभिनेता गायक राजकुमार भागचंदानी जी राष्ट्रपति भवन से रिटायर्ड राजपत्रित अधिकारी कविंदर जी , 'रत्नव थिएटर ग्रुप' के सीनियर अभिनेता और फाउंडर मेंबर दुर्गेश जी, 'राजेंद्र नगर आर्ट्स क्लब' के डायरेक्टर पूर्णानंद कालरा जी,थिएटर डायरेक्टर अशोक नागर जी,सुनील ढींगरा जी,और कलाकारों के बहुत से परिजन उपस्थित रहे तथा उन्होंने और अन्य दर्शकों ने सभी कलाकारों का खूब उत्साह वर्धन किया।काफी संख्या में आकर दर्शकों ने नाटक का आनंद लिया।

नाटक ने दर्शकों को शुरू से अंत तक बाँधे रखा। नाटक ' ने न केवल प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने पर भी विवश किया। सवा घंटे की पूरी कहानी 11 किरदारों के आस पास घूमती है ।नाटक में बताया गया कि लड़कियों का शिक्षित होना भी एक जागरूक एवं प्रगतिशील समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। अक्सर बहुत से मां बाप किसी न किसी कारण लड़कियों की शिक्षा बीच में ही छुड़ा देते हैं।नाटक के सभी कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल दर्शकों का मन मोह लिया बल्कि हलके -फुल्के हंसी मजाक के साथ आजकल की एक गंभीर परिस्थिति की ओर भी सबका ध्यान खींचा। प्रकाश की कमान संभाली बिक्रम कुमार ने और वीडियो ग्राफी भी की।नाटक में म्यूजिक दिया विवेक यादव ने और फोटोग्राफी अंकिता गुप्ता ने।यह इस नाटक का तीसरा सफल मंचन था।

आठवें वेतन आयोग में पेंशनरों के कल्याण एवं पेंशन संशोधन को शामिल करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- पेंशनर्स संघ ने 8वें केन्द्रीय वेतन आयोग की सन्दर्भ शर्तों में पेंशनरों के कल्याण एवं पेंशन संशोधन को शामिल करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री से सम्बोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौपा है। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के संरक्षक भगवान दास द्विवेदी की अगुवाई में दिए ज्ञापन में बताया कि 8 वें केन्द्रीय बेतन आयोग के गठन के पश्चात् देश भर के करोंडो सेवानिवृत्त पेंशनरों में आशा का वातावरण बना था कि आयोग में कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनरों के हितों की भी समान रूप से समीक्षा की जायेगी। बेतन आयोग के प्रारम्भिक उद्देश्य में कहा गया था कि यह प्राविधान उन लाखों पेंशनरों के लिये न्याय और समानता का आधार था जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्रसेवा में समर्पित किया है। इससे यह विश्वास मिला था कि उनकी आर्थिक सुरक्षा और भलाई बेतन आयोग की मुख्य भावना का हिस्सा रहेगी। किन्तु जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में पेंशनरों से सम्बन्धित यह महत्वपूर्ण बिन्दु पूरी तरह से हटा दिया गया। केन्द्रीय पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के बैध अधिकारों को अनदेखा कर दिया गया है। यह उन पेंशनरों के साथ हुये अन्याय का भी द्योतक है जिन्होंने अपने जीवन के स्वर्णिम वर्ष राष्ट्र की सेवा में लगाया है। उन्होंने पेंशनरों की पेंशन पुनरीक्षण, मंहगाई राहत तथा अन्य सेवानिवृत्त लाभो को भी 8वें बेतन आयोग की सन्दर्भ शर्तों में शामिल करने की मांग की है।

नेबुआ स्थित विद्यालय में मिशन शक्ति कार्यक्रम खानापूर्ति

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के नेबुआ स्थित एक विद्यालय में सोमवार को मिशन शक्ति के तहत आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम महज़ औपचारिकता साबित हुआ। डुमरियागंज थाने की महिला उपनिरीक्षक की मौजूदगी में कार्यक्रम की शुरुआत तो हुई, लेकिन छात्राओं को न तो योजनाओं की जानकारी दी गई और न ही किसी प्रकार की जागरूकता पर चर्चा कराई गई। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में मिशन शक्ति की रूपरेखा का सिर्फ औपचारिक परिचय दिया गया।सरकार द्वारा मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देना है, लेकिन विद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम अपने मूल लक्ष्य से काफी दूर रहा।

ऑनलाइन उपस्थिति और गैर-विभागीय कार्यों के विरोध में सचिवों का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सुमेरपुर ब्लॉक कार्यालय में ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति ने ऑनलाइन उपस्थिति (एफआरएस) प्रणाली और गैर-विभागीय कार्यों के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। सोमवार से समिति के सदस्य केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर काली पट्टी बांधकर कार्य कर रहे हैं। यह चरण 1 से 4 दिसंबर तक चलेगा, जिसके माध्यम से सचिव सरकार तक अपनी समस्याओं और मांगों को मजबूती से पहुंचाना चाहते हैं। समिति के जिलाध्यक्ष और महामंत्री ने बताया कि एफआरएस लागू होने के बाद सचिवों पर कार्य का दबाव काफी बढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क और तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराना बड़ी चुनौती बन गया है। इसके अतिरिक्त, गैर-विभागीय कार्यों का बोझ भी नियमित जिम्मेदारियों के साथ तालमेल बैठाने में बाधा पैदा कर रहा है। इन्हीं समस्याओं को लेकर सचिव लगातार विरोध कर रहे हैं और सरकार से समाधान की उम्मीद कर रहे हैं। ठविरोध के अगले चरण के तहत 5 दिसंबर को सभी सचिव ब्लॉक मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे। इसके बाद समिति के सभी सदस्य जनपद के सरकारी व्हाट्सएप ग्रुपों से लेफ्ट हो जाएंगे, ताकि दूर-दूर रहकर दिए जाने वाले अनावश्यक निर्देशों से बचा जा सके। समिति ने आगामी कार्यक्रम भी घोषित कर दिए हैं। 10 दिसंबर से सभी सचिव अपने निजी वाहनों का उपयोग पूरी तरह बंद कर देंगे। वहीं 15 दिसंबर को सचिव अपने-अपने विकास खंडों में आवंटित डोंगल जमा कर देंगे, जिससे तकनीकी निर्भरता खत्म करने का संदेश दिया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में अमित तिवारी, उमेश कुमार, आदित्य कुमार, शिवशंकर पाल, सुरेंद्र पटेल, सोनाली सचान, संजय सिंह, आशीष कुमार, मनीष कौशिक, महेंद्र प्रताप और मनोज गुप्ता सहित अनेक सचिव मौजूद रहे।